CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 23-12-2025 Zone: Gurgaon Edition: 2 Page: NBTGRFP User: cci Time: 12-22-2025 22:44 Color:

नई दिल्ली › मंगलवार, 23 दिसंबर 2025 › पौष 2, शक संवत 1947, पौष शुक्ल तृतीया, विक्रम संवत 2082

WATCH GOD WATCHDOG

NBT
नवभारत टाइम्स

वर्ष 79, संख्या 304 › पेज 14* › गुड़गांव › मूल्य ₹3.50 या ₹8.50* द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित www.nbt.in
*वार्षिक खरीद पर ही लागू

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001203474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

छुट्टियां मनाने निकले रणवीर और दीपिका

▶ गुड़गांव टाइम्स

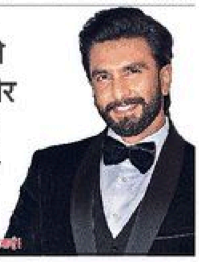

सड़क पर सबक, ये टूटी गाड़ी बता रही है, रहें अलर्ट

- यमुना एक्सप्रेसवे पर रखी हादसे की शिकार गाड़ियां, दिया जा रहा सुरक्षा का संदेश
- एक्सप्रेसवे पर 17 पुलिस गाड़ियां तैनात

7 मिनट में एक्सप्रेसवे पर मदद का दावा

■ NBT रिपोर्ट, नोएडा: कोहरे से होने वाले हादसे रोकने को ट्रैफिक पुलिस ने नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे, यमुना एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर कुल 17 गाड़ियां तैनात की हैं, जो हादसा होने पर 6 से 7 मिनटों में घायलों को मदद देंगी। हर एक किमी. पर दो ट्रैफिक कर्मी भी तैनात किए हैं। वहीं हादसे की शिकार गाड़ियों को रेड फ्लैग के तौर पर यमुना एक्सप्रेसवे पर रखा है, ताकि लोग सबक लें।

बुलंदशहर में हाइवे पर गैंगरेप के 9 साल बाद पांच दोषियों को उम्रकैद

■ NBT न्यूज, बुलंदशहर

यूपी के बुलंदशहर में हाइवे (NH91) पर गैंगरेप के नौ साल बाद 5 दोषियों को उम्रकैद सुनाई गई है। मां-बेटी से हुए गैंगरेप में बुलंदशहर की स्पेशल पॉक्सो (POCSO) कोर्ट ने हर दोषी पर 1.81 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। पीड़ितों का कहना है कि फांसी की सजा होनी चाहिए थी। वहीं बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने कोर्ट के फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती देने की बात कही है।

कोर्ट ने शनिवार को कन्नौज के रहने वाले जुबैर, साजिद और फर्रुखाबाद के धर्मवीर, नरेश, सुनील को दोषी करार दिया था। 29 जुलाई 2016 को शाहजहांपुर की मां-बेटी परिवार के साथ एक मौत में शिरकत करने नोएडा से शाहजहांपुर जा रही थीं। जीटी रोड पर गांव दोस्तपुर में बदमाशों ने कार को रोककर गैंगरेप किया था। 11 लोगों पर FIR हुई थी, जिसमें असलम कालिया और बंटी उर्फ गंजा बब्लू को मुठभेड़ में ढेर कर दिया गया था। रहीसुद्दीन, जावेद और जब्बर सिंह को CBI ने जांच में क्लीन चिट दे दी थी। वहीं, सुनवाई के दौरान गिरोह के सरगना सलीम बावरिया की मौत हो गई थी। ▸▸ गुड़गांव टाइम्स

- 29 जुलाई 2016 को मां-बेटी को कार से उतारकर गैंगरेप किया गया था।
- साजिद, जुबैर, धर्मवीर, नरेश, सुनील शनिवार को दोषी ठहराए गए थे

आज भी मैं घबराकर नींद से जाग जाती हूं: पीड़िता

9 साल तक परिवार ने जो पीड़ा झेली, उस बारे में पीड़िता ने कहा, उन्होंने हमारी पूरी जिंदगी, शांति और भविष्य को तबाह कर दिया। यह दर्द कभी खत्म नहीं होता। रातें सबसे ज्यादा डरावनी होती हैं। आज भी मैं घबराकर नींद से जाग जाती हूं। परिवार टूटा नहीं, एकजुट होकर लड़ते रहे। कानून की पढ़ाई कर रही और जज बनने का ख्वाब देख रही पीड़िता कहती है, पांच बार हमें घर बदलना पड़ा। ऐसे अब तक पहचान छिपाते रहेंगे।

खबरों के अंदर की बात
NBT Lens
देखें पेज 8

GOOD न्यूज
गुड न्यूज से जुड़ी खास खबरें देखें पेज 5

गाड़ी से प्रदूषण का जुर्माना माफ न हो, सरकार की तैयारी

PUCC न होने पर कटता है ₹10,000 का चालान

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

गाड़ियों के PUC (Pollution Under Control) सर्टिफिकेट न होने पर कटने वाले 10 हजार रुपये के चालान पर लोक अदालत में राहत न मिले, इसके लिए सरकार कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में सोमवार को पर्यावरण और प्रदूषण को लेकर कैबिनेट मंत्रियों और अधिकारियों के साथ हुई बैठक में यह फैसला लिया गया।

लोक अदालत में जाकर लोग जुर्माना करा लेते हैं कम

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि फिलहाल प्रदूषण फैलानी वाली गाड़ियों पर 10 हजार रुपये के जुर्माने का प्रावधान है, लेकिन गाड़ी मालिक लोक अदालत का सहारा लेकर इस जुर्माने की रकम कम करा लेते हैं। इससे दंड का भय खत्म हो जाता है और लोग अपनी गाड़ियों को प्रदूषण-मुक्त कराने के प्रति गंभीर नहीं होते। उन्होंने बैठक में मौजूद परिवहन विभाग और ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों को इस तरह की माफी खत्म कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अगर इसके लिए कोर्ट जाने की भी जरूरत पड़ी, तो सरकार यह कदम भी उठाएगी।

File

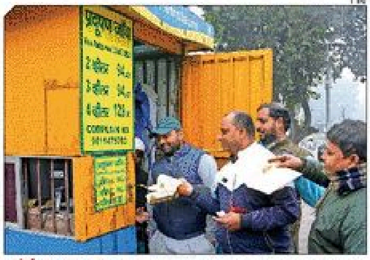

कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी सरकार, प्रदूषण का भरना होगा हर्जाना।

दिल्ली-NCR बस सर्विस पर विचार

बैठक में सड़कों पर जाम का कारण बन रहे ई-रिक्शा के लिए नई नीति लाने पर भी चर्चा हुई, ताकि दिल्ली में जगह-जगह रुकने वाले ई-रिक्शा से होने वाले जाम को समाप्त किया जा सके। इसके अलावा ओला-उबर के साथ बैठक कर दिल्ली-एनसीआर के बीच निजी वाहनों के विकल्प के रूप में साझा बस सेवा उपलब्ध कराने पर भी विचार किया गया।

'प्रदूषण फैला रहे उद्योग होंगे सील'

सोमवार को पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, प्रदूषण के नियमों का उल्लंघन करने वाले उद्योगों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाएगी। उन्हें बिना किसी नोटिस के सील किया जाएगा। उद्योगों पर सख्ती तेज कर दी गई है। 31 दिसंबर तक OECM सर्टिफिकेशन (ऑनलाइन निगरानी सिस्टम) के लिए आवेदन न करने वाले उद्योगों पर भी ऐक्शन होगा।

फटाफट खबरें

अल फलाह समेत 26 यूनिवर्सिटी पर सख्ती

हरियाणा सरकार ने निजी विश्वविद्यालयों पर सख्ती के लिए विधानसभा में विधेयक पास कर दिया है। इसके तहत कोई भी प्राइवेट यूनिवर्सिटी न अपनी मर्जी से कोई नया कोर्स शुरू कर सकेगी और न ही क्षमता से अधिक दाखिले ले पाएगी। हरियाणा सरकार निगरानी के लिए अल फलाह यूनिवर्सिटी समेत 26 निजी विश्वविद्यालयों में से कहीं भी प्रशासक लगा सकेगी। ▸▸ पेज 2

मारपीट के आरोपी पायलट पर FIR

दिल्ली पुलिस ने एयर इंडिया एक्सप्रेस के एक ऑफ-ड्यूटी पायलट वीरेंद्र सेजवाल के यात्री से मारपीट के मामले में FIR दर्ज की है। यह ऐक्शन यात्री अंकित दीवान की ई-मेल पर शिकायत के बाद लिया गया। पुलिस के मुताबिक, पायलट के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और जांच शुरू कर दी गई है।

एयर इंडिया प्लेन का एक इंजन हुआ बंद, दिल्ली लौटा

■ भाषा, नई दिल्ली: मुंबई जा रहा एयर इंडिया का बोइंग 777 प्लेन सोमवार सुबह एक इंजन में खराबी की वजह से उड़ान भरने के एक घंटे से भी कम में दिल्ली में उतारा गया। प्लेन में 335 लोग सवार थे। विमान दिल्ली लौटने से पहले करीब एक घंटे तक हवा में रहा। विमान को इमरजेंसी में उतारा गया। नागर विमानन महानिदेशालय (DGCA) मामले की जांच करेगा। अधिकारियों ने बताया कि विमान ने उड़ान भरने के बाद 'फ्लैप' के दौरान दाहिने हाथ के इंजन (इंजन नंबर 2) में तेल का दबाव कम होने से हवा में ही लौटने का फैसला किया। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एयर इंडिया से डिटेल रिपोर्ट मांगी है।

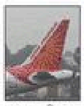

न्यूज़ीलैंड से डील फाइनल, सस्ते होंगे कीवी, सेब, ऊन

कीवियों संग डील भारत-न्यूजीलैंड का फ्री ट्रेड अग्रीमेंट फाइनल।

■ NBT रिपोर्ट

भारत और न्यूजीलैंड के बीच फ्री ट्रेड अग्रीमेंट (FTA) पर समझौता सोमवार को फाइनल हो गया। इससे मिडल क्लास को राहत की उम्मीद है। डील के तहत न्यूजीलैंड से आने वाले फल (कीवी, सेब), ऊन के प्रोडक्ट्स, लकड़ी और स्पेशल डेयरी आइटम सस्ते होंगे। न्यूजीलैंड से आने वाले करीब 95% उत्पादों पर टैरिफ या तो खत्म किया गया है या काफी कम। 50% से ज्यादा सामान मंगलवार से बिना एक्स्ट्रा टैक्स के बिक सकेंगे। इंडियन प्रफेशनल्स के लिए न्यूजीलैंड में वर्क वीजा, जॉब के विकल्प बढ़ेंगे।

हादी के बाद अब

बांग्लादेश में एक और छात्र नेता को गोली मारी

■ भाषा, ढाका: बांग्लादेश के खुलना में सोमवार को अज्ञात हमलावरों ने छात्र नेता मोतालेब सिकदर को सिर में गोली मार दी। नैशनल सिटिजन पार्टी के नेता सिकदर को अस्पताल ले जाया गया है। यह हमला हाल में उस्मान हादी की हत्या के बाद हुआ है। इस बीच, बांग्लादेश के गृह मामलों के सलाहकार मोहम्मद जहांगीर ने हादी की हत्या केस में कहा कि उन्हें हमलावरों का पता नहीं है। पहले दावा था कि हमलावर भारत भाग गए हैं। इधर, बांग्लादेश में हिंदू युवक की हत्या के विरोध में बीजेपी ने कोलकाता में प्रदर्शन किया।

मोतालेब

2026 LOADING
नई उम्मीद

2026 शुरू होने में सिर्फ 8 दिन बाकी हैं। प्रदूषण के लिहाज से कैसा रहा यह साल, पढ़ें स्पेशल ईयरएंडर सीरीज में। साथ ही हिस्सा लें इस साल के सबसे बड़े पोल में। आज का सवाल है, 2025 में दिल्लीवालों को सबसे ज्यादा किसने सताया? कैसे देना है जवाब

देखें पेज 4

हैपी मॉर्निंग

डॉक्टर : अब आप खतरे से बाहर हैं, फिर भी आप इतना डर क्यों रहे हो?
मरीज: जिस ट्रक से मेरा ऐक्सिडेंट हुआ था उस पर लिखा था- 'जिंदगी रही तो फिर मिलेंगे'

अर्थसार

सेंसेक्स	85,567.48 (+638.12)
निफ्टी	26,172.40 (+206)
रु/यूएस डॉलर	89.63 (-0.12)
रु/यूरो	102.83 (+0.30)

सर्राफा

सोना स्टैंडर्ड (99.5 शुद्धता) प्रति 10 ग्राम	
दिल्ली	₹1,38,200 (+1,685)
चांदी .999 टंच प्रति किलो	
दिल्ली	₹2,14,500 (+10,400)

मौसम

अधिकतम तापमान 21.8°
11° न्यूनतम तापमान

सूर्यास्त 5:30 मंगलवार | सूर्योदय 7:11 बुधवार

सुबह हल्का कोहरा छा सकता है। दिन में तेज हवाएं चलेंगी।

*10 + 4 GurgaonTimes

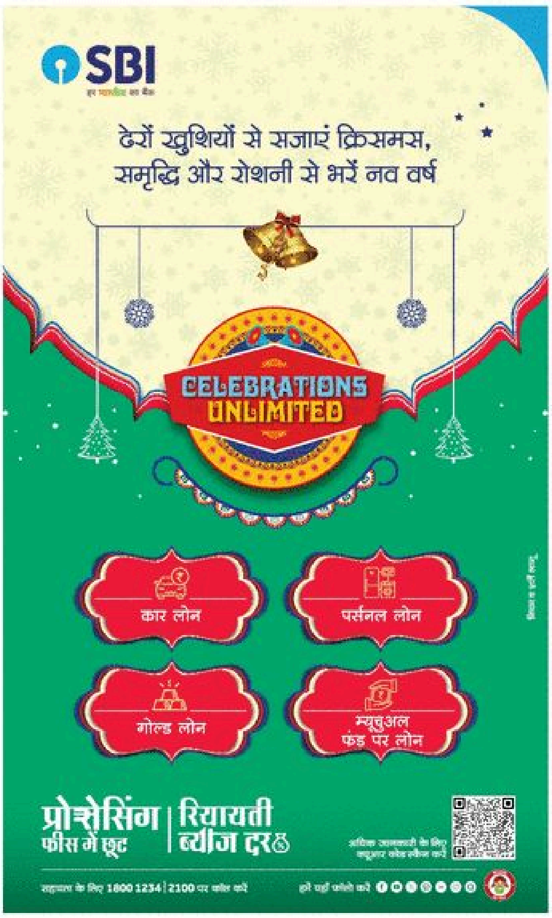

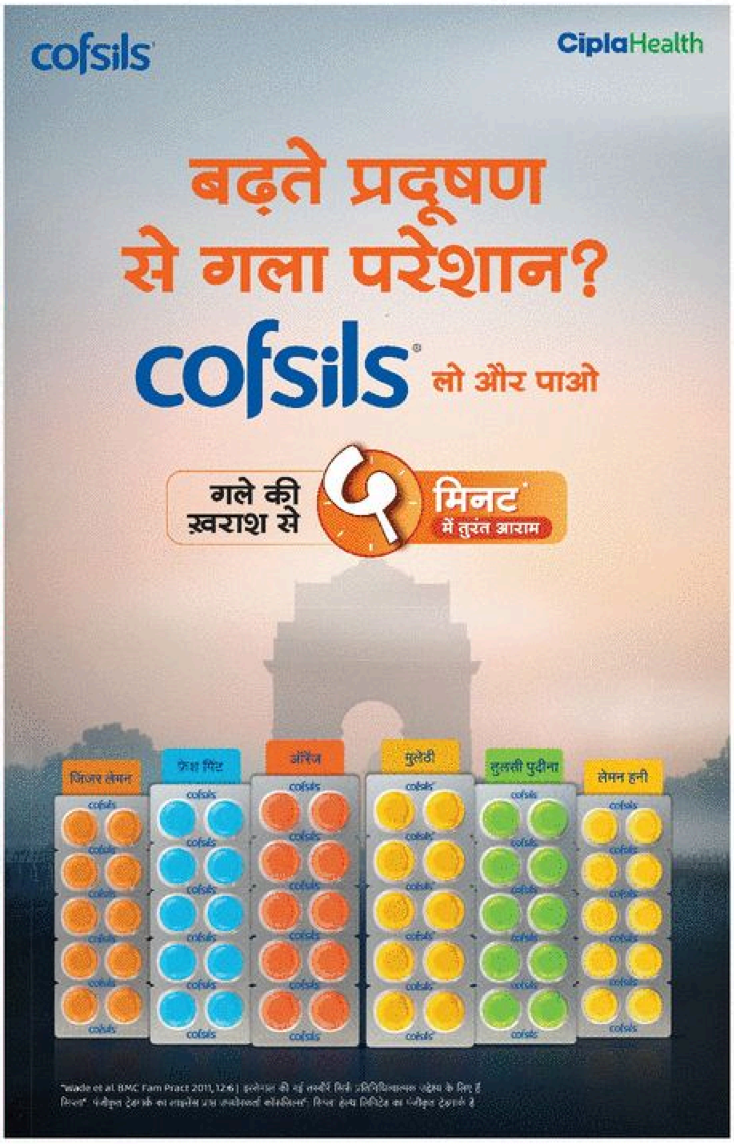

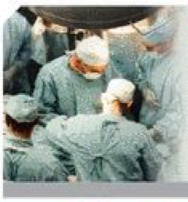

NBT AI टाइम मशीन

जब हुआ पहला सफल किडनी ट्रांसप्लांट

23 दिसंबर 1954 को बोस्टन में डॉ. जोसेफ ई. मरे ने दुनिया का पहला सफल किडनी ट्रांसप्लांट किया। मरीज को उसके जुड़वा भाई ने किडनी दी थी। समान डीएनए होने की वजह से शरीर ने ऑर्गन को स्वीकार कर लिया। इस ऐतिहासिक कामयाबी के लिए डॉ. मरे को 1990 में नोबेल पुरस्कार मिला। इसी घटना ने अंगदान के जरिए लाखों लोगों को नया जीवन देने का रास्ता खोला।

NBT
Front Page-2
नवभारत टाइम्स। नई दिल्ली/एनसीआर · मंगलवार, 23 दिसंबर 2025

भविष्य में रोबॉट सर्जरी में मदद करेंगे

ChatGPT के अनुसार, भारत में किडनी ट्रांसप्लांट का भविष्य उम्मीद भरा है। अस्पताल रोबॉट असिस्टेड सर्जरी जैसी अडवांस तकनीक इस्तेमाल करेंगे। इससे ऑपरेशन और रिकवरी दोनों बेहतर होंगी। सरकारें ऑनलाइन डोनर पोर्टल और जागरूकता बढ़ाकर अधिक अंगदान को प्रोत्साहित करेंगी ताकि डोनरों की कमी कम हो सके। रिसर्च में ब्लड-टाइप बदलने वाली यूनिवर्सल किडनी जैसी नई खोजें भी आएंगी, जो डोनर मैचिंग को आसान कर सकती हैं।

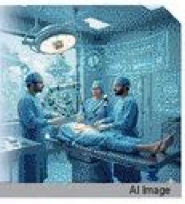

AI Image

SPEED News

अमेरिका की एंबेसी ने H-1B, H-4 वीजा

आवेदकों को जल्द से जल्द आवेदन करने की सलाह दी है। भारत में US एंबेसी ने 'एक्स' पर यह अलर्ट जारी किया है।

थाइलैंड के विदेश मंत्री ने कहा कि

वह कंबोडिया से स्थायी संघर्षविराम के लिए बातचीत फिर से शुरू करेंगे। ASEAN देशों ने मलयेशिया में इस मुद्दे पर बात की।

पाकिस्तानी सेना के प्रमुख को सऊदी

अरब ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'किंग अब्दुलअजीज मेडल ऑफ एक्सिलेंस' से सम्मानित किया है। आसिम मुनीर सऊदी अरब में हैं।

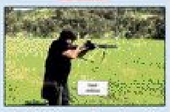

ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर हुए आतंकी

हमले में फायरिंग करने वाले दोनों संदिग्धों ने गांव के इलाके में हमले के लिए ट्रेनिंग ली थी।

SPEED News पर आप अपनी राय हमें 9220747220 पर वट्सऐप करके बताएं।

हसीना विरोधी एक और नेता पर हमला

बांग्लादेश में 2024 के हिंसक आंदोलन के दूसरे नेता बने निशाना

सिर में गोली मारी गई, रैली की कर रहे थे तैयारी, हादी के बाद दूसरी घटना

■ पीटीआई, ढाका

बांग्लादेश के दक्षिण-पश्चिमी शहर खुलना में सोमवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने 2024 के हिंसक आंदोलन के दूसरे नेता मोतालेब सिकदर को सिर में गोली मार दी। यह हमला प्रमुख युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के कुछ दिनों बाद हुआ।

नैशनल सिटिजन पार्टी (NCP) की संयुक्त प्रधान समन्वयक महमूदा मितु ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, पार्टी के खुलना डिविजन के प्रमुख और पार्टी के कार्यकर्ता मोर्चे के केंद्रीय समन्वयक मोहम्मद मोतालेब सिकदर को कुछ मिनट पहले गोली मार दी गई। उन्हें सिकदर को गंभीर हालत में खुलना मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया।' न्यूज पेपर 'कालेर कंठ' ने अस्पताल के सूत्रों के हवाले से बताया कि सिकदर के सिर में बाईं ओर गोली मारी गई।

> पुलिस ने कहा, अपराधियों और उनके मकसद के बारे में कुछ पता नहीं

सोमवार को खुलना शहर के मानिक सारणी इलाके में सिकदर पर हुए हमले के बाद पुलिस ने कहा कि वे अभी तक हमले के अपराधियों या मकसद के बारे में अनजान हैं, लेकिन उनकी गिरफ्तारी के लिए अभियान शुरू कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत मदद की और उन्हें अस्पताल पहुंचाया। सुरक्षा बलों को घटनास्थल और अस्पताल दोनों जगह तैनात किया गया है। यह हमला हादी की हत्या के कुछ दिनों बाद हुआ है। हादी पिछले साल हुए छात्र विरोध प्रदर्शनों के एक प्रमुख नेता थे। 12 दिसंबर को ढाका में चुनावी अभियान के दौरान बंदूकधारियों ने गोली मार दी थी। उनकी गुरुवार को जान चली गई थी।

AFP

सिकदर

कोलकाता में सोमवार को बांग्लादेश के डिप्टी हाई कमिशन ऑफिस के बाहर BJP ने विरोध प्रदर्शन किया।

कौन हैं मोतालेब सिकदर?

Q किस पार्टी से जुड़े हैं मोतालेब सिकदर?
मोहम्मद मोतालेब सिकदर, जिन्हें मोतालेब सिकदर भी कहा जाता है, बांग्लादेश की नैशनल सिटिजन पार्टी (NCP) के खुलना डिविजन के प्रमुख हैं।

Q कैसे बनाया गया निशाना?
द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, सिकदर खुलना के सोनाडांगा के शेखपारा पल्ली के निवासी हैं। शहर में सुबह 11:45 बजे बदमाशों ने सिकदर के सिर को निशाना बनाकर गोलीबारी की। घटना के समय वे खुलना में होने वाली एक डिविजनल मजदूर रैली की तैयारी कर रहे थे।

Q बांग्लादेश के हिंसक आंदोलन से किस तरह जुड़े थे?
रिपोर्ट के अनुसार, 42 साल के सिकदर बांग्लादेश के 2024 के छात्रों की अगुआई वाले हिंसक आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। सिकदर पर हमला प्रमुख युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के कुछ दिनों बाद हुआ। बांग्लादेश आंदोलन के बाद तत्कालीन पीएम शेख हसीना को देश छोड़ना पड़ा था।

Q NCP की शुरुआत कब हुई?
NCP का गठन इस साल की शुरुआत में स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन और जातीय नागरिक समिति ने मिलकर किया था।

'आरोपी के ठिकाने की जानकारी नहीं'

बांग्लादेश के गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) मोहम्मद जहांगीर आलम चौधरी ने कहा कि इंकलाब मंच के प्रवक्ता उस्मान हादी की हत्या के लिए जिम्मेदार लोगों के मौजूदा ठिकाने के बारे में सटीक जानकारी नहीं है।

हादी के हत्यारों को जल्द पकड़ें: यूनुस

बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों को उस्मान हादी की हत्या में शामिल लोगों और गैर-कानूनी कामों में शामिल दूसरे लोगों को जल्द गिरफ्तार करने का आदेश दिया है।

मिलिए 2025 की मिस डीवा से

मिस डीवा फैशन डिजाइनर 2025 ऐश्वर्या वी, मिस डीवा सुप्रानैशनल 2025 अवनी गुप्ता, मिस डीवा कॉस्मो 2025 अवनी काकेकोचि और मिस डीवा कंटेंट क्रिएटर 2025 मोनिका डी'सूजा (बाएं से दाएं)।

मुंबई में आयोजित समारोह में लीवा द्वारा प्रस्तुत मिस डीवा 2025 के फिनाले में दिल्ली की अवनी गुप्ता ने मिस डीवा सुप्रानैशनल 2025 का ताज अपने नाम किया। बेंगलुरु की अवनी काकेकोचि ने मिस डीवा कॉस्मो 2025 का खिताब जीता। चेन्नै की ऐश्वर्या वी को मिस डीवा फैशन डिजाइनर 2025 और मुंबई की मोनिका डिसूजा को मिस डीवा कॉन्टेंट क्रिएटर 2025 का खिताब दिया गया।

कार बम धमाके में रूसी जनरल की जान गई

■ पीटीआई, मॉस्को: रूस की राजधानी मॉस्को के दक्षिणी हिस्से में सोमवार सुबह कार ब्लास्ट में एक रूसी जनरल की मौत हो गई। जांचकर्ताओं ने कहा कि इस हमले के पीछे यूक्रेन का हाथ हो सकता है। एक साल में टॉप सैन्य अफसर की हत्या का यह तीसरा मामला है। लेफ्टिनेंट जनरल फैनिल सरवारोव रूसी सेना के ऑपरेशनल ट्रेनिंग विभाग के चीफ थे। यूक्रेन में कैद हैं गुजराती: गुजरात के मोरबी कस्बे के 22 वर्षीय युवक को रूसी सेना के लिए लड़ते हुए यूक्रेन की सेना ने पकड़ लिया है। उसने परिवार को विडियो संदेश भेजकर रिहाई में मदद मांगी है। साहिल मोहम्मद हुसैन माजोठी नामक व्यक्ति ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से रिहाई में मदद का आग्रह किया ताकि वह घर लौटकर परिवार से मिल सके। माजोठी का दावा है कि उन्हें रूसी सेना में शामिल होने के लिए धोखा दिया गया था। यूक्रेन-रूस युद्ध के दौरान रूसी सेना में भर्ती हुए 50 भारतीय अब भी वहां फंसे हुए हैं।

सबसे बड़ा सैटलाइट ISRO करेगा लॉन्च

Hemwati.Rajaura1
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ISRO एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने जा रहा है। वह अपने भारी-भरकम रॉकेट लॉन्च वीकल मार्क 3 (LVM3) के जरिए अमेरिका की कंपनी एएसटी स्पेस मोबाइल का दुनिया का सबसे बड़ा कमर्शल कम्युनिकेशन सैटलाइट ब्लू बर्ड ब्लॉक-2 बुधवार को लॉन्च करेगा। यह ISRO के LVM3 रॉकेट की छठी सफल ऑपरेशनल उड़ान होगी। खास बात यह है कि यह सैटलाइट लो अर्थ ऑर्बिट में भेजा जाएगा और अब तक का सबसे भारी कमर्शल पेलोड होगा, जिसे LVM3 भारतीय धरती से लॉन्च करेगा।

ब्लू बर्ड ब्लॉक-2 सैटलाइट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह सीधे मोबाइल फोन तक इंटरनेट और कॉलिंग सुविधा पहुंचाने के लिए बनाया गया है। इस सैटलाइट में 223 वर्ग मीटर का विशाल फेज्ड ऐरे एंटीना लगा है, जो इसे दुनिया का सबसे बड़ा कमर्शल कम्युनिकेशन सैटलाइट बनाता है। इसका मकसद 24 घंटे, 7 दिन हाई-स्पीड सेल्युलर ब्रॉडबैंड सेवा देना है। यह हिमालय जैसे दुर्गम क्षेत्र, महासागरों के बीच के हिस्सों में कनेक्टिविटी देगा।

खासियत...

223 वर्ग मीटर का विशाल फेज्ड ऐरे एंटीना लगा है सैटलाइट में

24 X7 हाई-स्पीड सेल्युलर ब्रॉडबैंड सेवा देना है मकसद

अमेरिकी कंपनी का यह सैटलाइट बिना टावर वाले इलाकों में भी इंटरनेट कनेक्टिविटी देगा

पाकिस्तान LoC के पास तैनात कर रहा ड्रोन डिटेक्शन सिस्टम

Poonam.Pandey
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली : ऑपरेशन सिंदूर के बाद से पाकिस्तान लगातार ड्रोन डिटेक्शन और जैमिंग सिस्टम तैनात कर रहा है। इंटेलिजेंस सूत्रों के मुताबिक लाइन ऑफ कंट्रोल (LoC) के पास पाकिस्तान ने ड्रोन डिटेक्शन और जैमिंग की 35 यूनिट तैनात की हैं। ये पाकिस्तान की 8 ब्रिगेड के तहत आती हैं। सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तान ने रावलाकोट, कोटली, भिंबर सहित एलओसी के दूसरी तरफ ड्रोन डिटेक्शन सिस्टम तैनात किए हैं। भारतीय सेना जिस तरह अपने बेड़े में अलग-अलग तरह के ड्रोन शामिल कर रही है, उससे पाकिस्तान को डर सता रहा है। इसलिए पाकिस्तानी सेना अभी एंटी ड्रोन सिस्टम पर फोकस कर रही है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से पाकिस्तान इसमें तेजी लाया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से पाकिस्तान जहां अपने खस्ता इंफ्रास्ट्रक्चर को ठीक करने में जुटा है वहीं हथियारों की खरीद भी बढ़ी है। इंटेलिजेंस सूत्रों के मुताबिक पिछले 2-3 महीनों में पाकिस्तान ने चीन और टर्की से हथियारों की कई डील पर बात की है।

टैंक भी बदल रहा पाक

पाकिस्तान अपने पुराने टैंकों को भी बदल रहा है। पाकिस्तान ने इसके लिए चीन से नए टैंक VT-4 खरीद रहा है। ये चीन के मेन बैटल टैंक हैं। पाकिस्तान ने चीन से 360 मेन बैटल टैंक VT-4 खरीदने की डील की है जिसमें से कुछ टैंक पाकिस्तान को मिल चुके हैं। इन्हीं टैंक के एक वैरिएंट को लाइसेंस लेकर पाकिस्तान में ही बनाया जा रहा है। इस तरह चीन से मिलने वाले और पाकिस्तान में बनने वाले टैंकों की कुल संख्या करीब 600 हो जाएगी।

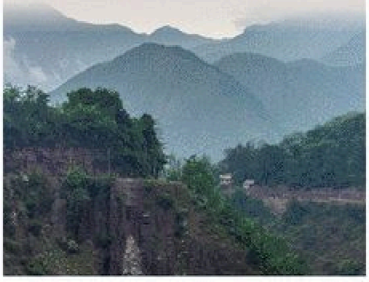

पढ़ाई के मानक तय होंगे, नए कोर्स मिलेंगे

उच्च शिक्षा आयोग बनने के बाद शिक्षण संस्थानों की बदलेगी तस्वीर

Bhupender.Sharma
@timesofindia.com

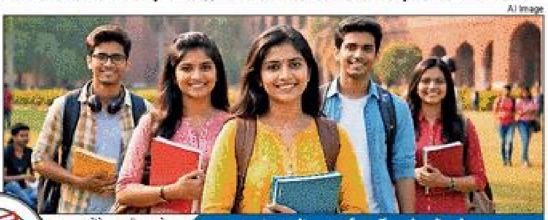

AI Image

NBT EXCLUSIVE

■ नई दिल्ली : उच्च शिक्षा आयोग यानी विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान बन जाने के बाद देश के टीचिंग संस्थानों में सुधारों की प्रक्रिया में तेजी आ जाएगी। छात्रों को टीचिंग संस्थानों में ही नए कोर्सेज का विकल्प भी मिलेगा। यह दावा नैशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन (NCTE) के चेयरमैन प्रो. पंकज अरोड़ा का है।

हर टीचिंग संस्थान के स्तर की जांच के लिए एक प्रक्रिया होगी : प्रो. अरोड़ा ने NBT से खास बातचीत में कहा कि मौजूदा समय में टीचर एजुकेशन को रेगुलेट करने वाली NCTE के पास अभी टीचिंग संस्थानों का थर्ड पार्टी ऑडिट करवाने, वित्तीय जुर्माना और चरणबद्ध कार्रवाई का अधिकार नहीं है। हालांकि, डमी टीचिंग संस्थानों, डमी टीचर्स और स्टूडेंट्स की पड़ताल करने के लिए परफॉर्मेंस अप्रेजल रिपोर्ट (PARs) को पिछले साल लागू किया गया और 3500 संस्थान संदेह के घेरे में हैं, इनमें से एक हजार से अधिक कोर्ट चले गए।

उन्होंने कहा कि आयोग बन जाने के बाद हर टीचिंग संस्थान के स्तर की जांच के लिए एक प्रक्रिया होगी। हर कार्यक्रम और कोर्स में पढ़ाई का मिनिमम स्टैंडर्ड तय होगा। छात्रों को टीचिंग संस्थानों में ही नए कोर्सेज का विकल्प भी मिलेगा। उच्च शिक्षा में नामांकन बढ़ाने की दिशा में यह प्रयास कारगर साबित हो सकता है। टीचिंग संस्थानों में अब टीचर एजुकेशन प्रोग्राम के साथ-साथ बीए, बीकॉम, बीएससी समेत स्किल एजुकेशन के दूसरे कोर्सेज भी शुरू किए जा सकेंगे। नए कोर्सेज की मंजूरी के लिए अलग-अलग जगह आवेदन नहीं करना होगा।

संस्थानों का थर्ड पार्टी असेसमेंट होगा

NCTE के मौजूदा रेगुलेशंस में थर्ड पार्टी ऑडिट करवाने व चरणबद्ध कार्रवाई का अधिकार नहीं है। प्रो. अरोड़ा का कहना है कि थर्ड पार्टी ऑडिट के लिए कोशिशें की गईं, लेकिन अभी तक ऐसा नहीं हो सका है। आयोग बन जाने के बाद संस्थानों का थर्ड पार्टी असेसमेंट होगा। साथ ही अभी जो स्थिति है, उसमें अगर कोई संस्थान नियमों को नहीं मानता तो उसकी मान्यता रद्द कर दी जाती है। अब जुर्माने का भी प्रावधान हो जाएगा। जुर्माना लगाकर चेतावनी भी दी जा सकती है।

> आयोग बनने के बाद हर टीचिंग संस्थान के स्तर की जांच के लिए एक प्रक्रिया होगी। पढ़ाई का एक मिनिमम स्टैंडर्ड तय होगा। थर्ड पार्टी ऑडिट शुरू होगा और कार्रवाई भी होगी।
> - प्रो. पंकज अरोड़ा, चेयरमैन, NCTE

अब फोटो छपवाने का मौका भी

खबरों का ज्ञान

रोज की खबरों पर कितनी पैनी नजर है, आजमाएं

1. दुनिया का सबसे बड़ा कमर्शल कम्युनिकेशन सैटलाइट किस देश का है जिसे ISRO लॉन्च करेगा?
A. अमेरिका B. जापान C. फ्रांस
2. किस देश के सेना प्रमुख को सऊदी अरब ने अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया है?
A. बांग्लादेश B. पाकिस्तान C. कुवैत
3. बांग्लादेश में मोतालेब सिकदर को गोली मारी गई है वह किस पार्टी के हैं?
A. NCP B. BNP C. PPP
4. भारत ने इनमें से किस देश से फ्री ट्रेड अग्रीमेंट किया है?
A. अमेरिका B. चीन C. न्यूज़ीलैंड
5. प. बंगाल में 'बाबरी' मस्जिद बनाने की शुरुआत करने वाले हुमायूं कबीर की पार्टी का नाम क्या है?
A. TMC B. जनता उन्नयन पार्टी C. जनता पार्टी

कल के जवाब

A1 C. दिल्लाई कर्ता A2 B. चटगांव A3 C. 26 दिसंबर A4 B. 16 A5 B. डिब्रूगढ़

लकी विनर्स

1. इमरान कुरैशी, नई दिल्ली
2. संदीप, सोनीपत, हरियाणा
3. जैना श्रीवास्तव, गाजियाबाद

ऐसे भेजें अपने जवाब

अपने नाम, शहर के साथ जवाब भेजें nbtreader@timesofindia.com पर, साथ में फोटो भी भेजें। सब्जेक्ट में KKG लिखें। हर दिन सभी सही जवाब देने वाले तीन चुनिंदा रीडर्स में से एक का फोटो और दो के नाम छापे जाएंगे। जवाब आज के पेपर की खबरों में ही छिपे हैं।

राष्ट्रपति से मंजूरी Shanti बिल को राष्ट्रपति से भी मंजूरी मिल गई है, बिजली बनाने में कोयले की निर्भरता घटाने की तैयारी, सरकार का दावा, कानून भारत को साफ और आत्मनिर्भर ऊर्जा व्यवस्था की ओर ले जाएगा

एटमी एनर्जी में प्राइवेट एंट्री, समय की मांग या सुरक्षा चिंता?

Hemwati.Rajaura1@timesofindia.com

NBT Explainer

■ नई दिल्ली: भारत की ऊर्जा नीति में बड़ा और दूरगामी बदलाव लाने वाला सस्टेनेबल हार्नेसिंग ऐंड अडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया (SHANTI) बिल संसद से पारित होने के बाद इसे राष्ट्रपति की मंजूरी भी मिल गई। सरकार का दावा है कि यह कानून भारत को साफ, भरोसेमंद और आत्मनिर्भर ऊर्जा व्यवस्था की ओर ले जाएगा और 2047 तक 100 गीगावॉट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करने का रास्ता खोलेगा। फिलहाल देश की कुल परमाणु क्षमता से ऊर्जा बनाने की क्षमता 8.78 गीगावॉट है, जो कुल बिजली उत्पादन का करीब 3% ही है, जबकि 60% से अधिक बिजली आज भी कोयले से बनती है। भारत के पास दुनिया का करीब 25% थोरियम भंडार है। संसद में बिल पर चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि हमने सुरक्षा, संरक्षा और नियमन से कोई समझौता नहीं किया है, बल्कि इन्हें और मजबूत किया है। परमाणु ऊर्जा सिर्फ बिजली तक सीमित नहीं है। कैंसर के इलाज, कृषि, उद्योग और अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में परमाणु और रेडिएशन तकनीकों की भूमिका लगातार बढ़ रही है।

सरकार बोली

2047 तक 100 गीगावॉट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करेगा देश

8.78 गीगावॉट ऊर्जा बनाने की क्षमता है, जो कुल बिजली उत्पादन का करीब 3% ही है

25% थोरियम भारत के पास है। बाकी 75% हिस्सा दुनिया के दूसरे देशों के पास है

AI Image

परमाणु वाली चीजों पर सरकार का नियंत्रण पूरी तरह रहेगा बरकरार

Q न्यूक्लियर एनर्जी में नया क्या हुआ?
अब तक परमाणु ऊर्जा उत्पादन का अधिकार केवल केंद्र और उसकी कंपनियों तक सीमित था। SHANTI बिल पहली बार निजी भारतीय कंपनियां, जैसे अदाणी, L&T और टाटा पावर सरकार से लाइसेंस लेकर परमाणु संयंत्र चला सकेंगी। डेलॉयट इंडिया के पार्टनर अनुनेश द्विवेदी ने कहा, 2047 तक 100 गीगावॉट और बड़े सुधार जरूरी थे, जिन्हें यह नया कानून आसान बनाता है।

Q सरकार के नियंत्रण में क्या?
परमाणु सामग्री और रणनीतिक गतिविधियों पर सरकार का नियंत्रण पूरी तरह बरकरार रहेगा। यूरेनियम और थोरियम का खनन सिर्फ सरकारी या सरकारी नियंत्रण वाली कंपनियां ही करेंगी। खर्च हुआ परमाणु ईंधन तय अवधि तक ठंडा करने के बाद सरकार को सौंपना जरूरी होगा। यूरेनियम संवर्धन, खर्च हुए ईंधन की रीसाइक्लिंग और उच्च-स्तरीय एटॉमिक वेस्ट का मैनेजमेंट भी सरकार ही करेगी।

Q हादसे पर किसकी जिम्मेदारी?
हादसे में संयंत्र संचालक मुआवजे का जिम्मेदार होगा और प्रति घटना मुआवजे की सीमा 300 मिलियन स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स (SDR) तय की गई है। इससे अधिक नुकसान होने पर केंद्र सरकार आगे आएगी और न्यूक्लियर लायबिलिटी फंड से भुगतान किया जाएगा। युद्ध, आतंकवाद या अत्यंत असाधारण प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में संचालक को छूट दी गई है।

Q रेगुलेटरी बोर्ड की भूमिका क्या रहेगी?
एटॉमिक एनर्जी रेगुलेटरी बोर्ड एक स्पष्ट कानून के आधार पर काम करेगी। इसके तहत वह परमाणु और रेडिएशन से जुड़ी सुविधाओं का निरीक्षण कर सकता है, घटनाओं की जांच कर सकता है, पालन अनिवार्य निर्देश जारी कर सकता है और सुरक्षा मानकों पर खरे न उतरने वाली इकाइयों के संचालन को रद्द कर सकता है।

Q विपक्ष का विरोध क्यों है?
कांग्रेस नेता शशि थरूर ने निजी कंपनियों की एंट्री पर चिंता जताते हुए कहा है कि मुनाफे की सोच कहीं सुरक्षा मानकों को कमजोर न कर दे। सरकार ने कहा, कड़े नियम, लाइसेंस प्रणाली और सरकारी नियंत्रण किसी भी तरह के जोखिम को न्यूनतम रखेंगे।

हांसी 23वां जिला, अधिसूचना जारी, हिसार से काटकर बना

■ NBT न्यूज, चंडीगढ़ : हरियाणा में जिलों की संख्या अब 22 से बढ़कर 23 हो गई है। राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ सुमिता मिश्रा ने सोमवार को हांसी को जिला बनाने का नोटिफिकेशन जारी कर दिया। 23वां जिला बनने से हिसार की सीमाएं भी घट गई हैं। हिसार जिले के हांसी और नारनौंद उपमंडलों को अलग कर नया जिला बनाया गया है। पहले हिसार में छह तहसील और तीन उप-तहसील थी, लेकिन अब बास, हांसी और नारनौंद तहसीलें नए हांसी जिले में शामिल हो गई हैं।

कांग्रेस MLA नरवाल के खिलाफ प्रिविलेज मोशन

इंदुराज नरवाल

■ NBT न्यूज, चंडीगढ़ : हरियाणा विधानसभा में शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन सोमवार को कांग्रेस विधायक इंदुराज नरवाल के विरुद्ध विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव पारित हो गया। अब नरवाल के खिलाफ कमिटी जांच करेगी। सदन में जब इंदुराज के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया गया तो कांग्रेस ने हंगामा करते हुए सदन से वाकआउट भी किया।

विधानसभा में सोमवार को प्रश्नकाल के तुरंत बाद कालका की विधायक शक्ति रानी शर्मा सदन में खड़ी हुई और उन्होंने प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि 19 दिसंबर को विधानसभा में विधायक इंदुराज नरवाल ने उनके परिवार के विरुद्ध आपत्ति जनक टिप्पणी की है। स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने शक्ति रानी के इस प्रस्ताव पर सदन में मौजूद विधायकों से वोटिंग करवाई। 15 से अधिक विधायकों ने अपनी सीटों पर खड़े होकर समर्थन किया। स्पीकर ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया।

सभी जिलों में मॉडल अस्पताल होंगे :CM

■ NBT न्यूज, चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को कहा कि हर जिले में सभी प्रकार की सुविधाओं से सुसज्जित एक अस्पताल विकसित किया जाएगा। अब तक 10 अस्पताल जनता को समर्पित किए जा चुके हैं। इनमें सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड, एमआरआई और लैबोरेटरी सहित सभी सुविधाएं मिल रही हैं। अन्य 22 अस्पतालों पर कार्य चल रहा है।

मुख्यमंत्री सोमवार को हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान प्रश्न काल में विधायक मामन खान द्वारा पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि पहले की सरकार ने चिंता नहीं की और न ही सुविधाएं बढ़ाने की तरफ ध्यान दिया। उस समय नागरिकों को प्राइवेट सेक्टर पर छोड़ दिया गया और वहां किस प्रकार से लोगों का शोषण होता था, यह सब जानते हैं। वर्ष 2014 से पहले प्रदेश में हर वर्ष केवल 4 स्पेशलिस्ट डॉक्टर ही मिलते थे, जबकि आज 200 डॉक्टर हैं। आज एमबीबीएस सीटों की संख्या लगभग 2500 से अधिक हो चुकी है

26 प्राइवेट यूनिवर्सिटी की होगी निगरानी, विधेयक पास

■ NBT न्यूज, चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने निजी विश्वविद्यालयों की मनमानी पर लगाम लगाते हुए विधानसभा में विधेयक पास कर दिया है। अब प्रदेश सरकार स्थिति के अनुसार किसी भी निजी विश्वविद्यालय में प्रशासक तैनात कर सकेगी। यह मामला हाल ही में फरीदाबाद की अल-फलाह विश्वविद्यालय में हुए घटनाक्रम के बाद चर्चा में आया है।

संशोधित विधेयक के साथ राज्य के उन 26 निजी विश्वविद्यालयों की सूची भी जोड़ी गई है, जिनमें प्रशासक नियुक्त किया जा सकता है। इनमें फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी भी शामिल है, जहां आतंक का बड़ा कनेक्शन सामने आया है। सोमवार को सरकार ने विधानसभा में हरियाणा निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2006 को संशोधित करने के लिए हरियाणा निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2025 पारित किया गया।

इस विधेयक के तहत कोई भी निजी विश्वविद्यालय अपनी मर्जी से नए पाठ्यक्रम शुरू नहीं कर सकेगा। क्षमता से अधिक प्रवेश नहीं ले पाएगा और पाठ्यक्रमों के नाम बदल-बदलकर विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को गुमराह नहीं कर सकेगा। प्रदेश सरकार इन निजी विश्वविद्यालयों में प्रशासक नियुक्त कर सकती है। प्रशासक को अपने हिसाब से विश्वविद्यालय की आर्थिक व शैक्षणिक गतिविधियां संचालित करने तथा मान्यता रद्द करने के लिए सरकार को सिफारिश भेजने का अधिकार प्राप्त होगा। सरकार को एक करोड़ रुपये तक जुर्माने से लेकर प्रबंधन भंग करने तक का अधिकार होगा।

लालकिला बम ब्लास्ट केस में अल फलाह यूनिवर्सिटी जांच के दायरे में

विधेयक में इन यूनिवर्सिटीज के नाम

नार्थकैप यूनिवर्सिटी, एमिटी यूनिवर्सिटी, एपीजे सत्य विश्वविद्यालय, महर्षि मारकंडेश्वर विश्वविद्यालय, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, सुशांत विश्वविद्यालय, श्री गुरु गोबिंद सिंह त्रि. शताब्दी विश्वविद्यालय शामिल है। ओपी जिंदल ग्लोबल विश्वविद्यालय, एनआइआइएलएम विश्वविद्यालय, एमवीएन विश्वविद्यालय, जगन नाथ विश्वविद्यालय, जीडी गोयनका विश्वविद्यालय, केआर मंगलम विश्वविद्यालय, एसआरएम विश्वविद्यालय, अशोका विश्वविद्यालय, अल अलाह विश्वविद्यालय, बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय, मानव रचना विश्वविद्यालय - , पीडीएम विश्वविद्यालय, स्टारेक्स विश्वविद्यालय, विश्व डिजाइन विश्वविद्यालय, आइआइएलएम विश्वविद्यालय, ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय - हिसार, ऋषिहुड विश्वविद्यालय - सोनीपत पानीपत, संस्कारम विश्वविद्यालय शामिल हैं

हरियाणा में पुलिस भर्ती नियम बदले

■ NBT न्यूज, चंडीगढ़ : हरियाणा पुलिस के अब अपने रूल होंगे। अभी तक हरियाणा पुलिस पंजाब पुलिस रूल्स के तहत काम कर रही है। सरकार ने अपने रूल्स बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हरियाणा के संसदीय कार्यमंत्री महिपाल ढांडा ने सोमवार को विधानसभा में यह जानकारी दी।

करीब छह दशकों से पंजाब पुलिस रूल्स के तहत संचालित हो रही व्यवस्था को बदलने की औपचारिक प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। विधानसभा में सोमवार को inld विधायक अर्जुन चौटाला के सवाल पर संसदीय कार्य मंत्री महिपाल सिंह ढांडा ने पुलिस विभाग में रिक्त पदों की विस्तृत रिपोर्ट सदन के पटल पर रखी।

हादसे में दो की मौत

■ NBT न्यूज, करनाल : जिले के घरौंडा क्षेत्र में रविवार देर शाम एक भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की जान चली गई थी। रविवार देर शा रोडवेज कलिोहलाक डिपो की बस ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी

TIMES TRIBUTE
PAYING HOMAGE TO THE DEPARTED SOUL
Call: 18001205474 (Toll Free)

श्री मती कला सिंह (के. माई)

"सत्य के साथ खड़े रहना, अथक धैर्य और भगवान में विश्वास रखना, आत्म-अनुशासन और निःस्वार्थता के माध्यम से कड़ी मेहनत और अच्छे नैतिक मूल्यों को प्रोत्साहित करना, हमारा हमेशा मार्गदर्शन करता है। आपकी हँसी और स्नेह हमेशा जीवित रहेंगे।
बहुत प्यार से सदा हमारी यादों में
कादयान विला 251, सर्कुलर रोड, मेरठ कैंट, मेरठ, (उ.प्र.) एंव बी-24ए, गंगोत्री एन्क्लेव, अलकनंदा, नई दिल्ली
कर्नल, कशिश एंव समस्त परिवार

"HONOUR. COURAGE. BRAVERY. Three words that you taught us. Three words that help us cope with your loss".
The silent joy of remembering a loved one.
The moments you shared together.
Little moments that make life beautiful.
Share them. With Friends. Relatives. Neighbours. Colleagues. With all those whose lives the departed Soul has touched. Because while life goes on, when you share memories, they stay on forever.

Publications	Total Outlay
The Times of India Delhi/NCR	5,600
TOI+NBT (Delhi/NCR)	8,800
TOI+ET (Delhi/NCR)	6,600

REMEMBRANCE
SHARING MEMORIES
For any information call
Vinod : 9958992088
Pankaj : 8130604727

REMEMBRANCE
SHARING MEMORIES

चौधरी नंद लाल
भूत पूर्व महाप्रबंधक एवं निगम पार्षद स्थायी ट्रांसपोर्ट कंपनी मोरी गेट दिल्ली
26.1.1930-23.12.2002
आपको इस दुनिया से गये हुए 23 साल हो गये पर आप की याद हमेशा हमारे दिलों में रहेगी जिसे भुलाया नहीं जा सकता। बी के चौधरी (9873665650) हरीश चौधरी, नितिन, राहुल (पुत्र एवंम पोते),

TIMES TRIBUTES
RATE CARD

Publications	Rates per sq. cms
TOID Capital + NBT (Delhi+NCR)	1295
TOID Full Run ## + NBT (Delhi+NCR)	1360
THE TIMES OF INDIA (Delhi+NCR)	780
THE TIMES OF INDIA (Delhi) Full Run##	900
NAVBHARAT TIMES (Delhi+NCR)	595
THE ECONOMIC TIMES (Delhi+NCR)	715
SANDHYA TIMES (Delhi)	100

Rates effective 5th June 2019

► *Placement on specified obit pages only. ► This rate benefit is extended up till the size of 320 sq. cm only. ► ## Full run includes Delhi City + NCR (Including Gurgaon + Noida) + Chandigarh + Western U.P. + Uttarakhand ► TOI Capital (Delhi & NCR) Includes TOI Gurgaon & TOI Noida.

To place an Obituary announcement or Remembrance message please call
Vinod: 9958992088
Pankaj : 8130604727

TIMES interact
व्यक्तिगत
नाम परिवर्तन

I, Pradeep Sharma S/o Ashwani Sharma R/o H.No.1 Gali No-2 Laxmi Kunj Bhondsi Gurgaon have change my name to Pradeep Kumar Sharma

मैं, आर्मी नम्बर 2701387एफ प्रेस हवलदार श्याम सिंह पुत्र राजपाल सिंह निवासी गांव कांवला तहसील फर्रुखनगर जिला गुरुग्राम। मेरे सर्विस रिकॉर्ड में मेरी पत्नी का नाम कविता दर्ज है जो कि गलत है। मेरी पत्नी का सही नाम कविता कुमारी है।

I, Jai Mukund Mandilwar S/o Sh. Abhinandan Prasad R/o Air Force Station Hindan, Ghaziabad (UP), presently R/o Air Force Station Sohna Road, Gurugram (HR) declares that in my Driving License (No. UP14 20050344 25) my name Jai Mukund Mandilwar and my father's name Abhinayanan Parshad are wrongly mentioned. According to other documents my correct name is Jai Mukund Mandilwar and my father's name is Sh. Abhinandan Prasad for all future purposes.

मैं, अभिषेक अग्रवाल पुत्र श्री शशि कुमार अग्रवाल निवासी वार्ड नंबर 19, गली नंबर 2ई, सरस्वती विहार रेवाड़ी, जिला रेवाड़ी (हरियाणा) सूचित करता हूं कि भविष्य में सभी उद्देश्यों हेतु मेरे वास्तविक नाम अभिषेक अग्रवाल पुत्र श्री शशि कुमार अग्रवाल है।

एसआई समेत तीन पुलिसकर्मी सस्पेंड

20 लाख की रिश्वत मांगने, 6 लाख लेकर एक को छोड़ने का आरोप

■ NBT न्यूज, हिसार : राजस्थान में आरोपियों से पैसे वसूलने के मामले में पकड़े जाने पर सिरसा साइबर पुलिस थाना के तीन पुलिसकर्मी सस्पेंड कर दिए गए हैं। तीनों पुलिसकर्मियों ने राजस्थान के नागौर से तीनों युवकों को पकड़ा था। आरोपियों को छोड़ने की एवज में 20 लाख रुपए डिमांड की थी। उनमें से एक युवक ने 6 लाख रुपए दे दिए तो उसे छोड़ दिया। मगर दो युवकों के पास पैसे नहीं थे तो उनको साथ लेकर सिरसा के लिए चल दिए। एनवक्त पर राजस्थान की एसीबी की टीम ने तीनों को पकड़ लिया।

राजस्थान एसीबी के अनुसार, गाड़ी में 6 लाख कैश के साथ पकड़े जाने पर आरोपियों ने एसीबी से कहा कि ये पैसे निजी खर्चे के लिए लेकर आए थे। एसीबी ने कैश कब्जे में ले लिया। राजस्थान पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार नहीं किया, लेकिन इसकी रिपोर्ट हरियाणा पुलिस डिपार्टमेंट को भेज दी। मामला संज्ञान में आने पर तीनों को सस्पेंड कर दिया

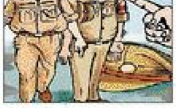

मुठभेड़ में एक घायल, तीन बदमाश गिरफ्तार

■ NBT न्यूज, पानीपत

पानीपत के नौल्था गांव के पास रविवार को देर रात सोनीपत एसटीएफ यूनिट और सीआईए-1 पानीपत पुलिस की संयुक्त टीम की बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लगी, जबकि उसके तीन साथी पुलिस के हत्थे चढ़ गए। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में हथियार बरामद किए हैं।

पुलिस ने सोमवार को बताया कि मुठभेड़ के दौरान शाहमालपुर निवासी परमीत के पैर में गोली लगी। घायल बदमाश को इलाज के लिए पानीपत सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके तीन साथी देवेंद्र, साहिल और अमन को भी पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो विदेशी पिस्टल, एक देसी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

सूत्रों के अनुसार, पकड़े गए बदमाश वही हैं, जिन्होंने हाल ही में पानीपत सेक्टर-12 निवासी व्यापारी यशपाल गर्ग से खुद को बंबीहा गैंग का सदस्य बताकर ढाई करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी थी। युआरोपियों ने एक वॉइस मैसेज भी भेजा था।

TIMES interact
Connecting People, Connecting Needs.
To book your ad
Logon to: ads.timesofindia.com
or Call: 18001205474 (Toll Free)
Scan QR Code

jobs

POPULATION RESEARCH CENTRE (PRC), PUNE MoHFW, GOVT OF INDIA
GOKHALE INSTITUTE OF POLITICS AND ECONOMICS, PUNE
RECRUITMENT
Invites the application for the following Teaching/Non-Teaching Posts at PRC, Pune

Posts	Regular/ Contractual	No. of Post	Category
Professor (5th Re Advt)	Regular	1	OBC
Research Fellow – I	Contractual	1	Unreserved
UDC	Contractual	1	Unreserved

For further details visit https://prc.mohfw.gov.in/ and www.gipe.ac.in
Last date for online applications - January 22, 2026.
December 22, 2025.
REGISTRAR

tender & notices

सार्वजनिक सूचना
एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि, हम नीचे बताई गई प्रॉपर्टीज के संबंध में निम्नलिखित व्यक्तियों के अधिकारों, टाइटल और हितों की जांच कर रहे हैं:
(i) कविता चौधरी, पत्नी हरवीर चौधरी, आवासीय प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 763.30 वर्ग गज हाउस नंबर 422-P में बने सुपर-स्ट्रक्चर के संबंध में जो सेक्टर 17, अर्बन एस्टेट, तहसील और जिला: फरीदाबाद, हरियाणा में स्थित है; और
(ii) सुलेखा, पत्नी श्री देवेंद्र, आवासीय प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग गज हाउस नंबर 1347 में बने सुपर-स्ट्रक्चर के संबंध में जो सेक्टर 28, अर्बन एस्टेट, तहसील और जिला: फरीदाबाद, हरियाणा में स्थित है।
(iii) सुरेश वीर, पुत्र रूप लाल, आवासीय प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग गज हाउस नंबर 480 में बने सुपर-स्ट्रक्चर के संबंध में जो सेक्टर 17, अर्बन एस्टेट, तहसील और जिला: फरीदाबाद, हरियाणा में स्थित है।
ऊपर बताई गई सभी प्रॉपर्टीज (जिन्हें इसके बाद सामूहिक रूप से "उक्त प्रॉपर्टीज" कहा जाएगा) वर्तमान में ऊपर बताए गए अनुसार अपने-अपने मालिकों के विशेष स्वामित्व और कब्जे में हैं (जिन्हें इसके बाद सामूहिक रूप से "मालिक" कहा जाएगा)।
कोई भी संस्था / व्यक्ति किसी भी प्रकार का अधिकार, हित, दावा, लाभ, मांग इत्यादि उक्त प्रॉपर्टीज के सम्बंध में रखते हैं या किसी भी तरह की आपत्ति उपरोक्त इच्छुक सौदे के सम्बंध में रखते हैं और अगर कोई संस्था / व्यक्ति को किसी भी प्रकार का बैय तबादला, आवंटन कर, हिब्बा, अनुज्ञा पत्र किरायेदारी, विरासत, ग्रहणाधिकारी, बंधपत्र, ऋण, भार, लम्बित मुकदमा, कब्जा, संविदा / इकरारनामा, साझीदारी, पारिवारिक समझौता / व्यवस्था, किसी भी सक्षम न्यायालय के आदेश, व डिक्री, किसी सरकार व संस्था द्वारा अधिग्रहण, निषेध या अन्य कोई बाधा उक्त प्रॉपर्टीज के सम्बंध के बाबत और / या किसी भी इकरारनामा में प्रवेश के संदर्भ में कोई भी संस्था / व्यक्ति हमें लिखित में दस्तावेजी साक्ष्य के साथ निम्नलिखित पते पर इस सूचना के प्रकाशन की तिथि के 5 (पाँच) दिन के अन्दर - अन्दर सूचित कर सकता है, ऐसा न होने पर यह समझा जाएगा कि उक्त प्रॉपर्टीज पर किसी भी प्रकार का प्रतिकूल अधिकार, हित, अंश, क्लेम, दावा किसी भी प्रकार से मौजूद नहीं है और कथित मालिकों का उक्त प्रॉपर्टीज पर अबाधित कब्जा है और कथित मालिकों का उक्त प्रॉपर्टीज पर पूर्ण स्पष्ट है और उन्हें उक्त प्रॉपर्टीज पर पूरा, स्पष्ट और बिक्री योग्य अधिकार, हक और हित है।
आस्था सिंह चेहान
अधिवक्ता
एमराल्ड लॉ ऑफिसेस
ई-मेल: publicnotice@emeraldlaw.in
जी-2, ग्राउंड फ्लोर, आनंद निकेतन, नई दिल्ली-110021

भर्ती
भर्ती-रिक्त पदों की स्थिति
विपणन, विज्ञापन और बिक्री
बिक्री
HIRING. Field Sales Exec. Salary from 22k p.m. + Incentive, Retail Sales, Vishwas Nagar, Call or Text - +918076202002 (Immediate Offer)
अन्य रिक्तियां
सामान्य
MULTIPLE contractual positions vacant at ABIVIC-ICMR AFMC Pune. View https://afmc.nic.in/ for details.
व्यक्तिगत
नाम परिवर्तन
मैं, ओम नारायण कटियार, आर जेड सी-2/98 ए, एकता मार्ग, विजय एन्क्लेव, नई दिल्ली 110045 का निवासी हूं। मैंने अपने बेटे का नाम आदित्य नारायण कटयार से बदलकर आदित्य नारायण कटियार कर लिया है।
I, Amit Kumar S/o Soma Mahto R/o J-901, 9th Floor French Apartments, Sector-16B, Greater Noida West Gautam Buddha Nagar, UP-201307, Have Changed My Minor Daughter's Name From Swara to Swara Mahto for All Purposes.
I Javed Khan Siddiqui S/O, Mohammed Saleem Siddiqui R/o 1510, Block-c, J.j. Colony, Tigri, New Delhi-110062 have changed my name to Javed Khan Siddiquee.
I, Rajesh S/o Sh. Ram Dayal R/o 3490/1, Narang Colony, Tri Nagar, Delhi- 110035, have changed my name to Rajesh Kumar for all future purposes.

टेंडर और नोटिस
सार्वजनिक सूचना (नोटिस)
PUBLIC NOTICE
[illegible] of our clients, we are investigating the ownership and title of Residential plot bearing No. C-57, Anand Niketan, New Delhi.
Any person or persons having or claiming any right, title, interest, claim, demand, lien, charge, mortgage, tenancy, possession, inheritance, family arrangement, settlement, or any other encumbrance or objection whatsoever in respect of the aforesaid property, or being in possession of any original or supporting title documents, are hereby called upon to notify the same in writing along with relevant documentary proof to the undersigned at the address given below within seven (7) days from the date of publication of this notice.
If no such claim, objection, or intimation is received within the stipulated period, it shall be presumed that no person or entity has any claim or objection of any nature whatsoever in respect of the aforesaid property. Any such claim, if not lodged within the prescribed time, shall be deemed to have been knowingly and voluntarily waived, abandoned, or forfeited by the concerned person(s).
Our clients shall thereafter be entitled to proceed with and finalize the negotiations, execution, and registration of the Sale Deed or any other conveyance document in respect of the said property, free from any claim or objection from any third party. Any claim or objection raised after the expiry of the said period shall not be entertained and shall not be binding upon our clients in any manner whatsoever.
For any correspondence or submission of claims, please contact:
(Advocates)
AMAC LAW OFFICES
(Arun Malik & Company)
188, Lawyers Chamber, Block-II, Delhi High Court, New Delhi
Email: office@amaclawoffices.com
Mob.:92050-57345

न्यायालय सूचना
IN THE HIGH COURT OF DELHI AT NEW DELHI
(Extra Ordinary Original Civil Writ Jurisdiction)
NOTICE UNDER ORDER V RULE 20 CPC
[illegible]
VIPIN VOHRA & ORS. ...PETITIONER(S)
Vs
DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY & ORS. ...RESPONDENT(S)
[illegible]
Given under my hand and the seal of the Court on this 19th Day of December, 2025.
Assistant Registrar (Writs) for Registrar General

HEALTH & WELLNESS
बचपन की गलतियों से बने गुप्त रोगों के लिए चेतन आयुर्वेदा ▸बदरपुर ▸दरियागंज ▸भजनपुरा ▸छतरपुर E-2, Opp Petrol Pump Bhajanpura 9817469817
विवाहित जीवन में पायें नई खुशियाँ नया जोश नई उमंग SEX समस्या आयुर्वेदिक सलाह लें आकाश दवाखाना एसएस टावर आकाश सिनेमा के पीछे आजादपुर दिल्ली 9953396533 8860003863
SEX PROBLEM बचपन की गलतियों के कारण आयी सभी सेक्स समस्याओं के समाधान के लिए हमारी सलाह द्वारा दवा का सेवन करें और 15 ही दिन में फर्क देखें घर बैठे दवा मंगवायें संन्यासी आयुर्वेदा ▸मंगोलपुरी ▸कालकाजी 8527001155
36 वर्षों के अनुभवी सैक्स समस्याएं मर्दाना कमजोरी, शीघ्र पतन, शुक्राणु की कमी, गुप्त रोगी मिलें आजाद क्लीनिक मेन रोहतक रोड, मुंडकागांव 9873144909 9821124909
SEX PROBLEMS? सैक्स समस्याएं कैसी भी स्त्री-पुरुष-कमजोरी बे-औलाद? मिलें-सलाह लें Since-1986 कौशिक क्लिनिक 9810-272-172
सैक्स समस्याएं मर्दाना कमजोरी शीघ्र पतन शुक्राणु की कमी गुप्त रोगी मिलें: नवीन क्लीनिक PNB BANK 9811564909 9210904444
BOOK YOUR TENDER & NOTICE ADS For booking please contact Aman : 9312633518
BOOK YOUR CLASSIFIED ADS FOR RECRUITMENT ADS PLEASE CONTACT AMIT : 9811790649
Readers are recommended to make appropriate enquiries and seek appropriate advice before sending money, incurring any expenses, acting on medical recommendations or entering into any commitment in relation to any advertisement published in this publication. All creatives marked as Advertorial, Spotlight and Promotional Features are to be treated as Advertisements. The Times of India Group does not vouch for any claims made by the Advertisers of the products and services. The Printer, Publisher, Editor, and the owners of The Times of India Group publications shall not be held liable for any consequences, in the event such claims are not honoured by the Advertisers.

TIMES interact
TO ADVERTISE IN THE CLASSIFIEDS SECTION, FOR ANY OF THE BELOW MENTIONED CATEGORIES
MATRIMONIAL | BUSINESS | PROPERTY
RECRUITMENT, EDUCATION | SHOPPING | SERVICES, VEHICLES, TRAVEL
TENDER, PUBLIC NOTICE | CHANGE OF NAME, LOST & FOUND | BIRTHDAY/ ANNIVERSARY ADS
Please call us at the below mentioned nos.

Area / Zone	Contact Person	Mobile No.	Area / Zone	Contact Person	Mobile No.
Central Delhi1 + North Delhi	Amit Ghosh	98117 90649	South Delhi + Faridabad + Noida	Raghav Arora	99999 95480
Central Delhi2 + Ghaziabad + East Delhi	Sunil Srivastava	99994 99496	West Delhi + Dwarka + Gurgaon	Aman Pasricha	93126 33518

करनाल के युवक की इटली में हत्या

■ NBT न्यूज, करनाल

करनाल जिले के निलोखेड़ी के एक युवक की इटली में हत्या कर दी गई। इटली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन परिवार बेटे की पार्थिव देह भारत लाने को लेकर चिंतित है। आर्थिक हालत कमजोर होने से परिजन सरकार से मदद की गुहार लगा रहे हैं।

मृतक की पहचान 37 वर्षीय भगत सिंह के रूप में हुई है। वह मूल रूप से निलोखेड़ी की किसान बस्ती का रहने वाला था। भगत सिंह करीब साढ़े तीन साल पहले अपने परिवार के बेहतर भविष्य के लिए विदेश गया था। पहले वह पुर्तगाल पहुंचा, जहां उसे पीआर मिला। इसके बाद करीब दो महीने पहले वह काम की तलाश में इटली चला गया था। परिजनों ने भगत सिंह की हत्या का आरोप उसी के रूममेट पर लगा है। आरोपी का नाम सतीश है।

बस अड्डे से अपहरण, केस

■ NBT न्यूज, पानीपत : पानीपत में एक युवती का दिनदहाड़े अपहरण कर लिया गया। युवती अपनी दादी और भाई के साथ UP से लौट रही थी। नए बस स्टैंड (सिवाह पुल) के पास से उसको गाड़ी में सवार युवक जबरन उठा कर ले गए। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों के खिलाफ थाना सेक्टर-29 में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। भाई ने पुलिस से बहन को आरोपियों के कब्जे से मुक्त कराने की गुहार लगाई है। महेंद्रगढ़ जिले के गांव बलाना निवासी अजय ने पुलिस को शिकायत दी।

'EV खरीदने पर ही सब्सिडी नहीं, पार्किंग में भी मिले छूट'

पर्यावरण मंत्रालय की पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमिटी ने दिया सुझाव

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

राजधानी में ई-वीकल (EV) को बढ़ावा देने के लिए सब्सिडी से आगे बढ़कर कुछ अन्य इन्सेंटिव देने पर विचार किए जाने की जरूरत है। ई-वीकल पर पार्किंग में छूट देने और पेट्रोल व डीजल कारों से अतिरिक्त पार्किंग चार्ज लेने पर विचार किया जा सकता है। यह सुझाव पर्यावरण मंत्रालय की पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमिटी ने दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण को कंट्रोल करने के लिए दिया है।

डीजल, पेट्रोल गाड़ियों से अधिक पार्किंग चार्ज लेने का सुझाव

कमिटी ने ई-वीकल की संख्या बढ़ाने की जरूरत महसूस की है और कहा है कि राज्य के साथ केंद्र सरकार को भी इसके लिए कदम उठाने की जरूरत है। ईवी को बढ़ावा देने के लिए एक तरफ जहां ई-गाड़ियों को इन्सेंटिव दिया जा सकता है, वहीं डीजल व पेट्रोल की गाड़ियों पर अतिरिक्त बोझ डालने की जरूरत है। खरीद पर सब्सिडी से आगे बढ़कर पार्किंग में लुभावने विकल्प तलाश किए जा सकते हैं। पारंपरिक गाड़ियों जैसे पेट्रोल व डीजल गाड़ियों से अतिरिक्त पार्किंग फीस भी ले सकते हैं। नई नॉन इलेक्ट्रिक गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन पर सालाना सीलिंग शुरू कर सकते हैं। प्राइवेट सेक्टर के बैंक भी ग्रीन कार लोन शुरू कर सकते हैं। इसमें गाड़ियों के ईंधन के हिसाब से ब्याज का निर्धारण हो।

10 साल में किया जाए पहला फिटनेस टेस्ट

कमिटी ने सुझाव दिया है कि प्राइवेट गाड़ियों का पहला फिटनेस टेस्ट 10 साल पूरे होने पर हो। अभी यह पंद्रह साल पर होता है। इसमें भी बड़ी गाड़ियों जैसे एसयूवी आदि पर खास गौर किया जाए।

AI Image

गाड़ियों के इमिशन स्टैंडर्ड का रिव्यू जरूरी

कमिटी ने सरकार को सुझाव दिया है कि गाड़ियों के नैशनल वीकल इमिशन स्टैंडर्ड (राष्ट्रीय उत्सर्जन मानक) का रिव्यू करना जरूरी है। कमिटी ने सरकार को यह भी सुझाव दिया है कि गाड़ियों को अनफिट करने के लिए उनकी उम्र नहीं बल्कि उनसे होने वाले प्रदूषण को आधार बनाया जाए। कमर्शल गाड़ियों के लिए यह प्रक्रिया पूरी तरह ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशनों से हो। प्राइवेट गाड़ियों के लिए पीयूसी के आधार पर यह प्रक्रिया हो। इसके लिए कमिटी ने रियल टाइम ड्राइविंग कंडिशन के आधार पर तुरंत रिमोट सेंसिंग टेक्नॉलजी को अपनाने का सुझाव दिया है।

LAW PROGRAMMES AT AMITY
2026 ADMISSIONS OPEN

Progs. after Class XII:
- B.A. LL.B. (H)
- BBA LL.B. (H)
- B.Com. LL.B.(H)
- B.A. LL.B.

5-year Integrated Law Programmes approved by Bar Council of India

Progs. after Graduation:
- LL.B. (H) - 3 Yrs. Approved by Bar Council of India
- LL.M. (1 Yr.) in 10 disciplines

Students have secured placements in leading law firms and corporates like:
cyril amarchand mangaldas | AZB & PARTNERS | EY

Students have been selected for higher studies in top global universities like:
UNIVERSITY OF OXFORD | HARVARD UNIVERSITY | UNIVERSITY OF CAMBRIDGE

Pursue 24-week Internships in Supreme Court, High Courts, Judiciary, reputed Law firms, Law Commission, Tribunals...

Gain real-world experience through Legal Aid Camps, Lok Adalats, Court Visits, Community Lawyering, regular Moot Courts, Parliamentary Debates...

Opportunity to pursue part programme in Dubai - Study part of the programme at Amity Dubai, India's first university approved by Bar Council of India to offer Law degrees outside of India (since 2016)

Mentorship by Accomplished Alumni serving as members of judiciary, legal professionals, and senior advocates in High Courts and the Supreme Court

Amity University, Sector - 125, Noida
Apply at www.amity.edu | Tel: 0120-2445252
Gurugram: www.amity.edu/gurugram | Tel: 7303-399-399
AMITY UNIVERSITY

प्रदूषण पर सरकार का 'पंच'

इन पांच पॉइंट में समझें सरकार की सख्ती

1. ई-रिक्शा को लेकर बढ़ेगी सख्ती, सरकार जारी करेगी इनके लिए गाइडलाइंस
2. DTC रूट का होगा रेशनलाइजेशन, कोशिश है कि बस हर इलाके तक पहुंचे
3. नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर भारी जुर्माना, चालान नहीं किया जाएगा माफ
4. OLA-UBER के साथ ई-बस सेवा का परिचालन शुरू करने की कवायद
5. फैक्ट्रियों पर भी सख्ती बढ़ी, नियम तोड़ने वाली 411 फैक्ट्रियों को बंद करने का नोटिस

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को पर्यावरण को लेकर कैबिनेट मंत्रियों और अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रदूषण फैलाने वाले कारकों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के चालान में माफी की व्यवस्था खत्म हो। ई-रिक्शा जो जाम का कारण बनते हैं, उनके लिए भी पॉलिसी बनाई जाए। उन्होंने कार पूलिंग व बस शेयरिंग सुविधा के लिए निजी कंपनियों के साथ मिलकर काम करने का निर्देश दिया। बैठक में परिवहन विभाग, ट्रैफिक पुलिस समेत अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे।

ई-रिक्शा का रूट होगा तय: बैठक में राजधानी की सड़कों पर अनियंत्रित ई-रिक्शा के चलते होने वाले ट्रैफिक जाम का मुद्दा भी उठा। अधिकारियों ने कहा कि जाम के कारण वाहनों का ईंधन अधिक जलता है, जो सीधे तौर पर प्रदूषण बढ़ाने में सहायक होता है। इस समस्या के समाधान के लिए सीएम ने कहा कि दिल्ली सरकार जल्द ही नई 'ई-रिक्शा गाइडलाइंस' जारी करेगी। इन नियमों के माध्यम से ई-रिक्शा के संचालन क्षेत्र और उनके रूट को व्यवस्थित किया जाएगा, ताकि यातायात बाधित न हो और सड़कों पर वाहनों की आवाजाही सुचारू बनी रहे।

सभी विभाग को प्रदूषण के खिलाफ जमीन पर काम करने के लिए निर्देश

डीटीसी की पहुंच बढ़ाने पर जोर: सड़कों पर खाली बसों के चलने के बाद भी लोगों को बस नहीं मिलने पर चर्चा हुई। जिसपर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए रूट रेशनलाइजेशन को दोबारा से लागू करने की बात कही है। जिससे जहां यात्री है, वहां ज्यादा बसें चलें। जहां यात्री कम हैं वहां बसों की संख्या कम की जाए। सीएम ने कहा कि डीटीसी की पहुंच दिल्ली के हर क्षेत्र और हर गली तक होनी चाहिए। सड़कों पर बसें बढ़ाने से लास्ट माइल कनेक्टिविटी सुधरेगी, जिससे लोग निजी वाहनों के बजाय सार्वजनिक बस सेवा का इस्तेमाल करेंगे।

निजी कैब कंपनियों से भी टाइअप की कोशिश: प्रदूषण कम करने के लिए निजी भागीदारी को बढ़ावा देते हुए दिल्ली सरकार ओला और उबर जैसी कंपनियों के साथ दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में शेयरिंग ट्रांसपोर्ट के रूप में 'प्रदूषण रहित सवारी बसें' चलाने की संभावनाओं को तलाशने का निर्देश दिया। यदि ये कंपनियां इलेक्ट्रिक या प्रदूषण मुक्त बसें संचालित करती हैं, तो इससे सड़कों पर निजी वाहनों का दबाव कम होगा और सार्वजनिक परिवहन अधिक पर्यावरण अनुकूल बनेगा।

411 फैक्ट्रियों को बंद करने का नोटिस: दिल्ली प्रदूषण कंट्रोल कमिटी ने सोमवार को 411 फैक्ट्रियों को बंद करने का नोटिस जारी किया। यह फैक्ट्रियां राजधानी में बिना किसी जानकारी के चल रही थीं और हवा के साथ पानी को भी प्रदूषित कर रही थीं। डीपीसीसी ने DSIIDC के साथ मिलकर सभी 28 नोटिफाइड इंडस्ट्रियल एरिया का जॉइंट इंस्पेक्शन किया।

PTI

हवा ज़हरीली: दिल्ली में सोमवार को 12 जगहों पर एक्यूआई गंभीर स्थिति में रहा। इसमें वजीरपुर का एक्यूआई 414, विवेक विहार का 407, रोहिणी का 415, ओखला फेज-2 का 402, नेहरू नगर का 406, नरेला का 423 AQI रहा।

5 दिनों में 2.12 लाख चालान हुए

सीएम ने कहा सभी विभाग प्रदूषण के खिलाफ जमीन पर तेजी से कार्रवाई शुरू करें। सरकार न केवल सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक बना रही है, बल्कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भारी जुर्माना और कानूनी कार्रवाई भी सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि अब प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों का चालान किसी भी कीमत पर माफ नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यदि इसके लिए सरकार को कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाना पड़े, तो पीछे नहीं हटेंगे। दिल्ली में बीते पांच दिनों में 2.12 लाख पीयूसी के चालान हुए हैं।

CAQM ने GRAP के बदलावों और अब तक किए कामों का किया रिव्यू

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

कमिशन फॉर एयर क्वॉलिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) ने सोमवार को हाल ही में किए गए GRAP में बदलावों की समीक्षा की। सीएक्यूएम के चेयरपर्सन राजेश वर्मा की अध्यक्षता में हुई इस मीटिंग में पूरे साल उठाए गए कदमों का भी रिव्यू किया गया।

CAQM की सालाना रिपोर्ट और एनुअल अकाउंट का भी ऑडिट किया

इसके साथ ही सालाना रिपोर्ट (2024-25) और एनुअल अकाउंट का ऑडिट किया गया। इसमें यह भी देखा गया कि GRAP का क्या और कितना असर हो रहा है। अधिकारियों ने मीटिंग में गाड़ियों के प्रदूषण को कम करने के लिए गठित एक्सपर्ट कमिटी का भी रिव्यू किया। बैठक में चर्चा की गई कि मोटर वीकल एग्रीगेटर्स को जीरो इमिशन वीकल अडॉप्ट करने होंगे।

'बेहद खराब' हवा से अभी राहत नहीं, AQI रहा 373

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : प्रदूषण का स्तर सोमवार को बेहद खराब रहा। अगले कई दिनों तक यह बेहद खराब ही बना रहेगा। पूर्वानुमान के अनुसार, अब अगले दस दिनों तक इसके गंभीर होने की संभावना नहीं है। बीते रविवार तक प्रदूषण के गंभीर होने की संभावना थी, जिसे सोमवार को वापस ले लिया गया। सीपीसीबी के एयर बुलेटिन के अनुसार, दिल्ली का एक्यूआई 373 रहा। पूर्वानुमान के अनुसार, 23 से 25 दिसंबर तक प्रदूषण का स्तर बेहद खराब रहेगा। इसके बाद अगले दस दिनों तक यह बेहद खराब ही रह सकता है। सोमवार को हवाओं की गति 12 से 15 किलोमीटर प्रति घंटे रही।

दिल्ली में प्रदूषण फैलाने वाली फैक्ट्रियां होंगी सील

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण को कंट्रोल करने के लिए दिल्ली सरकार ने एक और सख्त कदम उठाया है। इस कड़ी में सोमवार से राजधानी में प्रदूषण फैलाने वाली फैक्ट्रियों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया गया है। अब प्रदूषण के नियमों का उल्लंघन करने वाली औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाएगी। उन्हें बिना किसी नोटिस के सील किया जाएगा।

पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने सोमवार को कहा कि नियम तोड़ने वाली फैक्ट्रियों पर सख्ती तेज कर दी गई है। इसी क्रम में 31 दिसंबर तक OBCM सर्टिफिकेशन (डीपीसीसी का ऑनलाइन निगरानी सिस्टम) के लिए आवेदन न करने वाली इंडस्ट्री पर भी सख्त कार्रवाई होगी। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि बीते चार दिनों से लागू GRAP-4 के प्रावधानों के सकारात्मक असर दिख रहे हैं। प्रदूषण में सुधार हो रहा है। "नो PUC, नो फ्यूल" नियम लागू होने के बाद अब तक 2 लाख से ज्यादा गाड़ियों की पीयूसी जांच हुई है और सर्टिफिकेट्स दिए गए हैं। 10,000 गाड़ियां मानकों पर खरी नहीं पाई गईं। उन्होंने बताया कि सभी पीयूसी केंद्रों को आधुनिक और उन्नत मशीनों से अपग्रेड किया जा रहा है। पीयूसी व्यवस्था को और भरोसेमंद बनाने के लिए थर्ड-पार्टी जांच प्रणाली लागू की जा रही है।

प्रदूषण कंट्रोल के लिए सरकार की ओर से बढ़ाई गई सख्ती

एमसीडी और डीएसआईआईडीसी मिलकर शहर में चल रहे अवैध और अनधिकृत औद्योगिक यूनिट्स की पहचान कर रहे हैं। ऐसे सभी उद्योग बंद किए जाएंगे। इसके साथ ही धूल नियंत्रण के लिए सड़कों पर दिन रात सफाई और पानी का छिड़काव जारी है। लैंडफिल साइट्स पर रोजाना करीब 35,000 मीट्रिक टन कचरे की वैज्ञानिक तरीके से बायो-माइनिंग की जा रही है।

पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने सोमवार को दी नए नियमों की जानकारी

'दिल्ली में 50 प्रतिशत जलाशय करेंगे जीवित'

पर्यावरण मंत्री ने बताया कि सरकार का लक्ष्य है कि जो जलाशय कई साल से खत्म या अतिक्रमण का शिकार हो चुके हैं, उनमें से कम से कम 50 प्रतिशत को आने वाले दिनों में उनके मूल स्वरूप में वापस लाया जाए। वर्क फ्रॉम होम का पालन करें सिरसा ने कहा कि GRAP-4 के तहत 50 प्रतिशत वर्क-फ्रॉम-होम का पालन न करने वाली निजी कंपनियों पर कार्रवाई होगी।

वर्क फ्रॉम होम का पालन करने का भी दिया निर्देश

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

फैक्ट्रियों पर कार्रवाई क्यों ज़रूरी?

फैक्ट्रियां इस समय दिल्ली में प्रदूषण की बड़ी वजहों में से एक है। दिल्ली में कई उद्योग नन कन्फर्मिंग एरिया में चल रहे हैं। यह हवा के साथ आसपास पार्किंग से जुड़ी समस्याएं भी पैदा कर रहे हैं। जबकि इनकी कोई डिटेल नहीं है। ऐसी इंडस्ट्रियां किसी नियम का पालन भी नहीं करतीं। वायु प्रदूषण के अलावा ये पानी और जमीन को भी प्रदूषित करती हैं। ये ध्वनि प्रदूषण का भी कारण बनती हैं। विभिन्न स्टडीज के अनुसार राजधानी में उद्योगों को प्रदूषण की तीसरी बड़ी वजह माना गया है।

रहें अलर्ट डॉक्टरों ने चेताया, आधी रात से सुबह 7 बजे के बीच 60 से 65% होते हैं हार्ट अटैक

सुबह-सुबह दिल पर वार : सुबह 4 से 8 बजे के बीच हार्ट अटैक के केस दोगुने

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

सुबह 4 से 8 बजे के बीच जीबी पंत अस्पताल की इमरजेंसी में हार्ट अटैक के मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। डॉक्टरों का कहना है कि दिल्ली की सर्दी में प्रदूषण के असर से इसमें तेजी आई है। केवल जीबी पंत अस्पताल में ही नहीं, अन्य अस्पतालों में भी सुबह-सुबह हार्ट अटैक के मामलों में इजाफा दर्ज किया जा रहा है। मैक्स साकेत हॉस्पिटल में भी हार्ट अटैक में इजाफा सामने आया है। डॉक्टरों के अनुसार, इसकी बड़ी वजह हॉर्मोनल चेंज है, जो कॉर्टिसोल हाई होने से होता है।

ब्लड प्रेशर और प्रदूषण बना खतरनाक कॉम्बिनेशन

जीबी पंत अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ युसुफ जमाल ने बताया कि जब से सर्दी और प्रदूषण बढ़ा है, रोजाना सुबह 4 से 8 बजे के बीच इमरजेंसी में हार्ट अटैक के मरीजों की संख्या में दोगुना तक इजाफा हुआ है। इस समय हार्ट अटैक एक मेजर इश्यू है। सर्दी में ब्लड प्रेशर हाई रहता है, प्रदूषण हार्ट और लंग्स को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने कहा कि बॉडी का सिंपैथेटिक सिस्टम इस समय हाई हो जाता है। इससे प्लाक टूटने लगता है और टूटे प्लाक की वजह से क्लॉट बनता है, जिससे हार्ट अटैक आता है। मैक्स साकेत के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ विवेका कुमार ने बताया कि हार्ट अटैक सुबह सुबह सबसे ज्यादा होता है। खासकर रात 2 बजे से सुबह 7 बजे के बीच। करीब 50 पर्सेंट हार्ट अटैक इसी दौरान आते हैं।

बीपी लगातार करें चेक

डॉक्टर जमाल ने कहा कि हार्ट के मरीज अपना ब्लड प्रेशर मॉनिटर करते रहें। लगभग एक हफ्ते का चार्ट बनाकर डॉक्टर को दिखाएं। हो सकता है कि ब्लड प्रेशर बढ़ गया हो और दवा की डोज बढ़ानी पड़े।

PTI

पानी कम न पिएं

डॉक्टर ने कहा कि सर्दी में बाहर जाकर वॉक करने से बचें, लेकिन एक्टिविटी बंद न करें। घर के अंदर चहलकदमी करें और कामों में लगे रहें। बैठे रहने पर समस्या बढ़ सकती है। डॉक्टर विवेका ने बताया कि सर्दी में लोग पानी कम पीते हैं, जबकि सर्दी में भी पानी की जरूरत बनी रहती है। इस दौरान डिहाइड्रेशन का खतरा रहता है।

आज-कल हवाएं रहेंगी तेज़, फिर गिरेगा पारा

सोमवार को राजधानी में न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस रहा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली में सोमवार को सुबह की शुरुआत घने कोहरे से हुई। सुबह के समय लोगों को कंपकंपी वाली ठंड महसूस हुई। हालांकि दिन बढ़ने के साथ तीन दिन बाद तेज धूप खिली। इसकी वजह से लोगों को ठंड से राहत मिल गई। अधिकतम तापमान धूप खिलने के साथ ही एक बार फिर 20 डिग्री से ऊपर पहुंच गया। अब अगले दो दिन बर्फीली तेज हवाएं चलेंगी। इसकी वजह से तापमान में गिरावट आएगी। हालांकि, धूप खिली रहेगी, इसके बावजूद लोगों को ठंड का अहसास हो सकता है।

मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार को अधिकतम तापमान 21.8 डिग्री रहा। यह सामान्य से 1.1 डिग्री अधिक रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 11 डिग्री रहा। यह सामान्य से 3.5 डिग्री अधिक रहा। सुबह के समय घना कोहरा रहा। विजिबिलिटी महज 100 से 300 मीटर तक रही। इसके बाद दिन बढ़ने के साथ विजिबिलिटी भी बढ़ती रही। हवा में नमी का स्तर 66 से 100 प्रतिशत हो गया।

पूर्वानुमान के अनुसार मंगलवार को आसमान साफ रहेगा। सुबह के समय हल्के से मध्यम कोहरा छाया रह सकता है। जमीनी सतह पर तेज हवाएं चलेंगी। इनकी गति 15 से 25 किलोमीटर रह सकती है। अधिकतम तापमान 22 और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री तक रह सकता है। 24 दिसंबर को भी हवाएं तेज रहेंगी। अधिकतम तापमान गिरकर 18 से 20 डिग्री और न्यूनतम तापमान गिरकर 8 से 10 डिग्री तक रह सकता है। वहीं 25 से 28 दिसंबर के बीच आसमान साफ रहेगा। सुबह हल्के से मध्यम कोहरा रहेगा।

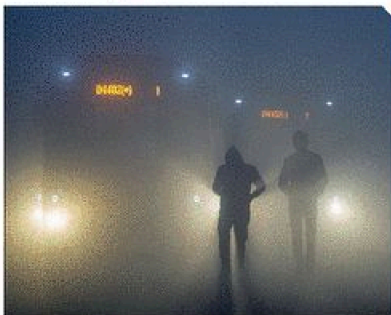
सोमवार सुबह विजिबिलिटी महज 100 से 300 मीटर तक रही

उड़ानों के संचालन में कुछ सुधार, 14 उड़ानें रद्द

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: दिल्ली में घने कोहरे की वजह से सोमवार को 14 उड़ानें रद्द हुईं। इनमें 6 उड़ानें दिल्ली से थीं और 8 उड़ानों को दिल्ली उतरना है। डिपार्चर और अराइवल दोनों में एक-एक फ्लाइट इंटरनैशनल थी। सोमवार को उड़ानों के कैंसल होने का सिलसिला कुछ कम हुआ। सुबह 8 बजे से पहले ज्यादा फ्लाइट्स कैंसल की गईं, इस वक्त पालम में विजिबिलिटी मात्र 150 मीटर थी। हालांकि, इसके बाद धीरे-धीरे स्थिति में सुधार हुआ, धूप भी निकली और उड़ानें कम कैंसल हुईं। हालांकि, कई उड़ानें लेट हुईं। इससे यात्री काफी परेशान हुए।

घने कोहरे ने रोकी 19 ट्रेनों की रफ्तार

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: नॉर्थ इंडिया में बढ़ रही ठंड और कोहरे की वजह से ट्रेनों की रफ्तार धीमी हो गई है। सोमवार को दिल्ली आने वाली करीब 19 ट्रेनें प्रभावित रहीं। रिपोर्ट के मुताबिक, कोई ट्रेन 2 घंटे तो कोई 10 घंटे की देरी से चल रही है। सबसे ज्यादा दिक्कत दूर से आने वाली ट्रेनों को हो रही है। जानकारी के मुताबिक, अयोध्या कैंट से आने वाली ट्रेन 22425 करीब दस घंटे की देरी से चली, जबकि लखनऊ से आने वाली ट्रेन नंबर 12419 करीब 5 घंटे की देरी से चल रही है। गाड़ी संख्या 12453 राजधानी एक्सप्रेस करीब 8 घंटे की देरी से चली। रेलवे की रिपोर्ट के मुताबिक, सोमवार को दिल्ली आने वाली करीब 19 गाड़ियां घंटों की देरी से चली, जबकि गाजियाबाद में भी कई ट्रेन लेट रहीं।

कई ट्रेनें 2 घंटे तो कई 10 घंटे की देरी से चल रही हैं

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 23-12-2025 Zone: Gurgaon Edition: 1 Page: NBTGRP4 User: col Time: 12-22-2025 22:03 Color:

2025

अस्थमा, एलर्जी के मरीज बढ़े

एक महीने में दिल्ली-एनसीआर से आने वाले मरीजों में फ्लू जैसे लक्षणों में बढ़ोतरी देखी गई है। इसके चलते अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और नाक से जुड़ी एलर्जी के मरीज बढ़ रहे हैं। लोगों को बाहर निकलते समय कम से कम एन 95 मास्क लगाने और प्रदूषण से बचाव के अलावा समय पर अपनी दवाएं लेते रहना जरूरी है।

- डॉ. मता गोयल, सीनियर डायरेक्टर, इंटरनेशनल पल्मनरी मेडिसिन, मेदांता अस्पताल

'प्रदूषण में 10 गुना बढ़ जाते मरीज'

लैंसेट की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में पल्यूशन से जुड़ी बीमारियों से 2023 में 17 लाख लोगों की मौत हुई। अपने अस्पताल में देखा है कि प्रदूषण बढ़ने पर मरीजों की संख्या 10 गुना तक बढ़ जाती है। इनमें 80 फीसदी मरीजों को पहले से सांस से जुड़ी दिक्कतें हैं लेकिन 20 फीसदी वे मरीज हैं जो पहली बार ऐसे लक्षणों की वजह से आए हैं।

- डॉ. निखिल मोदी, सीनियर पल्मोनोलॉजिस्ट, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल

GOODBYE 2025 WELCOME 2026

बेहतर आंकड़े, बदतर सांसें...

क्या 2025 में सुधरी दिल्ली की हवा?

चार दिसंबर को राज्यसभा में सरकार ने दावा किया कि 2025 में दिल्ली में एयर क्वॉलिटी में सुधार हुआ है और अच्छे AQI वाले दिनों की संख्या बढ़कर 200 हो गई है, जबकि 2016 में यह 110 थी। कागजों पर आंकड़े राहत देने वाले हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इसके उलट है। दिल्ली-एनसीआर के हजारों परिवारों का कहना है कि रोजमर्रा की जिंदगी में सुधार नहीं दिख रहा है। पेश है हेमंत राजौरा की स्पेशल रिपोर्ट :

बच्चे, बुजुर्ग और जवान सबकी हेल्थ पर असर

दिल्ली छोड़ने को मजबूर

इंडियन स्पाइनल इंजरी सेंटर में काम करने वाली प्रीति श्रीवास्तव बताती हैं कि आठ साल की बेटी से हर साल सर्दियों में प्रदूषण से सांस की दिक्कत होने लगती थी। डॉक्टरों ने कहा कि बच्चों को सुरक्षित रखना है तो कुछ महीने के लिए दिल्ली से बाहर भेज दें। मजबूरी में उसे रांची भेज और वहीं स्कूल में दाखिला भी करवा दिया।

घर में कैद हुए बुजुर्ग

दिल्ली की सुरभि के 96 वर्षीय पिता जे. एम. कपूर लंबे समय से सांस और दिल की बीमारी से जूझ रहे हैं। पिछले साल उन्हें गोवा भेज दिया था। लेकिन, इस साल डॉक्टर के पास रहने की जरूरत के कारण वे दिल्ली में ही रहने को मजबूर हैं। एयर प्यूरीफायर और नेबुलाइजर दिनचर्या का हिस्सा बन चुके हैं।

गर्भ में पल रहे बच्चों पर असर

आईआईटी दिल्ली सहित कई प्रमुख संस्थानों की हालिया स्टडी में सामने आया है कि जब पीएम 2.5 का स्तर 40 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर से ऊपर जाता है, तो हर अतिरिक्त 10 माइक्रोग्राम बढ़ने पर कम वजन वाले बच्चों की दर 5 फीसदी और प्रीमैच्योर डिलिवरी की दर 12 फीसदी तक बढ़ जाती है।

'आपातकाल' जैसे हालात

एक्सपर्ट भी सरकार के दावों से इत्तेफाक नहीं रखते। एम्स दिल्ली के पल्मोनरी मेडिसिन विभाग के प्रमुख डॉ. अनंत मोहन ने नवंबर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि दिल्ली में प्रदूषण के कारण इमरजेंसी जैसे हालात हैं। प्रदूषण का स्तर इतना खतरनाक है कि सामान्य वायरल के मरीजों को भी ठीक होने में पहले से कहीं ज्यादा समय लग रहा है।

हवा में तैरता प्लास्टिक

एक वैज्ञानिक अध्ययन में खुलासा हुआ है कि राजधानी की हवा में इनहेलेबल माइक्रोप्लास्टिक्स की मात्रा 14.18 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर पाई गई है। बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में एक क्यूबिक मीटर हवा में औसतन 38 प्लास्टिक कण मौजूद हैं। यह स्टडी आईआईएसईआर और एम्स कल्याणी के वैज्ञानिकों जिसमें बताया कि चिंताजनक बात यह है कि ये सूक्ष्म प्लास्टिक कण शरीर से बाहर नहीं निकलते और इनसे फेफड़ों में सूजन, दमा, एलर्जी, हार्मोनल गड़बड़ी और लंबे समय में कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है।

बढ़े सांस के मरीज

सरकार ने संसद में स्वीकार किया कि पिछले तीन वर्षों में दिल्ली के छह बड़े केंद्रीय अस्पतालों की इमरजेंसी में सांस संबंधी गंभीर मामलों में भारी वृद्धि हुई। इस दौरान 2,04,758 मरीज एक्यूट रेस्पिरेटरी इंफेक्शन जैसी शिकायतों के साथ पहुंचे, जिनमें से 30,425 को भर्ती करना पड़ा।

जानलेवा प्रदूषण

इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ मैट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन की अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में दिल्ली में 17,188 लोगों की मौत प्रदूषण से जुड़ी थी। यानी सात में से एक की मौत जहरीली हवा से हुई। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर के विश्लेषण के मुताबिक 2023 में दिल्ली में हुई मौतों में से लगभग 15% मौतें प्रदूषण से हुईं।

Q साल का सबसे बड़ा पोल

दिल्लीवालों को इस बार सबसे ज्यादा किसने सताया?

आज से शुरू इस साल के सबसे बड़े पोल में बताएं, 2025 में दिल्लीवालों को सबसे ज्यादा किसने परेशान किया?

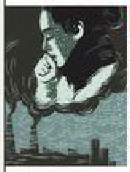

प्रदूषण

प्रदूषण अब दिल्ली की एक स्थायी समस्या बन गया है। दशहरा-दीपावली नजदीक आते ही लोग भयंकर प्रदूषण झेलने और उससे जुड़ी पाबंदियों का सामना करने के लिए कमर कर लेते हैं। इस साल दिल्ली में नई सरकार का गठन हुआ, लेकिन प्रदूषण के मामले में स्थिति सुधरने के बजाय बद से बदतर ही होती जा रही है।

मिलावटी सामान

मिलावटखोर लोगों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। खाने-पीने की मिलावटी चीजों से लेकर नकली कॉस्मेटिक्स और नकली दवाइयां तक धड़ल्ले से बिक रही हैं। एनफोर्समेंट के नाम पर केवल खानापूर्ति होती दिखाई देती है। फेस्टिव सीजन में मिलावटी सामान की बिक्री लोगों के लिए चिंता का सबसे बड़ा विषय रहा।

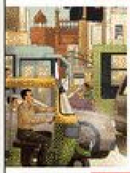

ट्रैफिक जाम

ट्रैफिक जाम दिल्ली के लिए एक ऐसा मर्ज बन गया है, जो दूर होने का नाम नहीं ले रहा। हर साल नए फ्लाईओवर, नई सड़कें बनती हैं, लेकिन जाम कम होने के बजाय बढ़ता जाता है। इस साल एक तरफ जीएसटी दरें कम होने के बाद गाड़ियों की बंपर सेल हुई है, तो दूसरी तरफ डीटीसी की बसें कम हो गई हैं।

साइबर क्राइम

साइबर अपराधियों ने पुलिस से लेकर जनता तक को खूब छकाया। कहीं फर्जी तरीकों से डराकर, तो कहीं लालच देकर और कहीं तकनीक के इस्तेमाल से लोगों की गाढ़ी कमाई को जमकर लूटा गया। सरकार और पुलिस की कोशिशों और तकनीकी एडवांसमेंट के बावजूद साइबर अपराधी पुलिस से एक कदम आगे रहे।

अपने जवाब भेजें हमें ...

इस वट्सऐप नंबर पर जवाब में लिखें A. B. C. या D

9220747220

पहचान की अपील

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की एक पुरुष जिसका नाम **चांद उर्फ बबलू**, निवास और परिवार अज्ञात है, उक्त पुरुष जिसकी उम्र लगभग 35-40 वर्ष थी, उक्त पुरुष 16/197-एच बापा नगर आर्य समाज रोड, करोल बाग में बेहोशी की हालत में पाया गया। इस सिलसिले में **डीडी संख्या 108ए दिनांक 24.11.2025 पुलिस थाना प्रसाद नगर, दिल्ली** में दर्ज की गयी है। पुलिस ने मृतक पुरुष की पहचान करने की कोशिश की लेकिन अभी तक कोई सफलता प्राप्त नहीं हो सकी है। मृत पुरुष का विवरण इस प्रकार है:

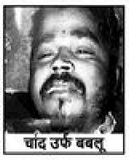
चांद उर्फ बबलू

नाम: चांद उर्फ बबलू, **लिंग:** पुरुष, **उम्र:** 35-40 वर्ष, **ऊँचाई:** 5'3" ft, **रंग:** साँवला, **शरीर:** मज़बूत, **चेहरा:** गोल, **पहनावा:** ब्लू चेक शर्ट और ब्लू टी-शर्ट और काले रंग का पजामा। इस अज्ञात मृत पुरुष के परिजनों के बारे में यदि कोई जानकारी मिले तो कृपया थाना प्रभारी/ प्रसाद नगर,दिल्ली को सूचित करे।

थाना प्रभारी
थाना, प्रसाद नगर, दिल्ली
फोन नं. 8750870432, 9911516833

DP/17090/CD/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरिफ**, पुत्र: **हबीब**, निवासी: एल–90, सुंदर नगरी, नंद नगरी, दिल्ली ने **FIR No.: 20/2021, U/s: 393 IPC, पुलिस थाना नंद नगरी, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **आरिफ** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **आरिफ** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना नंद नगरी, दिल्ली** के अभियुक्त **आरिफ** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 28.01.2026** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री दीपाली राणा
जेएमएफसी–03, कमरा नंबर 19,
प्रथम तल, शाहदरा जिला,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/16977/NE/2025

गुमशुदा/अपहृत की तलाश

शीतल

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एक लड़की जिसका नाम: **शीतल पुत्री बबलेश** पता: मकान नं. 10340, बगीची पीर जी किशन गंज, दिल्ली जो अपने घर से लापता / अपहृत है। इस बाबत **DD No: 12A, Dt. 17.12.2025**, थाना: गुलाबी बाग, दिल्ली में दर्ज है। इसका शारीरिक ब्यौरा इस प्रकार से है: **उम्र:** 18.5 वर्ष, **कद:** 5'0" **रंग:** गोरा, **पहनावा:** लाल रंग का सलवार–कुर्ता व सफेद रंग का स्वेटर, **पहचान चिह्न:** दाहिने हाथ पर स्टार और D.K का टैटू। स्थानीय पुलिस द्वारा हर संभव कोशिश के बाद भी इस लापता लड़की के बारे में कुछ मालूम नहीं हो पाया है। अगर किसी को भी इस लापता लड़की के बारे में कोई जानकारी मिले तो कृपया निम्नलिखित पर सूचित करें।

फोन: 011-24368638, 24368641
वेबसाईट: http://cbi.nic.in
ई–मेल: cic@cbi.gov.in
फैक्स: 011-24368639
DP/17012/N/2025

थानाध्यक्ष
थाना: गुलाबी बाग, दिल्ली
फोन: 9990250006

पहचान की अपील

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एक अज्ञात व्यक्ति का शव **नाम:** मालूम नही, **पुत्र:** मालूम नही, **निवास:** मालूम नही, **उम्र:** लगभग 55-60 वर्ष, **कद:** 5'7", **रंग:** साँवला, **चेहरा:** गोल, **शरीर:** सामान्य, **पहनावा:** ऊपरी हिस्से में नीले रंग की जैकिट एवं नीले रंग की जीन्स पैंट और पैरों में हल्के नीले रंग की जूते पहने हुए है। जो के.एम. पोल नं. 19/22-19/20 डाउन लाईन **B/W GHE.N NO** जो नांगलोई और घेवरा स्टेशन के बीच ट्रेन दुर्घटना से मृत पाया गया था। इस बाबत **DD FIR No. 19A, दिनांक 18.12.2025 थाना: सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन, दिल्ली में दर्ज है।**

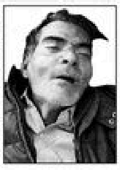

इस मृत व्यक्ति के बारे में या इसके परिवार के बारे में किसी भी प्रकार की जानकारी / सुराग मिले तो निम्नलिखित पते या फोन नम्बरों पर सूचित करें।

हस्ता/- थानाध्यक्ष
थाना: सराय रोहिल्ला
आरएलवाई स्टेशन, दिल्ली
फोन: 8307400418

DP/17130/RLY/2025
(UIDB)

FORM G
CORRIGENDUM TO THE INVITATION FOR EXPRESSION OF INTEREST
PUBLISHED ON 06.12.2025 FOR
WIND WORLD (INDIA) INFRASTRUCTURE PRIVATE LIMITED
OPERATING IN ELECTRIC SUB-STATIONS, TRANSMISSION LINES, EVACUATION FACILITIES FOR THE SETTING UP AND RUNNING OF WIND POWER PROJECTS AT RAJASTHAN, GUJARAT, KARNATAKA, TAMIL NADU, ANDHRA PRADESH
(Under sub-regulation (1) of regulation 36A of the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Insolvency Resolution Process for Corporate Persons) Regulations, 2016)

RELEVANT PARTICULARS

1	Name of the corporate debtor along with PAN & CIN/ LLP No.	Wind World (India) Infrastructure Private Limited PAN: AABCE5226C CIN: U45200MH2005PTC156819
2	Address of the registered office	Office at Enercon Tower, Plot No 9-A Veera Industrial Estate Veera Desai Road, Andheri (West), Mumbai, Maharashtra, India, 400053
3	URL of website	NA
4	Details of the place where the majority of fixed assets are located:	STATE – SUBSTATION REGION KARNATAKA – BARTHI, TADAS, TUMKUR, ARMANGALA, GADAG, BELGAUM, DAVANGERE RAJASTHAN – BHU JAISALMER, SALODI JODHPUR FATEGARH, JAAJIYA GUJARAT – BHOGAT, SURENDRANAGAR, JAMJODHPUR, LALPUR, VADALI, RASALIYA, SURENDRANAGAR TAMIL NADU – PILLAYARKULAM, KALUGUMALAI ANDHRA PRADESH – ANANTHPUR
5	Installed capacity of main products/ services	The CD has 220/33KV, 132/33KV, 110/33 KV, 66/33 KV substations across 20 locations for usage of wind energy projects with installed capacity of 3508.21 MW
6	Quantity and value of main products/ services sold in the last financial year	Rs 21,47,00,000 (Revenue from operations as on 31st March, 2025)
7	Number of employees/ workmen	0
8	Further details, including last available financial statements (with schedules) of two years, lists of creditors are available at URL:	For further details, write an email to wwiipl.cirp@gmail.com
9	Eligibility for resolution applicants under section 25(2)(h) & 29A of the Code is available at:	The Resolution Applicant must be eligible under section 29A of the Insolvency and Bankruptcy Code, 2016. For detailed EOI and eligibility criteria, please write an email to wwiipl.cirp@gmail.com
10	Last date for receipt of expression of interest	06.01.2026 (Previously it was on 22.12.2025)
11	Date of issue of provisional list of prospective resolution applicants	16.01.2026 (Previously it was on 01.01.2026)
12	Last date for submission of objections to provisional list	21.01.2026 (Previously it was on 06.01.2026)
13	Date of issue of final list of prospective resolution applicants	31.01.2026 (Previously it was on 16.01.2026)
14	Date of issue of information memorandum, evaluation matrix and request for resolution plans to prospective resolution applicants	05.02.2026 (Previously it was on 21.01.2026)
15	Last date for submission of resolution plans	07.03.2026 (Previously it was on 20.02.2026)
16	Process email id to submit Expression of Interest	wwiipl.cirp@gmail.com
17	Details of the corporate debtor's registration status as MSME	NA

Date: 23.12.2025
Place: Nagpur

SD/-
IP Megha Agrawal
IBBI/IPA-001/IP-P01456/2018-19/12272
AFA valid up to 31.12.2025
Address Registered with IBBI: C/o Trunex Absolute Insolvency Resolution LLP, 001, Shivranjini Apartments, In Circle of Congress Nagar Garden, Congress Nagar, Nagpur – 440012 (M.S.) For Wind World (India) Infrastructure Private Limited

नरेला क्रॉसिंग खुलेगी आज

■ NBT रिपोर्ट, नरेला

NBT काम की खबर

बवाना- नरेला रेलवे फाटक पर पिछले करीब पांच दिनों से चल रहा मरम्मत कार्य अब अंतिम चरण में है। रेलवे प्रशासन की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, 23 तारीख को सुबह 10 बजे फाटक आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा।

मरम्मत कार्य के चलते बाइक, स्कूटर समेत सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद रही, जिसके कारण स्थानीय लोगों को वैकल्पिक रास्तों से होकर आवागमन करना पड़ रहा था। इससे रोजमर्रा के यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। हालांकि रेलवे की तरफ से पहले ही मरम्मत के काम को लेकर सूचना जारी कर दी गई थी और तय समय पर काम पूरा करने का आश्वासन भी दिया है।

सीएसआईआर - भारतीय रासायनिक जीवविज्ञान संस्थान
(वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद)
4, राजा एस.सी. मलिक रोड, कोलकाता – 700032

लघु निविदा सूचना

निविदा आईडी संख्या	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	सी.पी.पी. पोर्टल में प्रकाशन की तिथि
2025_CSIR_258810_1	सीएसआईआर-आईआईसीबी, जादवपुर परिसर के सेमिनार हाउस में आई.पी.डी. के लिए विभिन्न उपकरणों की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग।	₹ 3,06,000/-	22.12.2025
2025_CSIR_258724_1	सीएसआईआर-आईआईसीबी, जादवपुर और साल्ट लेक परिसर में मौजूद अग्निशामकों को फिर से भरने सहित गैर-व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध।	₹ 5,60,491/-	22.12.2025

अधिक विवरण के लिए कृपया https://www.iicb.res.in/tenders और https://etenders.gov.in/eprocure/app पर जाएं।

हेल्थ विज़न को मज़बूत करने में आयुर्वेद अहम: आयुष मंत्री

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव गणपतराव जाधव ने कहा है कि कोट्टक्कल की आर्य वैद्य शाला जैसे प्राचीन आयुर्वेदिक संस्थान 'स्वस्थ भारत' के राष्ट्रीय विज़न को मजबूत करने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने यह बात पद्मभूषण डॉ. पी. के. वारियर मेमोरियल आयुर्वेद सेमिनार ASK@62 कार्यक्रम को वर्चुअल संदेश के जरिए रविवार को कही। सेमिनार का उद्घाटन आयुष मंत्रालय के सलाहकार डॉ. कौस्तुभ उपाध्याय ने किया। कार्यक्रम में के. हरिकुमार, डॉ. पी. एम. वेरियर, डॉ. ए. रघु, डॉ. वंदना सिरोहा, डॉ. रघुराम अय्यागिरी और डॉ. पी. रामकुमार समेत कई विशेषज्ञ मौजूद रहे।

> दुनिया में तेजी से बढ़ रही भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धति: डॉ. कौस्तुभ

इस मौके पर डॉ. कौस्तुभ उपाध्याय ने कहा कि आयुर्वेद उत्पादों और सेवाओं को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए आयुष निर्यात संवर्धन परिषद बनाई गई है। उन्होंने बताया कि अब तक 25 से ज्यादा देशों ने आयुर्वेद को मान्यता दी है। हाल ही में हुए दूसरे WHO ग्लोबल समिट में करीब 100 देशों ने हिस्सा लिया और पारंपरिक चिकित्सा, खासकर आयुर्वेद और योग को बढ़ावा देने पर सहमति जताई। डॉ. कौस्तुभ ने कहा कि आयुर्वेद भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धति है और पूरी दुनिया में तेजी से आगे बढ़ रही है। आर्य वैद्य शाला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के. हरिकुमार ने बताया कि उनके चैरिटेबल अस्पताल ने पिछले 10 सालों में 20 मिलियन से ज्यादा मरीजों का इलाज किया है। मरीजों को मुफ्त इलाज, खाना, रहने की जगह और दवाएं दी गई। उन्होंने कहा कि आर्य वैद्य शाला हर साल 18 लाख से ज्यादा मरीजों का इलाज कर रही है।

Directorate of Tourism,
Department of Tourism, Art Culture, Sports and Youth Affairs, Govt. of Jharkhand
MDI Building, 2nd Floor, Dhurwa, Ranchi-834004
GSTIN-20RCHD00786C1D4
Phone: (0651) 2400493, email: dirjharkhandtourism@gmail.com,
Web:https://tourism.jharkhand.gov.in

e-Tender No.:-Tour/Dir/Pub./18/2025-1202 **Short e-Tender Notice Call-2** Date:- 19.12.2025

Online (e-Tender) for Selection of Online Travel Management Platform (OTMP) for Digital Promotion of Jharkhand Tourism in Pan India & Abroad. Jharkhand Tourism invites reputed OTMPs with relevant experience in digital marketing, tourism promotion, and online branding to participate in this tender.

NIT No.	Name of the works	Estimated cost (in Rs.)(including GST and other taxes as applicable	Earnest money to be deposited (in Rs.)	Time of completion of work
	Request for Proposal (RFP) for Selection of Online Travel Management Platform (OTMP) for Digital Promotion of Jharkhand Tourism.	2,00,00,000.00	4,00,000.00	1 year

RFP/Tender Availability	23/12/2025 (Tuesday) Time: 16:00 Hrs
Last date for receiving Pre-bid queries	29/12/2025 (Monday) Time: 16:00 Hrs
Pre-bid Meeting Google Meet Joining info Video call link: https://meet.google.com/rrc-gsuh-cyx OTMP must submit Pre-bid query before pre-bid meeting date, also no query will be entertained after pre-bid meeting.	31/12/2025 (Wednesday) Time: 15:00 Hrs
Response to queries	02/01/2026 (Friday) Time: 15:00 Hrs
Last date of Submission	08/01/2026 (Thursday) Time: 15:00 Hrs
Technical proposal opening	12/01/2026 (Monday) at 16:00 Hrs
Technical Presentation	To be announced
Financial Bid Opening	To be announced
Cost of Tender	Electronic transfer of INR 10,000/- (Non-Refundable) through Jharkhand Tender website – https://jharkhandtenders.gov.in/nicgep/app
Earnest Money Deposit (EMD)	Electronic transfer of INR 4,00,000/- through Jharkhand Tender website – https://jharkhandtenders.gov.in
Website for downloading Tender Documents	https://jharkhandtenders.gov.in
Name and Address of Office inviting Tender	Directorate of Tourism, Department of Tourism, Art Culture, Sports and Youth Affairs, Govt. of Jharkhand MDI Building, 2nd Floor, Dhurwa, Ranchi-834004
Venue for Bid Opening & Presentation by bidders	Director, Directorate of Tourism, MDI Building, 2nd Floor, Dhurwa, Ranchi-834004

1. E-Tender document and BOQ including terms & conditions, Tender specification, etc. can be downloaded from website https://jharkhandtenders.gov.in. Any details required in the regard can also be procured from the office of the undersigned (0651-2400493) during office hours. NIC helpline no. is 0651-2400178.
2. The bids will be received only through electronic tendering mode will be considered.
3. No claim shall be entertained on account of disruption of internet services while uploading the bid. Bidders are advised to upload their bids well in advance to avoid last minute technical snag.
4. Bidders must submit a copy of the UTR/reference number as proof of online payment of the tender fee and EMD, as mentioned in the NIT, before the specified cutoff date and time. The details of the finally uploaded BOQ, EMD, and payment instruments (DD/Cheque, etc.) must exactly match the details submitted online (scanned copies); any discrepancies will result in the bid being rejected. Additionally, all bidders are required to submit a hard copy of the technical tender document to the Directorate of Tourism, prior to the tender opening date as specified in the RFP.

PR 369179 Tourism, Art Culture Sports And Youth Affairs (25-26)D

Sd/- Director, Tourism

बटुक भैरव जयंती मनाई

■ NBT न्यूज, नई दिल्ली: नेहरू पार्क, चाणक्यपुरी स्थित पांडव कालीन श्री बटुक भैरव शक्तिपीठ मंदिर में बटुक भैरव बाबा की जयंती धूमधाम से मनाई गई। पंडित राजेंद्र कुमार शर्मा के सान्निध्य में बाबा का भव्य श्रृंगार कर हवन, पूजन किया गया। भजन संध्या हुई। पंडित जी ने भक्तों को भक्ति मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। विशाल भंडारा लगाया गया।

नवभारत टाइम्स धर्म कर्म

भागवत कथा: श्री राजमाता मंदिर अनारकली गार्डन, जगतपुरी में राजेश्वरानंद महाराज के सान्निध्य में भागवत कथा के शुभारंभ पर कलश यात्रा निकाली गयी। पंडित मनोज कृष्ण (वृंदावन) ने भागवत का महात्म्य बताया।

स्वर्ण पदक: जैन दर्शन के युवा विद्वान डा. सोनल कुमार जैन (शकरपुर-दिल्ली) को मोहनलाल सुखाड़िया विवि के दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे और पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने जैनागम और प्राकृत साहित्य में स्वर्णपदक प्रदान कर सम्मानित किया।

आगमन: उपाध्याय श्री गुप्तिसागरजी महाराज का कैलाश एन्क्लेव से सोमवार को दि. जैन मंदिर निर्माण विहार आगमन पर स्वागत किया गया।

5 www.nbt.in
नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली/एनसीआर
मंगलवार, 23 दिसंबर 2025

NBT GOOD न्यूज़

मुस्कान से जीतें दूसरों का दिल!
अगर आप ज्यादा मुस्कुराते हैं, तो लोग आप पर जल्दी यकीन करने लगते हैं। रिसर्च कहती है कि हंसमुख चेहरे दूसरों को ज्यादा ईमानदार और भरोसेमंद नजर आते हैं।

विचार

सफलता का रास्ता भले आसान न हो, लेकिन हर कदम पर सीख देता है। हर चुनौती हमें मजबूत बनाती है। कदम दर कदम सीखते चलो, मंजिल खुद करीब आती जाएगी।

- नोवाक जोकोविच (Novak Djokovic)

ज़रा हंस लें

जज: घर में मालिक के होते हुए तुमने चोरी कैसे की?
चोर: साहब, आपकी नौकरी अच्छी है और सैलरी भी अच्छी है, फिर आप ये सब सीख कर आप क्या करोगे?

कविता

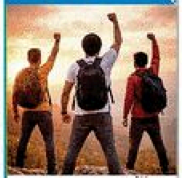

AI Image

सोच बदले, तो सब बदले

जो सोच में दम है, वही
जीत दिलाए,
हार के अंधेरों को रोशनी
बनाए।
गिरकर भी जो फिर से
उठ जाए,
वही इंसान तकदीर लिख
जाए।
ना रुक, ना झुक, बस
चलता जा,
हर डर को अपनी ताकत बना।
जब हौसलों में आग
जलती जाए,
तो मंजिल खुद कदमों में आए।

- करन झा, NBT रीडर

पॉजिटिव सोच के साथ आपने भी कोई कविता लिखी है, तो हमें ईमेल nbtreader@timesofindia.com पर भेजें। जिसे मिल सकता है अगले अंक में छपने का मौका।

'स्नेक मैन' की कहानी: जंगल से पद्मश्री तक का सफर, व्हिटेकर की करुणा का हर ओर असर

बेज़ुबानों के लिए झोंकी जान

Sreerag.PS@timesofindia.com

रोमुलस व्हिटेकर

■ 1957 में 13 साल की उम्र में केरल आए रोमुलस व्हिटेकर के जीवन की दिशा एक पल में बदल दी। पेरियार नदी के किनारे छाया की तरह फिसलते एक बाघ को अचानक देखना उनके लिए बेहद रोमांचकारी अनुभव था। उस दौर में वन्यजीवन अधिक खुला था और अभ्यारण्यों तक सीमित नहीं रहता था। गौर, हिरण और बाघ आसानी से दिख जाते थे। यह अनुभव उनकी स्मृतियों में बस गया और आगे चलकर वे भारत के प्रभावशाली संरक्षणवादियों में शामिल हुए। व्हिटेकर की केरल यात्रा एक पारिवारिक यात्रा थी। कोच्चि का मालाबार होटल उनकी यादों में आज भी ताजा है। नदी में नाव की सैर कर वन्यजीवों को देखना आम बात थी। हालांकि इस यात्रा में वे किंग कोबरा नहीं देख सके, मगर सांपों को करीब से जानने की जिज्ञासा गहरी हो गई। बचपन से ही उन्हें जानवरों, खासकर सांपों में दिलचस्पी थी। अमेरिका में पले-बढ़े व्हिटेकर बाद में भारत लौट आए और सांपों के प्रति लोगों के डर को जानकारी के अभाव से जोड़ा। उनकी मां ने भी उनके शौक को बढ़ावा दिया। उनके डॉक्युमेंटेशन के समय भारत में सांपों की 275 प्रजातियां दर्ज थीं, जो आज 360 से अधिक हो चुकी हैं।

सांप पकड़ने, जंगल में छोड़ने का तरीका सिखाया

भारत में आकर व्हिटेकर ने देखा कि सांपों को बेवजह मारा जाता है। उन्होंने लोगों को समझाने की कोशिश की कि सांप दुश्मन नहीं हैं। वे कहते हैं कि ज्यादातर सांप काटने की घटनाएं सावधानी और सही जानकारी से रोकी जा सकती हैं- जैसे रात में टॉर्च का इस्तेमाल, सही जूते पहनना, और घर के आसपास साफ-सफाई। व्हिटेकर ने मद्रास स्नेक पार्क की स्थापना में बड़ी भूमिका निभाई। उन्होंने सांप पकड़ने और उन्हें जंगल में सुरक्षित छोड़ने का तरीका भी विकसित किया।

सांप काटने को मेडिकल इमरजेंसी मानने पर जोर

व्हिटेकर इंदिरा गांधी को भारत की सबसे दूरदर्शी प्रधानमंत्री मानते हैं, जिन्होंने 1972 में वन्यजीव संरक्षण कानून जैसे कदम उठाए। राजीव गांधी के समय उन्होंने अंडमान द्वीपों में वनों की कटाई रोकने में मदद की। पद्मश्री मिलने के बाद व्हिटेकर की पीएम मोदी से थोड़ी मुलाकात हुई। उन्होंने PMO को संदेश भेजकर 'मन की बात' में सांप काटने को मेडिकल इमरजेंसी मानने और सरकारी अस्पतालों को इलाज के लिए तैयार रहने की जरूरत पर जोर दिया।

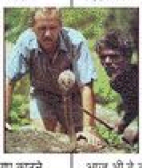

'साथ रह सकते हैं इंसान और जंगली जानवर'

व्हिटेकर ने आदिवासी समुदायों के साथ मिलकर काम किया और दिखाया कि इंसान और जंगली जानवर साथ रह सकते हैं, बिना एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाए। वे मानते हैं कि संरक्षण का मतलब सिर्फ जानवरों को बचाना नहीं, बल्कि लोगों को समझाना और सही जानकारी देना है।

आज भी वे लोगों से कहते हैं- देखो, समझो और सम्मान करो। डर की जगह ज्ञान अपनाओ। प्रकृति के साथ मिलकर जियो।

टैगोर की पेंटिंग ₹10.7 करोड़ में बिकी

टैगोर की विरासत पर कद्रदानों की धनवर्षा

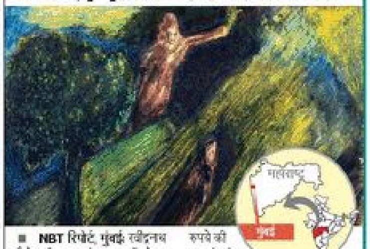

■ **NBT रिपोर्ट, मुंबई:** रवींद्रनाथ टैगोर की एक दुर्लभ कलाकृति ने हालिया नीलामी में नया रेकॉर्ड रचते हुए 10.7 करोड़ रुपये में बिक्री दर्ज की। यह कीमत शुरुआती अनुमानित 2 से 3 करोड़ रुपये से कई गुना ज्यादा रही। From Across The Dark शीर्षक वाली यह पेंटिंग AstaGuru ऑक्शन हाउस की 14 से 17 दिसंबर के बीच आयोजित ऑनलाइन नीलामी में शामिल थी, जिसमें कुल 87 लॉट पेश किए गए और सभी बिक गए।

इसे नीलामी जगत में 'व्हाइट-ग्लव' सेल कहा गया, जहां हर वस्तु खरीदी गई और कुल 163.65 करोड़ रुपये की कमाई हुई। नीलामी में कृष्ण खन्ना, सदानंद के बाकरे और वॉल्टर लैंगहैमर के कार्यों ने भी नए रेकॉर्ड बनाए। खन्ना की The Last Supper 10.22 करोड़ में बिकी। AstaGuru के मार्केटिंग डायरेक्टर मनोज मंसुखानी के अनुसार, यह परिणाम आधुनिक कला के प्रति बढ़ती रुचि और प्रामाणिकता की मजबूत मांग को दर्शाता है। यह रेकॉर्ड पेंटिंग 1937 में अल्मोड़ा में बनाई गई थी और टैगोर ने इसे कसमंडा रियासत की राजमाता विद्यावती देवी को भेंट किया था।

123 साल पुरानी 'कर्जन क्लॉक' में फिर लौटी धड़कन

समय का पहिया घूमा : स्वर्ण मंदिर में फिर सुनाई देगी इतिहास की 'टिक-टिक'

Jaskaran.Singh@timesofindia.com

■ **अंबाला:** अमृतसर के श्री दरबार साहिब (स्वर्ण मंदिर) में दशकों तक एक घड़ी 10 बजकर 8 मिनट पर थमी हुई थी। लाखों लोग इसके नीचे से गुजरते रहे, लेकिन किसी ने नहीं सोचा था कि धूल और वेट के पीछे 123 साल पुरानी 'कर्जन क्लॉक' का इतिहास छिपा है। दो साल की मेहनत और करीब 96 लाख रुपये खर्च के बाद यह घड़ी फिर से धड़कने लगी।

साल 1900 में भारत के तत्कालीन वायसराय लॉर्ड कर्जन अपनी पत्नी के साथ दरबार साहिब आए। उन्होंने महसूस किया कि दीवार घड़ी दरबार की भव्यता के अनुरूप नहीं है। बर्मिंघम की कंपनी 'एलकिंग्टन एंड कंपनी' को यह घड़ी बनाने का काम सौंपा गया। दो साल की मेहनत के बाद 1902 में दिवाली और बंदी छोड़ दिवस पर इसे भेंट किया गया। समय के साथ रखरखाव की कमी और गिरने से घड़ी की चमक चली गई, वेट पड़ गए और असली पुर्जे हटाकर क्वार्ट्ज मैकेनिज्म लगाया गया। साल 2023 में भाई मोहिंदर सिंह के नेतृत्व वाले 'गुरु नानक निष्काम सेवक जत्था' ने इसे खोजा और बर्मिंघम भेजा। नवंबर में घड़ी भारत लौट आई और जनवरी 2025 में इसे फिर से पुराने स्थान पर इंस्टॉल किया जाएगा। SGPC के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने संरक्षण कार्य की सराहना की।

₹96 लाख की मेहनत और विरासत की वापसी

GNNSJ के प्रतिनिधि इंद्रजीत सिंह ने बताया कि बर्मिंघम के भूपिंदर सिंह मिन्हास ने इसे फिर से पुराने स्वरूप में लाने की जिम्मेदारी उठाई। इसके पीतल के केस को फिर से चमकाया गया, हाथ से लिखे पंजाबी अंकों की जगह फिर से रोमन अंक लगाए गए—बिल्कुल वैसे ही जैसे लॉर्ड कर्जन ने इसे सौंपा था।

AP

सैंटा बनकर दौड़ा शहर

स्पेन की राजधानी मैड्रिड में सालाना 'सैंटा रेस' में हजारों लोग लाल लिबास पहनकर एक साथ दौड़े। पतझड़ के मौसम में सुनहरे पेड़ों के बीच से गुजरता यह कारवां क्रिसमस की उमंग और शहर की जिंदादिली को दुनिया के सामने बयां कर रहा है।

रेड में 15 किलो प्रतिबंधित मांस बरामद, एक अरेस्ट

■ **NBT न्यूज, नूंह:** पुन्हाना थाना क्षेत्र के गांव बड़ेड में पुलिस ने सूचना के आधार पर एक मकान पर रेड की। इस दौरान पुलिस ने 15 किलो प्रतिबंधित पशु का मांस बरामद किया। एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया, वहीं तीन आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामले में चार नामजद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच अधिकारी रतीभान ने बताया कि सूचना मिली कि गांव बड़ेड निवासी आशु, साजिद, अजर और हथीन क्षेत्र के छायसा गांव का यूसुफ प्रतिबंधित पशु के मांस की तस्करी करते हैं। वे बड़ेड गांव के बंद मकान में मांस सप्लाई करने की तैयारी कर रहे हैं। इस पर पुलिस ने रेड की। पुलिस के पहुंचने पर आरोपी भागने लगे। पीछा कर आरोपी आशु को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बाइक और 15 किलो प्रतिबंधित पशु का मांस बरामद हुआ। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया

दिल्ली की खबरों के लिए एक्स पर फॉलो करें
@NBTDilli

पिता की मौत का बदला लेने के लिए जमा किए थे हथियार

■ NBT न्यूज, रेवाड़ी

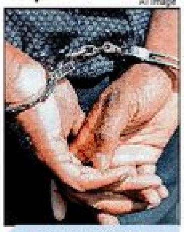

AI Image

■ टैक्सी ड्राइवर को गोली मारकर लूट की वारदात को दिया अंजाम
■ 30 साल पहले हुई पिता की हत्या का बदला लेने और हिस्ट्रीशीटर विनोद फैदरिक को मारने के लिए रची थी साजिश

चालक को गोली मार टैक्सी व नकदी लूटने के आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में बड़ा खुलासा हुआ है। गिरफ्तार PHD स्टूडेंट ने बताया कि 30 साल पहले हुई पिता की हत्या का बदला लेने व हिस्ट्रीशीटर विनोद फैदरिक को मारने के लिए उसने 50 लाख रुपये के हथियार जमा किए थे। इसके लिए उसने लोन भी लिया। मामले की जानकारी सोमवार को DSP सुरेंद्र श्योराण ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। दरअसल, अजमेर से PHD कर रहे देवांशु व नेट की तैयारी कर रहे आजमगढ़ के शुभम वर्मा ने 16 दिसंबर की रात बनीपुर चौक पर टैक्सी चालक के पैर में गोली मार कैब और 20 हजार रुपये लूट लिए थे। पुलिस ने इन्हें गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया था, रिमांड पर इन्होंने हथियार उपलब्ध कराने वाले आरोपी मेरठ के बंटी सिंह का खुलासा किया, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। DSP ने बताया कि देवांशु के पिता सूरजभान राजस्थान पुलिस में सिपाही थे और 30 साल पहले एक सड़क दुर्घटना में उनकी मौत हो गई थी। लेकिन देवांशु का मानना था कि यह दुर्घटना नहीं हत्या थी, जिसमें हिस्ट्रीशीटर व नशा कारोबारी विनोद फैदरिक का हाथ था। पिता की मौत का बदला लेने के लिए देवांशु हथियार इकट्ठा कर रहा था। उसने 50 लाख रुपये के हथियार जमा करे हैं। पुलिस ने आरोपियों की बताई जगहों से पांच पिस्तौल, 250 कारतूस, आठ मैगजीन, 22 मैगजीन स्प्रिंग, एक बैरल स्प्रिंग, 6 वॉकीटॉकी, एक दूरबीन, एक हथकड़ी सहित अन्य सामान बरामद किया। गिरफ्तारी के समय भी 2 पिस्तौल, 3 मैगजीन, 89 जिंदा कारतूस, जैमर व जीपीएस ट्रैकर सिस्टम पुलिस ने बरामद किया था। डीएसपी ने बताया कि रिमांड की अवधि खत्म होने पर सोमवार को दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

आरोपी PHD स्टूडेंट से पूछताछ में खुलासा

नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म, तीन पर केस

■ **NBT न्यूज, नूंह:** तावडू खंड के एक गांव नाबालिग किशोरी का अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म का मामला आया है। पीड़िता के पिता का आरोप है कि युवकों ने अपहरण कर बंधक बनाया फिर दुष्कर्म किया। पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता के पिता ने बताया कि गांव महसौलाग्ढ़ी निवासी वसीम पुत्र हबीब, अफरोज पुत्र मुबीन और वसीम पुत्र सम्मू ने उनकी नाबालिग बेटी को खेत में अकेला पाकर चार महीने पहले दुष्कर्म किया था। वारदात का विडियो बना वायरल करने की धमकी दी। आरोप है कि 19 दिसंबर की रात आरोपियों ने विडियो वायरल करने की धमकी दे बेटी को खेत पर बुलाया और सामूहिक दुष्कर्म किया।

बताया कि रात भर बेटी के बंधक बनाकर रखा। अगले दिन आरोपियों के परिजनों ने बेटी को बंधक बना लिया और कहा कि इसी शर्त पर लड़की को लौटाएंगे कि तुम हमारे बच्चों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं करोगे। पुलिस ने शिकायतकर्ता के बयान के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चार महीने पहले दुष्कर्म किया था। वारदात का विडियो बना वायरल करने की धमकी दी

नर्सरी एडमिशन के लिए बचे आखिरी पांच दिन

10 से 20 स्कूलों में कर रहे हैं पैरंट्स अप्लाई, ज्यादा फॉर्म भरने से मिलेगा ज्यादा चांस

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

AI Image

दिल्ली के 1758 प्राइवेट स्कूलों में नर्सरी के लिए फॉर्म भरने के आखिरी 5 दिन बचे हैं। स्कूलों की ओर से कहा गया है कि वो ज्यादा से ज्यादा और नजदीक से नजदीक स्कूलों को फोकस करें, ताकि सीट पक्की हो सके। स्कूलों की ओपन सीटों के लिए यानी जिनके लिए कोई भी अप्लाई कर सकता है और जिनके लिए फीस देनी होती है, ये दाखिला प्रक्रिया हो रही है। सेशन 2026-27 के लिए सभी प्राइवेट स्कूलों के लिए पैरंट्स 27 दिसंबर तक ऐप्लिकेशन जमा कर सकेंगे।

इसके बाद 23 जनवरी 2026 को सभी स्कूल चुने गए बच्चों की पहली लिस्ट जारी करेंगे। इस साल शिक्षा निदेशालय ने एडमिशन की लास्ट डेट 19 मार्च तय की है। दूरी, सिबलिंग, अल्मनाई इन तीन खास पैमाने के अलावा गर्ल चाइल्ड, फर्स्ट बॉर्न जैसे क्राइटेरिया पर नर्सरी के दाखिले हो रहे हैं। 'नेबरहुड' सबसे अहम क्राइटेरिया है मगर नेबरहुड में कई स्कूल 10-20 किलोमीटर की दूरी के लिए भी पॉइंट्स दे रहे हैं, ताकि दूर के टारगेट स्टूडेंट्स भी अप्लाई करें। हालांकि, शिक्षा निदेशालय का मानना है कि छोटे बच्चों के लिए जितना पास स्कूल, उतना उनके लिए बेहतर। कई स्कूलों में अप्लाई करने वाले स्टूडेंट्स की संख्या सीटों के मुकाबले काफी ज्यादा है। एक से मार्क्स वाले कई बच्चे होंगे, जिनकी संख्या सीटों से ज्यादा है। इससे साफ है कि सीटें अलॉट करने के लिए स्कूलों को ड्रॉ निकालना होगा। बिड़ला विद्या निकेतन की प्रिंसिपल मीनाक्षी कुशवाहा कहती हैं, पैरंट्स को आसपास के स्कूल को फोकस में रखना चाहिए, यह बच्चे के लिहाज से अच्छा है। वहीं, ज्यादा से ज्यादा फॉर्म भरेंगे तो चांस ज्यादा होगा।

पैरंट्स ने कहा, दूसरा ऑप्शन रखना जरूरी

फॉर्म 4 दिसंबर को खुले थे और कई पैरंट्स ने 10 से 20 स्कूलों के लिए अप्लाई किया है। तिलक नगर के रहने वाले सुंदर जैन ने बताया, मैंने अपनी बेटी के लिए अब तक 11 फॉर्म भर दिए हैं। और अब 5 और स्कूल के फॉर्म भरेंगे ताकि बड़े स्कूल में नंबर ना आया, तो दूसरा ऑप्शन रहे। दूसरी ओर, मयूर विहार 3 में रहने वाली श्रेया भाकुनी बताती हैं, मेरे बेटे के लिए अभी हमने 5 स्कूल आसपास के भरे हैं, मगर तीन स्कूल 10 किलोमीटर से ज्यादा दूरी के हैं। वे काफी स्कूल हैं, नर्सरी में एडमिशन मिला तो 12वीं तक पढ़ाई आसान हो जाएगी।

॥तमसो मा ज्योतिर्गमय:॥

Late Smt. Gayatri Devi Goenka
(21.7.1942 - 23.12.1990)

It is her love, care and guidance that still illuminates our path.
A path that has lead us to prosperity, growth & success.
Following her principles and values, we are striving towards greater achievements and contributing our best towards community betterment.

Goenka Family
Staff and Students of
GD Goenka

GD GOENKA
Thrive. For Life.

नवभारत टाइम्स • विचार
नवभारत टाइम्स | नई दिल्ली/एनसीआर | मंगलवार, 23 दिसंबर 2025

व्यापारिक समझौते सिर्फ मुनाफे के लिए नहीं, नागरिकों के हित में भी होने चाहिए।
– *जोसेफ ई. स्टिग्लिट्ज, अमेरिकी अर्थशास्त्री*

राइट ट्रैक पर डिप्लोमेसी

अमेरिकी नीतियों की वजह से दबाव का सामना कर रही भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए न्यूजीलैंड के साथ हुआ मुक्त व्यापार समझौता राहत की खबर है। हाल में कई दूसरे देशों के साथ भी सहमति बनी है। ये समझौते अमेरिकी टैरिफ विवाद से बने नकारात्मक माहौल को दूर करने में तो मदद करेंगे ही, इनसे वॉशिंगटन के साथ प्रस्तावित डील में भी नई दिल्ली का पक्ष भारी रहेगा।

व्यापार बढ़ेगा | न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की इस साल मार्च में भारत यात्रा के दौरान ट्रेड डील पर बात शुरू हुई थी। दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्तों की औपचारिक शुरुआत भारत की आजादी के कुछ साल बाद ही हो गई थी, लेकिन द्विपक्षीय व्यापार अब भी बेहद कम है। 2023 में यह 1.75 अरब डॉलर था और पिछले साल 2.07 अरब डॉलर। ट्रेड एग्रीमेंट से व्यापार को अगले पांच साल में दोगुना करने का लक्ष्य तय किया गया है। साथ ही, सर्विसेज, पर्यटन, इन्वेस्टमेंट में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है।

न्यूजीलैंड के साथ FTA

किसानों को फायदा | न्यूजीलैंड खेती में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल के लिए जाना जाता है। ट्रेड डील से उसकी उन्नत कृषि तकनीक तक पहुंच आसान होगी। महत्वपूर्ण है कि डेयरी सेक्टर में कोई छूट नहीं दी गई है और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने साफ किया है कि इस क्षेत्र में समझौता संभव नहीं। अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में जिन वजहों से देर हो रही है, उनमें कृषि और डेयरी सेक्टर शामिल हैं।

ओमान के साथ समझौता | हाल में भारत की तरफ से व्यापारिक समझौतों में तेजी आई है। पिछले हफ्ते ओमान के साथ व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (CEPA) हुआ था। दोनों देश इसे तीन महीने के भीतर लागू करना चाहते हैं। इसके बाद ओमान को भारत का 99% से ज्यादा निर्यात टैरिफ फ्री हो जाएगा। इसी तरह, दिसंबर की शुरुआत में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन की यात्रा के दौरान मॉस्को और नई दिल्ली ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने पर सहमति जताई थी।

दूसरों के साथ बात बढ़े | भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड एग्रीमेंट पर अब भी बातचीत जारी है। पीयूष गोयल ने वार्ता को अडवांस स्टेज में बताया है। दोनों देश इसे जल्द अंजाम तक पहुंचाना चाहते हैं। इससे निवेश क्षेत्र के साथ भारतीय शेयर बाजार को भी राहत मिलेगी। आशा है कि यूरोपीय यूनियन, इजराइल, कनाडा के साथ भी प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर बात तेजी से आगे बढ़ेगी। इनसे भारतीय निर्यात में विविधता आएगी और विदेशी बाजारों में हमारे निर्यातकों की प्रतिस्पर्धी क्षमता बेहतर होगी।

ऐवें कुछ भी

दुख में सुख

आलोक सिंह भदौरिया

पुल पार सब्जी मंडी लगी थी। कड़कड़ाती सर्दी में वहां जाना अंटार्कटिका की यात्रा थी। हम सपत्नीक बाइक पर सवार हुए। मंडी से सब्जी समेटकर पत्नी जी बैक सीट पर बैठीं। सस्ती सब्जी और मुंहजोर सब्जीवालों पर चर्चा करते हुए गेट पर रुके। बाइक बंद करने के लिए चाबी की तरफ हाथ बढ़ाया।

10 डिग्री के टेंपरेचर में भी पसीना आ गया। चाबी गायब थी। जीवन में नया सबक सीखा, चाबी गिर जाने के बाद भी बाइक चलती रह सकती है। चाबी गिर गई पता तक नहीं चला। पड़ोस में सत्संग चल रहा था। वक्ता कह रहे थे, जैसे हाथी के गले से माला टूटकर गिर जाए उसे पता नहीं चलता, उसी तरह ज्ञानी पुरुष की आत्मा शरीर को बिना कष्ट के त्याग देती है।

पर हम आत्मा मतलब चाबी खोजने चल पड़े। रात का विकट अंधेरा, ऊपर से कोहरे का अटैक। सब्जी मंडी तक का चक्कर लगा आए, लेकिन माया मिली न राम। बीच में दारू पिए एक बाइक वाला जरूर पीछे से ठोक गया।

घर पहुंचे तो अड़ोस-पड़ोस इकट्ठा था। एक जन कह रहे थे, भइया बाइक की चाबी गिर गई, मतलब भगवान संकेत कर रहे हैं कि अब कार ले लीजिए। बाकी लोगों ने हां में हां मिलाई। कुछ लोगों ने पार्टी तक की मांग कर डाली। हमने दिखावा कि देखो पीछे से कोई ठोक गया। इस पर दिलासा दिया गया कि भइया कोई बड़ा नुकसान होना था, छोटे में टल गया।

हमें चाबी की चिंता थी। घर की तमाम चाबियां लगा लीं पर कामयाबी नहीं मिली। इतने में बेटे महाशय अपना नेलकटर लेकर आए, बोले, इसे ट्राई करो। हम कुछ कहते इतने में उन्होंने कीहोल में डालकर बाइक लॉक कर दी, फिर ऑन करके दिखाया। उड़ती सी नजर डालकर बोले, यूट्यूब पर न्यूज के अलावा कुछ और देख लिया करो।

अब चाबी की चिंता तो छूट गई, पड़ोसियों के कार खरीदने के सपनों पर लगाम लगाने की चिंता शुरू हो गई। इतने में पीछे से पत्नी जी की फरमाइश आई, जब कार खरीद ही रहे हैं तो पहले ही मुंह मीठा करा दीजिए, कल मक्खन मलाई लेते आइएगा।

बोल वचन — दिलीप लाल

खोइछा देकर विदाई

AI Image

खोइछा उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के लोक-जीवन में प्रचलित एक खास शब्द और परंपरा है। इसका शाब्दिक अर्थ है- मोड़ा या भरा हुआ आंचल। जब साड़ी का किनारा सीधा और फैला रहता है, तब वह केवल आंचल कहलाता है। आंचल फैलाकर मन्नत मांगने की परंपरा भी लोक-आस्था का हिस्सा है। लेकिन जब-जब बेटी मायके से ससुराल जाती है, तो मां, भाभी या घर की बुजुर्ग स्त्रियां उसकी साड़ी के आंचल में दूर्वा, हल्दी की गांठें, चावल व कुछ पैसे रखती हैं और मंगलकामना करती हैं। इस लोक-रिवाज को खोइछा देना कहा जाता है। यही परंपरा तब भी निभाई जाती है, जब बहुएं ससुराल से मायके के लिए विदा होती हैं। मिथिलांचल में इसे खोइछा कहा जाता है। गुजरात और महाराष्ट्र में आंचल के बदले पल्लू या ओढ़नी भरी जाती है और इसे ओटी भरना कहते हैं। बांग्ला में इसे आंचोल कहा जाता है। लोक-मान्यता में बेटी को लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है। कहा जाता है कि यह परंपरा दुर्गा, काली, लक्ष्मी जैसी देवियों को खोइछा अर्पित करने से विकसित हुई। हालांकि समय के साथ पहनावे बदले हैं, इसलिए आज कई जगह साड़ी की जगह रूमाल से भी खोइछा दिया जाने लगा है। अंग्रेजी में इस भाव और परंपरा के लिए कोई सटीक शब्द नहीं है।

पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों को राजनीतिक नज़र से देखना ग़लत

बांग्लादेश संकट पर चुप न बैठे भारत

शान्तेष कुमार सिंह

बांग्लादेश से आ रही खबरें दिल दहला देने वाली हैं। शेख़ हसीना सरकार के पतन के बाद सत्ता की बागडोर संभालने वाले मुहम्मद यूनुस बुरी तरह नाकाम हुए हैं। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हमले थमने का नाम नहीं ले रहे। मंदिरों पर पथराव, घरों में आगजनी, महिलाओं पर अत्याचार - ये घटनाएं अब रोजमर्रा की हकीकत बन चुकी हैं। ऐसे में सवाल है कि भारत को क्या करना चाहिए।

ऐतिहासिक जड़ें | यह संकट नया नहीं है। 1947 के बंटवारे के समय बंगाल के पूर्वी हिस्से में हिंदू अल्पसंख्यक सुरक्षित थे, लेकिन पाकिस्तान बनने के बाद उत्पीड़न शुरू हो गया। 1971 के युद्ध में भारत ने 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों को हराकर बांग्लादेश को आजादी दिलाई। इंदिरा गांधी की दूरदर्शिता ने करोड़ों हिंदुओं को बचाया। लेकिन, आजादी के बाद की सरकारों ने हिंदुओं को अधिकारों से वंचित रखा। वक्फ कानून के तहत उनकी जमीनें हड़पी गईं।

अल्पसंख्यकों का दर्द | आंकड़े बताते हैं कि बांग्लादेश में हिंदू आबादी कभी 22% थी, जो आज घटकर महज 8% रह गई है। 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के बाद भी इस समुदाय पर अत्याचार जारी रहा। शेख़ हसीना ने कुछ सुरक्षा दी, लेकिन उनके खिलाफ भड़के आक्रोश ने अल्पसंख्यकों को और असुरक्षित कर दिया है। आज वहां कट्टरपंथी ताकतें हावी हैं। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध क्रिश्चियन एकता परिषद के अनुसार, अगस्त 2024 से नवंबर 2025 तक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की 2,010 से अधिक घटनाएं दर्ज की गईं।

कट्टरता हावी | ISIS से प्रेरित कट्टरपंथी समूह जैसे हिज्ब-उत-तहरीर और जमात-ए-इस्लामी खुले तौर पर सक्रिय हैं। यूनुस सरकार ने कुछ बयान जारी किए, लेकिन कार्रवाई नगण्य है। नोबेल विजेता यूनुस खुद विवादों में हैं। उनके ग्रामीण बैंक पर हिंदू संपत्ति हड़पने के आरोप लगे हैं। ऐसे में हिंदू समुदाय पलायन कर रहा है। पिछले हफ्ते हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की निर्मम हत्या बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंसा की भयावह तस्वीर पेश करती है।

गहरा संकट
- कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर यूनुस सरकार नाकाम
- भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर उठाना चाहिए मुद्दा
- कूटनीति और आर्थिक दबाव बढ़ाने की जरूरत

भारत की आवाज | बांग्लादेश के हालात को लेकर पूरी दुनिया चिंता जता रही है। भारत में भी चिंताएं हैं और वजह वाजिब है। हमारी सीमाएं लगती हैं। उधर की अस्थिरता इधर असर डालती है। ढाका में जिस तरह से भारतीय उच्चायोग के बाहर विरोध प्रदर्शन हुए, भारत के खिलाफ जिस तरह की बयानबाजी की जा रही है - उससे जाहिर होता है कि बांग्लादेश में हालात हाथ से निकल चुके हैं। यूनुस सरकार का कट्टरपंथियों पर कोई नियंत्रण नहीं है।

संयमित प्रतिक्रिया | भारत ने अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों पर गहरी चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय ने दीपू के हत्यारों को सजा दिलाने की मांग की है। वैसे कुल मिलाकर सरकार की प्रतिक्रिया बेहद संतुलित और संयमित है। नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर 20-25 युवाओं ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया, तो विदेश मंत्रालय ने इसे भी स्पष्ट कर दिया। लेकिन, अब मांग उठ रही है कि समय कूटनीति से आगे बढ़ने का है। ऐसे कौन-से कदम हो सकते हैं, जिनके जरिये बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पर दबाव बनाया जा सकता है कि वह न्यायपूर्ण शासन करे, कुछ सुझाव हैं :

- भारत को यह मामला संयुक्त राष्ट्र में उठाना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की तरफ से दबाव काम आ सकता है। US, EU और दूसरे संगठनों-देशों के सामने बांग्लादेश में हो रहे मानवाधिकार उल्लंघन के आंकड़े रखे जाएं।
- बांग्लादेश गैस, बिजली और व्यापार में भारत पर निर्भर है। उसकी ऊर्जा जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा भारत से पूरा होता है। अगर हालात नहीं सुधरते, तो जरूरी चीजों की आपूर्ति सीमित की जा सकती है।
- ब्रिक्स, जी-20 जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मामला उठाया जाए।

स्मार्ट डिप्लोमेसी | प्रधानमंत्री मोदी ने 'विकसित भारत' की बात की है। इसमें पड़ोसी अल्पसंख्यकों का विकास भी शामिल होना चाहिए। अभी के वक्त की जरूरत स्मार्ट डिप्लोमेसी है। पड़ोसी देश होने के नाते बांग्लादेश की स्थिरता भारत की सुरक्षा से जुड़ी है। नई दिल्ली को कहना होगा कि हम बांग्लादेश के आंतरिक मामलों में दखल नहीं दे रहे, पर अल्पसंख्यकों पर हमले बर्दाश्त नहीं किए जा सकते।

इंसानियत का सवाल | इस मुद्दे को राजनीतिक चश्मे से देखना गलत होगा। ढाका के रामना गढ़ी मंदिर में पूजा करने वाले भक्त अब डरते हैं। बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे, महिलाएं घर से बाहर नहीं निकलतीं। भारत, जो स्वयं धार्मिक विविधता का प्रतीक है, उसे यह बर्दाश्त नहीं करना चाहिए। बांग्लादेश संकट भारत के लिए परीक्षा है।

(लेखक JNU के अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान में प्रोफेसर हैं)

कांटे की बात

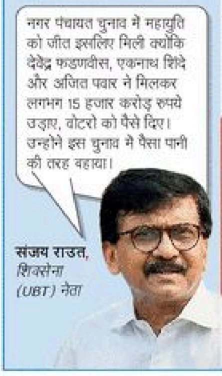

संजय राउत, *शिवसेना (UBT) नेता*

AI की दुनिया

चीन ने बनाई रोशनी से चलने वाली चिप, नाम रखा 'लाइटजेन'

चीन के वैज्ञानिकों ने ऐसी माइक्रोचिप बनाई है, जो बिजली की जगह किसी भी तरह की रोशनी से काम कर सकती है। दावा है कि LightGen AI चिप कुछ खास कामों में NVIDIA जैसी दिग्गज कंपनी के GPU से 100 गुना तक तेज है।

AI Image

खास तरह के काम में चिप का इस्तेमाल

LightGen चिप बिजली की जगह फोटॉन्स यानी रोशनी के कणों का इस्तेमाल करती है। इसका फायदा यह है कि रोशनी बहुत तेज होती है, गर्मी कम पैदा होती है और बिजली की खपत भी बहुत कम होती है। लेकिन यह चिप मल्टीटास्किंग नहीं है।

कैलकुलेशन में बेजोड़ हाइब्रिड चिप

Tsinghua यूनिवर्सिटी ने ACCEL नाम की एक हाइब्रिड चिप भी बनाई है। इसमें कुछ हिस्से लाइट पर आधारित हैं और कुछ पुराने तरीके के इलेक्ट्रॉनिक सर्किट पर। इसे चीन की पुरानी सेमीकंडक्टर तकनीक से भी बनाया जा सकता है। दावा है कि ACCEL चिप 4.6 पेटाफ्लॉप्स की ताकत देती है। पेटाफ्लॉप्स का मतलब है एक सेकंड में एक लाख करोड़ गणनाएं।

-प्रदीप तिवारी

जनता जंक्शन — इरफान

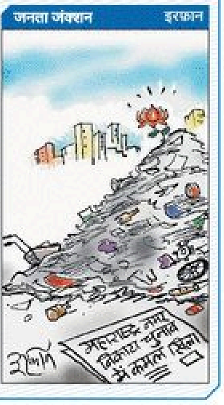

इमिग्रेशन पर न डराएं मिस्टर प्रेजिडेंट

कॉमन रूम

नीरज कौशल, न्यू यॉर्क से

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की नैशनल सिक्योरिटी स्ट्रैटिजी (NSS) 2025 में यूरोप को लेकर एक भयानक चेतावनी दी गई है। इसके मुताबिक, 'इमिग्रेशन पॉलिसी की वजह से यूरोप में सभ्यता मिटने का खतरा है। अगर मौजूदा हालात बने रहे तो 20 साल या उससे भी कम समय में यूरोप की पहचान बदल जाएगी।' यह चेतावनी सवाल उठाती है कि क्या इमिग्रेशन से किसी देश की पहचान खत्म हो सकती है।

कहां गए मूल अमेरिकी | अगर कोई ऐसा उदाहरण तलाशना हो, जहां विदेशी बसावट ने स्थानीय सभ्यता को मिटा दिया, तो हमें 500 साल पीछे जाना होगा। यूरोप से आए श्वेत लोगों ने मूल अमेरिकी जनजातियों को उनकी जमीनों से बेदखल कर दिया और जबरदस्त कत्लेआम मचाया। यूरोपीय लोग अपने साथ जो बीमारी लेकर गए, उसने और ज्यादा जानें लीं। सिर्फ एक सदी में मूल अमेरिकी आबादी करीब 90% कम हो गई। आज उनकी संख्या 1% से भी कम है। उस समय अमेरिका पहुंचे श्वेत उपनिवेशवादी थे, जबकि आज के प्रवासी उपनिवेशवादी नहीं हैं।

सभ्यता बढ़ती है | अगर किसी सभ्यता की पहचान भाषा, व्यवहार, संस्कृति से होती है, तो प्रवासी उसे खत्म नहीं करते, बल्कि और मजबूत बनाते हैं। वे मेजबान देश की बातें सीखकर उसे अपने मूल देश तक पहुंचाते हैं। कई रिसर्च से पता चला है कि विदेश में रहने वाले लोग अपने मूल देश में भी लोकतंत्र, बेहतर शासन और महिला अधिकारों को लेकर जागरूकता बढ़ाते हैं। अगर कोई सभ्यता त्वचा के रंग और धर्म से पहचानी जाती है, तो ट्रंप की आशंका पूरी तरह निराधार नहीं है। मौजूदा ट्रेंड बताते हैं कि भविष्य में ऐसे लोग यूरोप जाएंगे, जो ईसाई नहीं, हिंदू, मुस्लिम, बौद्ध, यहूदी वगैरह होंगे। साथ ही उनकी त्वचा का रंग भी काला होगा।

गलत आकलन | NSS का 20 साल वाला आकलन अतिशयोक्ति है। मौजूदा इमिग्रेशन दर से साफ है कि यूरोप में बाहर से कोई एक समुदाय कम से कम अगली एक सदी तक तो बहुसंख्यक नहीं बनने वाला। लेकिन, NSS का फोकस यूरोप पर ही क्यों है? यहां के केवल 10% लोग बाहर जन्मे हैं। अगर इमिग्रेशन से सभ्यता को वाकई खतरा है, तो यह खतरा यूरोप नहीं, अमेरिका पर मंडरा रहा। दुनिया में कुल प्रवासियों का पांचवां हिस्सा सिर्फ अमेरिका में है।

ट्रंप से असहमत | ट्रंप की परिभाषा के मुताबिक देखें तो यूरोप के मुकाबले कनाडा और ऑस्ट्रेलिया पर भी कहीं अधिक खतरा है। लेकिन, इन देशों के नागरिक और राजनेता इससे सहमत नहीं। उनका मानना है कि इमिग्रेशन से उनकी सभ्यता का विस्तार हो रहा है। यह भी सच है कि इमिग्रेशन नहीं होता, तो इन देशों की आबादी घटने लगती।

(लेखिका कोलंबिया यूनिवर्सिटी में सोशल पॉलिसी की प्रोफेसर हैं)

इंसान को मशीनों से श्रेष्ठ बनाती है मन की आवाज़

कमलेश डी पटेल

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस आज हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। यह संगीत रच सकता है, चित्र बना सकता है, कहानियां लिख सकता है, बीमारियों की पहचान में डॉक्टरों की मदद कर सकता है और ऐसे अनेक काम कर सकता है, जिनके लिए कभी मनुष्य को वर्षों की साधना और प्रशिक्षण की आवश्यकता होती थी। मशीनों की यह तेजी हमें चकित करती है, लेकिन इसके साथ एक गहरा सवाल भी खड़ा होता है। इस बदलते दौर में ऐसा क्या है, जो अब भी केवल मनुष्य के पास है?

इस प्रश्न का उत्तर शोर-शराबे या तेज गति में नहीं, बल्कि मौन और ठहराव में मिलता है। AI आंकड़ों का विश्लेषण करता है, पैटर्न पहचानता है और पहले से उपलब्ध सूचनाओं को नए रूप में प्रस्तुत करता है। वह तर्क और गणना में दक्ष है, पर उस अचानक मिलने वाली स्पष्टता को नहीं समझ सकता, जो किसी शांत क्षण में मनुष्य के भीतर जागती है। वह उस आंतरिक आवाज को नहीं सुन सकता, जो तब हमारा मार्गदर्शन करती है, जब तर्क और आंकड़े भी असमर्थ हो जाते हैं।

इस अंतर्ज्ञान को जाग्रत करने का सरल और प्रभावी मार्ग है ध्यान। शोध बताते हैं कि ध्यान से रचनात्मकता और सहज समझ बढ़ती है। मस्तिष्क के अध्ययन से पता चला है कि ध्यान करने से 'डिफॉल्ट मोड नेटवर्क' अधिक सक्रिय होता है। यह मस्तिष्क का वह हिस्सा है, जो कल्पना, आत्मचिंतन, स्मृतियों और गहन विचारों से जुड़ा है। सरल शब्दों में कहें तो यही वह मानसिक क्षमता है, जो मनुष्य को मशीन से अलग बनाती है।

जल से भरे तालाब के पानी में जब हलचल होती है, तो उसकी गहराई दिखाई नहीं देती। लेकिन जब पानी शांत होता है, तो तल साफ नजर आने लगता है। हमारे मन के साथ भी यही होता है। AI के इस युग में ध्यान हमें हमारी जड़ों से जोड़ता है। यह हमें याद दिलाता है कि तेज सोच से ज्यादा जरूरी है गहरी समझ। यही मानवीय चेतना, करुणा और अंतर्ज्ञान हमें विशिष्ट बनाते हैं और हमारे जीवन को अर्थ प्रदान करते हैं।

पंजाब की जीत ने AAP को दी राहत

भूपेंद्र शर्मा

हाल में पंजाब में हुए जिला परिषद और ब्लॉक समितियों के चुनाव नतीजों ने आम आदमी पार्टी (AAP) का आत्मविश्वास बढ़ाया है। यह जीत इसलिए अहम है क्योंकि यहां विधानसभा चुनाव में एक साल से कुछ अधिक समय ही बचा है। इस चुनाव में जीत दिल्ली की हार के बाद AAP कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने में काफी मददगार होगी। लेकिन पंजाब में अभी क्या हालात हैं? और, वे भविष्य की राजनीति को लेकर क्या इशारा कर रहे हैं?

गांवों में मजबूत

पंजाब में प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस है, लेकिन वह गुटबाजी से परेशान है। शिरोमणि अकाली दल को जिला परिषद और ब्लॉक समितियों के चुनाव में खास सफलता नहीं मिली और BJP राज्य में अकेले कभी बड़ी ताकत नहीं रही। इसलिए अभी AAP बढ़त लिए हुए दिख रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में पार्टी की पकड़ मजबूत है, जिसकी गवाही ग्रामीण निकाय चुनाव दे रहे हैं।

विशुद्ध राजनीति कसौटी

इन चुनावों में कांग्रेस बेशक दूसरे नंबर पर रही, लेकिन उसने जो जमीन गंवाई थी, उसे हासिल नहीं कर पाई है। BJP का इन चुनावों में प्रदर्शन खराब रहा है। AAP ने 2022 में कांग्रेस समेत अकाली दल व BJP की राजनीति को ध्वस्त किया था। केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी को पता है कि वह राज्य में अकेले दम पर चुनाव नहीं जीत सकती, इसलिए यह सवाल पूछा जा रहा है कि क्या आगामी विधानसभा चुनाव से पहले BJP-SAD का अलायंस होगा?

जहां तक कांग्रेस की बात है तो उसने लोकसभा चुनाव में जरूर अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन विधानसभा चुनाव में स्थितियां अलग होती हैं। अकाली दल को देखें तो उसे गांवों की पार्टी माना जाता है, लेकिन ग्रामीण चुनावों में उसकी हालत खराब रही तो उससे विधानसभा चुनावों में करिश्मे की उम्मीद करना ठीक नहीं होगा। वैसे, कहते हैं कि राजनीति में कुछ भी स्थायी नहीं होता। फिर बिहार चुनाव में सहयोगी दलों के साथ जिस तरह से BJP को बड़ी जीत मिली, उसे देखते हुए पंजाब में अकाली दल के साथ उसके हाथ मिलाने की अटकलें भी लग रही हैं। क्या BJP ऐसा करेगी? असल में, पंजाब में 2007 से 2017 तक गठबंधन की सरकार चलाने वाले अकाली दल और BJP के रास्ते 2020 में अलग हुए थे, जिसके बाद से राज्य में सभी चुनावों में उसे हार ही मिली है।

सम्मान राशि कब

कांग्रेस समेत दूसरे विपक्षी दल पंजाब में AAP सरकार को महिलाओं की सम्मान राशि पर घेरने की कोशिश कर रहे हैं। AAP ने पिछले विधानसभा चुनाव से पहले यह वादा किया था, लेकिन वह अभी तक इसे पूरा नहीं कर पाई है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि इस मुद्दे की गंभीरता से AAP सरकार अनजान नहीं है। बिहार में महिलाओं को चुनाव से पहले स्वरोजगार के लिए 10,000 रुपये देने का किस तरह से असर हुआ, यह सबने देखा। कांग्रेस ने तो इसे ही राज्य में NDA की जीत का कारण बताया। इसलिए माना जा रहा है कि आने वाले बजट सत्र में AAP सरकार हर महिला को प्रति माह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा करेगी। बहरहाल, पंजाब की राजनीति आज दिलचस्प मोड़ पर है और 2027 की शुरुआत में होने जा रहे विधानसभा चुनावों को लेकर यहां सरगर्मियां तेज हो रही हैं।

रीडर्स मेल

शक्ति का दुरुपयोग

22 दिसंबर का संपादकीय 'मोरल पुलिसिंग' पढ़ा। अपराध चाहे जितना भी गंभीर हो, उससे निपटते हुए पुलिस विभाग कानून की धज्जियां नहीं उड़ा सकता। नाबालिग बच्चों ने अगर किसी लड़की के साथ छेड़खानी की, तो निश्चित रूप से यह गंभीर मामला है। उनके खिलाफ कार्रवाई करना और इलाके में भयमुक्त माहौल बनाना पुलिस का दायित्व है। लेकिन उसे यह काम कानून के दायरे में रहते हुए करना है। बच्चों को मां बाप कैसे पालते हैं और उसे 'सही' संस्कार देते हैं या नहीं यह देखना पुलिस का काम नहीं है।

श्रेया रावत, ईमेल से

nbtedit@timesofindia.com पर अपनी राय नाम-पते के साथ मेल करें।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 23-12-2025 Zone: Gurgaon Edition: 1 Page: NBTGRP7 User: cci Time: 12-22-2025 21:59 Color:

फटाफट खबरें

शरद के खिलाफ याचिका खारिज

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: बॉम्बे हाई कोर्ट ने लवासा हिल स्टेशन प्रोजेक्ट के लिए कथित तौर पर अवैध अनुमति दिए जाने के मामले में एनसीपी (SP) प्रमुख शरद पवार और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ सीबीआई जांच की मांग से जुड़ी याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत के इस फैसले से पवार की बेटी और सांसद सुप्रिया सुले, उनके भतीजे और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार को राहत मिली है।

पंजाब: पूर्व IG ने खुद को गोली मारी

■ भाषा, पटियाला: पूर्व IPS अधिकारी और 2015 में बहबल कलां और कोटकपूरा में हुई गोलीबारी के आरोपियों में से एक अमर सिंह चहल ने सोमवार को यहां कथित तौर पर खुद को गोली मार ली। पुलिस के मुताबिक, उनकी हालत गंभीर है। यह स्पष्ट नहीं है कि चहल ने किन परिस्थितियों में खुद को गोली मारी।

स्कूल से बच्चे को उठा ले गए भालू

■ NBT रिपोर्ट, चमोली: उत्तराखंड में भालुओं का आतंक जारी है। चमोली के पोखरी स्थित जूनियर हाई स्कूल हरिशंकर में सोमवार को 2 भालू घुस गए। भालुओं को देख बच्चों ने क्लास के गेट बंद कर दिए। इसके बावजूद भालू स्कूल में से कक्षा छह के छात्र आरव को उठा ले गए। शोरगुल से घबराकर भालू छात्र को झाड़ी में छोड़कर जंगल की ओर भाग गए।

केरल में युवक की भीड़ ने की हत्या

■ भाषा, तिरुवनंतपुरम: छत्तीसगढ़ के एक युवक की भीड़ द्वारा पीटकर हत्या मामले में केरल सरकार ने सोमवार को कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया और परिवार को न्याय दिलाने का वादा किया। वहीं, सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (CPI) ने इस हमले को लेकर आरएसएस पर निशाना साधा। आरोप है कि हमलावरों ने पीड़ित को बांग्लादेशी कहा था।

डिफेंस अकाउंट सर्विस फोर्स में अहम

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन

ने इंडियन डिफेंस अकाउंट सर्विस के 2023 और 2024 बैच के ट्रेनी ऑफिसर्स को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को पाने में सिविल सेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। डिफेंस अकाउंट्स सर्विस के महत्व का जिक्र भी किया।

गोवा निकाय में बीजेपी आगे, अरुणाचल में खिला कमल

महाराष्ट्र के बाद दो और राज्यों में स्थानीय निकाय चुनाव में BJP का जलवा

■ NBT रिपोर्ट, गोवा

File

गोवा में ग्रामीण जिला पंचायत (जिला परिषद) चुनावों की मतगणना सोमवार को राज्य के 14 केंद्रों पर जारी रही। उत्तर गोवा में छह और दक्षिण गोवा में आठ केंद्रों पर हुई गणना में अब तक के रुझानों में भारतीय जनता पार्टी (BJP) बढ़त बनाए हुए है। देर रात तक जारी नतीजों के अनुसार, बीजेपी ने 9 सीटों पर जीत दर्ज की है, जबकि कांग्रेस को 3 सीटों पर सफलता मिली है। रिवोल्यूशनरी गोअन्स पार्टी (RGP) और महाराष्ट्रवादी गोमंतक पार्टी (MGP) को एक-एक सीट मिली है। एक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार ने जीत हासिल की है। TOI के मुताबिक, खास तौर पर अरांबोल सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार राधिका पालेकर ने BJP-MGP गठबंधन के प्रत्याशी को हराकर सबका ध्यान खींचा। वहीं, अरुणाचल प्रदेश में बीजेपी ने एकतरफा जीत हासिल की। चुनाव आयोग के अनुसार, जिला परिषद सेगमेंट में बीजेपी ने 245 में से 170 सीटें जीती हैं।

> गोवा में 14 केंद्रों पर सोमवार से शुरू हुई मतगणना देर रात तक चली

गोवा में बीजेपी ने रीस मागोस, धारबांदोरा, बारसेम, संकोर्डेम, लाटांबरसेम, कैलंगुट, सिओलिम और केलेडेम सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं कांग्रेस ने नुवेम, करटोरिम, दावरलिम और गुइरडोलिम जैसी सीटों पर अच्छा प्रदर्शन किया। गुइरडोलिम में कांग्रेस ने बीजेपी को झटका देते हुए बागी प्रत्याशी संजय वेलिप को मैदान में उतारा था, जो चुनाव से पहले कांग्रेस में शामिल हुए थे। रिवोना सीट पर बीजेपी ने मात्र 14 मतों से जीत हासिल की, जिस पर गोवा फॉरवर्ड पार्टी ने पुनर्मतगणना की मांग की है। कई सीटों पर मुकाबला बहुकोणीय रहा, जहां गोवा फॉरवर्ड पार्टी प्रमुख विजय सरदेसाई और राज्य से इनासिना लुइस पिंटो जैसे नेताओं ने भी चुनाव लड़ा।

विधानसभा चुनाव से पहले यह रिजल्ट अहम: राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि रेकॉर्ड मतदान यह दर्शाता है कि ग्रामीण मतदाता स्थानीय मुद्दों को लेकर काफी सक्रिय हैं। हालांकि जिला पंचायत चुनाव सीधे तौर पर सत्ता संतुलन नहीं बदलते, लेकिन ये नतीजे आगामी विधानसभा चुनावों से पहले ग्रामीण मतदाताओं की मनोदशा और राजनीतिक दलों की लोकप्रियता का संकेत देते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार इन परिणामों का असर सरकार की नीतियों और हाल के विवादास्पद मुद्दों पर उनके रुख में भी देखने को मिल सकता है। पूर्ण नतीजों की घोषणा दिन के अंत तक होने की उम्मीद है।

4 बड़ी बातें जो जाननी जरूरी है

1. गोवा: अरांबोल में निर्दलीय उम्मीदवार का बड़ा उलटफेर।
2. रिवोना सीट पर बीजेपी 14 वोट से जीती, दोबारा मतदान की मांग।
3. कई सीटों पर दिग्गज नेताओं ने चुनाव को रोचक बनाया।
4. अरुणाचल में बीजेपी ने 245 में से 170 सीटें जीतीं, 59 निर्विरोध।

निगम में भी 20 में से 14 वॉर्ड BJP जीती

महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों की तरह ही बीजेपी ने अरुणाचल प्रदेश में जबरदस्त जीत हासिल की है। बीजेपी ने लोकल बॉडी चुनावों में जीत दर्ज करके जहां जिला लेवल पर अपना दबदबा मजबूत कर लिया है तो वहीं इन चुनावों में कांग्रेस इम्प्रेस नहीं कर पाई। चुनाव आयोग के अनुसार, जिला परिषद सेगमेंट में बीजेपी ने 245 में से 170 सीटें जीती हैं। इसमें 59 बिना किसी मुकाबले के सीटें शामिल हैं। बीजेपी ने ईटानगर म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनावों में 20 में से 14 वॉर्ड भी जीते हैं। अरुणाचल प्रदेश के सीएम पेमा खांडू ने कहा है कि अरुणाचल प्रदेश के लोगों का विकास की राजनीति को चुना है। लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लीडरशिप और उनके सबको साथ लेकर चलने वाले सोच को स्वीकार किया है। मैं पूरे दिल से भरोसे और विश्वास के लिए मैं उनका शुक्रिया अदा करता हूं। खांडू ने कहा है कि आपका भारी जनादेश और सपोर्ट हमें विकसित अरुणाचल बनाने के लिए नई एनर्जी और जोश से भर देता है। (PTI)

उत्तराखंड में वन पर कब्ज़ा... SC बोला, सरकार मूकदर्शक

■ भाषा, नई दिल्ली

File

सुप्रीम कोर्ट ने वन भूमि पर अतिक्रमण के मामले में सोमवार को उत्तराखंड सरकार की कड़ी आलोचना की। कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार और उसके अधिकारी 'मूकदर्शक' की तरह बैठे रहे और अदालत ने खुद मामले में संज्ञान लेते हुए केस दर्ज किया।

सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की अवकाशकालीन पीठ ने उत्तराखंड के मुख्य सचिव को एक जांच समिति गठित करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा, 'हमारे लिए सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि उत्तराखंड सरकार और अधिकारी अपनी आंखों के सामने वन भूमि पर हो रहे अतिक्रमण को मूकदर्शक की तरह देख रहे हैं। इसलिए हम इस मामले पर स्वतः संज्ञान ले रहे हैं।' कोर्ट ने कहा, 'उत्तराखंड के मुख्य सचिव और प्रधान संरक्षण सचिव को एक तथ्य अन्वेषण समिति गठित करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया जाता है। निजी पक्षों को किसी भी प्रकार का तीसरा पक्ष बनाने से रोका जाता है और कोई भी निर्माण कार्य नहीं किया जाएगा।'

> सुप्रीम कोर्ट ने खुद मामले का लिया संज्ञान, कहा- सब मूकदर्शक बने हुए हैं

कोर्ट ने कहा कि आवासीय मकानों को छोड़कर खाली पड़ी जमीनों पर वन विभाग का कब्जा होगा। न्यायालय ने इस मामले पर अगली सुनवाई छुट्टियों के बाद तय की। उच्चतम न्यायालय उत्तराखंड में वन भूमि के एक बड़े हिस्से पर अवैध कब्जे से संबंधित अनीता कांडवाल द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था।

गोडावण पक्षी को बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने दिए सख्त निर्देश

■ NBT रिपोर्ट: सुप्रीम कोर्ट ने ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के संरक्षण के मकसद से कई अहम निर्देश जारी किए हैं। इसे गोडावण के नाम से भी जाना जाता है। शीर्ष अदालत ने राजस्थान में भविष्य की अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं पर कुछ प्रतिबंधों को भी मंजूरी दी है।

ये निर्देश जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस अतुल एस. चंदुरकर की दो जजों की पीठ ने ग्रेट इंडियन बस्टर्ड और लेसर फ्लोरिकन के संरक्षण से संबंधित रिट याचिकाओं का निपटारा करते हुए जारी किए। ये दोनों ही विलुप्त होने की कगार पर हैं। कोर्ट ने राजस्थान के राज्य पक्षी गोडावण (Great Indian Bustard) को बचाने के लिए राजस्थान और गुजरात के 14,753 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में बड़े सोलर पार्कों, पवन ऊर्जा परियोजनाओं और हाईटेंशन ओवरहेड बिजली लाइनों पर रोक लगाई है, ताकि गोडावण का प्राकृतिक आवास सुरक्षित रखा जा सके।

राजस्थान से लेकर गुजरात तक यह आदेश लागू

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, अदालत ने भूमिगत बिजली लाइनों और अन्य शमन उपायों की व्यवहार्यता की जांच के लिए पहले नियुक्त विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है। निर्देशों के अनुसार, राजस्थान में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के लिए संशोधित प्राथमिकता संरक्षण क्षेत्र 14,013 वर्ग किलोमीटर होगा, जबकि गुजरात में यह 740 वर्ग किलोमीटर होगा। अदालत ने निर्देश दिया कि इन प्राथमिकता क्षेत्रों में पक्षी के इन-सीटू और एक्स-सीटू संरक्षण के लिए समिति द्वारा अनुशंसित सभी उपायों को तत्काल लागू किया जाना चाहिए।

यूपी पर्यटन विभाग के होटल में क्रिसमस कार्यक्रम विरोध पर रद्द

हरिद्वार में होटल भागीरथी में प्रस्तावित था कार्यक्रम

■ NBT रिपोर्ट, हरिद्वार

File

हरिद्वार में गंगा किनारे उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन विभाग के होटल भागीरथी में होने वाला क्रिसमस कार्यक्रम विरोध के बाद रद्द कर दिया गया। गंगा सभा हरिद्वार के सचिव और तीर्थ पुरोहित उज्ज्वल पंडित के हिंदू विरोधी आयोजन बताने के बाद विवाद शुरू हुआ था। 24 दिसंबर को क्रिसमस कार्यक्रम का आयोजन किया जाना था।

इस कार्यक्रम का इनविटेशन कार्ड सोशल मीडिया पर वायरल होते ही गंगा सभा हरिद्वार से जुड़े तीर्थ पुरोहित इसके विरोध में उतर आए। उज्ज्वल पंडित ने गंगा किनारे ऐसे कार्यक्रम के आयोजन पर कड़ी आपत्ति जताई। सोशल मीडिया पर विरोध की खबरें आने के बाद आयोजकों ने कार्यक्रम को रद्द कर दिया। होटल भागीरथी के मैनेजर कपिल धर्मपाल ने बताया धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए प्रबंधन ने कार्यक्रम को रद्द कर दिया है।

केरल के पलक्कड़ में कैरल ग्रुप पर हमला

■ पीटीआई, पलक्कड़: पुलिस ने सोमवार को बताया कि पुदुस्सेरी में एक क्रिसमस कैरल ग्रुप पर कथित तौर पर हमला करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। यह घटना तब हुई जब बच्चों का कैरल ग्रुप रविवार रात को श्रद्धालुओं के घरों में जा रहा था। आरोपी की पहचान अश्विन राज के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि यह घटना उस इलाके में हुई जहां RSS का अच्छा-खासा प्रभाव माना जाता है। शिकायत के अनुसार, आरोपी ने कैरल ग्रुप का सामना किया और उनके बैंड सेट और दूसरी चीजों को तोड़ दिया।

केरल के स्कूलों में रोके गए कार्यक्रम, सियासी हंगामा

■ NBT रिपोर्ट: केरल में कुछ निजी स्कूलों की ओर से क्रिसमस समारोह रोके जाने की खबरों के बाद राज्य में सियासी विवाद खड़ा हो गया है। केरल के शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि सरकार स्कूलों को सांप्रदायिक प्रयोगशाला नहीं बनने देगी। TOI के मुताबिक, यह मामला सीपीएम के मुखपत्र देशाभिमानी में छपी रिपोर्ट के बाद सामने आया, जिसमें दावा किया गया कि कुछ संघ परिवार की ओर से संचालित और एक हिंदू प्रबंधन वाले स्कूल ने क्रिसमस कार्यक्रम रद्द कर दिया है। शिवनकुट्टी ने कहा कि केरल में परंपरागत रूप से ओणम, क्रिसमस और ईद सभी त्योहार समान उत्साह से मनाए जाते रहे हैं। वहीं, आरएसएस से जुड़े एक पदाधिकारी ने कहा कि किसी भी संस्थान की ओर से बच्चों को त्योहार मनाने से रोकना अविश्वसनीय है। हिंदू प्रबंधन वाले स्कूल ने भी स्पष्ट किया कि क्रिसमस पर कोई प्रतिबंध नहीं है।

अरावली के लिए प्रोटेस्ट, मंत्री ने कहा- भ्रम न फैलाएं

■ भाषा, जयपुर

कांग्रेस की राजस्थान इकाई के कार्यकर्ताओं और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने अरावली पर्वतमाला की सुरक्षा की मांग को लेकर सोमवार को अलग-अलग हिस्सों में प्रदर्शन किया। उदयपुर में जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प के बाद कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया गया। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि केंद्र सरकार अरावली की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उलटे कांग्रेस ने राजस्थान में अवैध खनन को बढ़ावा दिया था। सुप्रीम कोर्ट से मंजूर नई परिभाषा अवैध खनन रोकने के लिए है। कांग्रेस भ्रम न फैलाए।

कांग्रेस कार्यकर्ता और विभिन्न संगठनों के सदस्य कलेक्ट्रेट के बाहर जमा हुए, नारे लगाए और अरावली पर्वतमाला को बचाने के लिए कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प के बाद विरोध प्रदर्शन तेज हो गया। करणी सेना और स्थानीय सामुदायिक समूहों ने अरावली की पहाड़ियों और पर्वतमाला की परिभाषा पर उच्चतम न्यायालय के आदेश को पलटने की मांग की। समूहों ने चेतावनी दी कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो विरोध प्रदर्शन और तेज किया जाएगा। सीकर के हर्ष पर्वत पर भी शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन हुए, जहां पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने अरावली के संरक्षण की मांग की।

> अरावली पर्वतमाला में किसी भी तरह की छेड़खानी नहीं होने दी जाएगी। हमारी सरकार संरक्षण के लिए संकल्पित है। *-भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान*

क्या है 100 मीटर ऊंचाई का फॉर्म्युला?

सुप्रीम कोर्ट ने नवंबर 2025 में अरावली पहाड़ियों की एक समान परिभाषा को मंजूरी दे दी है। इसके अनुसार, आसपास की जमीन से 100 मीटर या उससे ज्यादा ऊंची कोई भी भू-आकृति ही अरावली पहाड़ी मानी जाएगी। ऐसी दो या ज्यादा पहाड़ियां अगर एक-दूसरे से 500 मीटर के दायरे में हैं, तो वे अरावली रेंज कहलाएंगी। यह फॉर्म्युला राजस्थान में 2003 से लागू है, जो अमेरिकी विशेषज्ञ रिचर्ड मर्फी के सिद्धांत पर आधारित है।

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री को राहत

■ पीटीआई, नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने धोखाधड़ी और जालसाजी के एक मामले में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री माणिकराव कोकाटे की दोषसिद्धि पर सोमवार को रोक लगा दी। कोर्ट ने कहा कि विधायक के रूप में उन्हें अयोग्य करार नहीं दिया जाएगा। मामला 1989-1992 में 30,000 रुपये की वार्षिक आय सीमा वाले आर्थिक रूप से EWS के लोगों के लिए एक आवासीय योजना से जुड़ा है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की बेंच ने कोकाटे की याचिका पर महाराष्ट्र सरकार को नोटिस जारी किया।

'बाबरी' की नींव रखने वाले हुमायूं कबीर ने बनाई पार्टी

■ पीटीआई, बेलडांगा (बंगाल पश्चिम): मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद जैसी मस्जिद की आधारशिला रखने पर तृणमूल कांग्रेस (TMC) निलंबित किए जाने के कुछ दिनों बाद, पश्चिम बंगाल के विधायक हुमायूं कबीर ने सोमवार को जनता उन्नयन पार्टी नामक से पार्टी का गठन किया। कबीर ने बेलडांगा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए 8 उम्मीदवारों के नाम बताए जिन्हें उनकी नई पार्टी राज्य में 2026 के विधानसभा चुनावों में उतारेगी। भरतपुर के विधायक कबीर ने कहा कि वह मुर्शिदाबाद की दो सीट, रेजिनगर और बेलडांगा से विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। कबीर ने कहा कि उनका लक्ष्य विधानसभा चुनावों में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सत्ता से बेदखल करना है। राज्य में विधानसभा चुनाव होने में छह महीने से भी कम समय बचा है।

पश्चिम बंगाल के MLA हुमायूं (बाएं)

सोनिया, राहुल से HC ने मांगा जवाब

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य से ईडी की उस याचिका पर जवाब देने को कहा, जिसमें नैशनल हेरल्ड मामले में चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार करने वाले निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी गई है। जस्टिस रविंदर डुडेजा ने गांधी परिवार और अन्य लोगों को मुख्य याचिका के साथ ईडी के उस आवेदन पर भी नोटिस जारी किया, जिसमें 16 दिसंबर के आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया है।

बांग्लादेश होगा बीजेपी के लिए असम चुनाव का बड़ा मुद्दा

Poonam.Pandey
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: असम विधानसभा चुनाव में बीजेपी बांग्लादेश और बांग्लादेशी घुसपैठियों को बड़ा मुद्दा बनाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम दौरे के दौरान इसके साफ संकेत दिए ही साथ ही असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वसरमा लगातार घुसपैठियों के मुद्दे की बात कर रहे हैं। असम बीजेपी 26 और 27 दिसंबर को अहम मीटिंग भी करेगी जिसमें चुनाव को लेकर मुद्दों और रणनीति पर बात होगी। असम में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं।

इस हफ्ते होने वाली मीटिंग में पार्टी के राष्ट्रीय स्तर के सीनियर नेता भी हिस्सा लेंगे। असम बीजेपी पहले ही राज्य में आउटरीच प्रोग्राम चला रही है। इसमें राज्य सरकार के कामों के साथ ही केंद्र सरकार के कामों के बारे में भी लोगों के बताया जा रहा है। असम बीजेपी नेता के मुताबिक अगले हफ्ते गृह मंत्री अमित शाह भी असम आ सकते हैं। पहले पीएम और फिर गृह मंत्री के विजिट के जरिए असम के लोगों को ये संदेश दिया जा रहा है केंद्र सरकार के लिए असम अहम है और लगातार केंद्र सरकार असम के विकास के लिए काम कर रही है।

> 26-27 को असम बीजेपी की होनी है मीटिंग, चुनावी रणनीति पर होगी बात

असम बीजेपी के एक नेता ने कहा कि हमारी रणनीति है कि हम विकास के साथ ही असम की अस्मिता पर भी बात करेंगे। उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठिए एक बड़ा मुद्दा है और ये लोगों की भावनाओं से भी जुड़ा है। क्या घुसपैठिए बीजेपी के लिए अहम मुद्दा होगा, ये पूछने पर उन्होंने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है। असम के मुख्यमंत्री लगातार बांग्लादेश और घुसपैठियों की बात कर रहे हैं। सोमवार को हिमंत बिस्वसरमा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि 'असम सतर्क है। असम में बांग्लादेशी घुसपैठिए बस रहे हैं और बांग्लादेश में हिंदुओं की दिनदहाड़े हत्या हो रही है। घुसपैठियों को बाहर निकालने का अभियान जारी रहेगा!'। उन्होंने कहा कि हमने देखा कि किस तरह बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है और उन्हें जिंदा जलाया जा रहा है। वहां जो लोग पावर में हैं वे अपनी मंशा जाहिर कर रहे हैं कि वे नॉर्थ ईस्ट रीजन को अपने कंट्रोल में लाना चाहते हैं। हम लगातार नजर बनाए हुए हैं। असम में भी ऐसे लोगों की बड़ी संख्या है जो अलग अलग वक्त में बांग्लादेश से यहां आए हैं, इसलिए हमें पूरे मसले पर पैनी निगाह रखनी है और सतर्क रहना है।

'जी राम जी' पर 16 जनवरी को प्रदर्शन

■ पीटीआई, नई दिल्ली

संयुक्त किसान मोर्चा ने मनरेगा की जगह लाए गए नए कानून VB-G राम G ऐक्ट के खिलाफ 16 जनवरी 2026 को अखिल भारतीय प्रतिरोध दिवस मनाने की घोषणा की है। सोमवार को किसान नेताओं ने इस कानून को निरस्त करने की मांग की। किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि एनडीए सरकार ने संसद में जबरन यह कानून पारित कर ग्रामीण रोजगार सुरक्षा को कमजोर किया है। एसकेएम ने नए श्रम संहिताओं, बीज विधेयक 2025, बिजली विधेयक 2025 को वापस लेने की भी मांग की और स्वामीनाथन आयोग के फॉर्मूले के अनुसार न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी की मांग दोहराई।

अकाली दल ने विधेयक वापस लेने की मांग की

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: शिरोमणि अकाली दल (SAD) ने 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक' को वापस लेने की मांग की है। पार्टी प्रमुख **सुखबीर सिंह** बादल ने कहा कि नया कानून गरीबों के हित में नहीं है और इससे राज्यों पर भी ज्यादा वित्तीय बोझ पड़ेगा। उन्होंने मनरेगा योजना को बहाल करने की मांग की है। मनरेगा के बदले यह नया कानून लाया गया है। बादल ने कहा कि केंद्र सरकार को अपना फैसला वापस लेना चाहिए क्योंकि इसका गरीबों के जीवन पर सीधा असर पड़ेगा।

सोनिया ने कहा, यह सबकी सामूहिक विफलता: कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने सोमवार को मोदी सरकार पर मनरेगा को 'डेथ बाई थाउजेंड कट्स स्टैटजी' यानी हजार छोटे-छोटे घाव देकर खत्म करने की रणनीति से खत्म करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के सर्वोदय के दृष्टिकोण को साकार करने वाली योजना का अंत होना 'हम सबकी नैतिक विफलता' है। सोनिया ने 'द हिंदू' के लिए लिखे एक लेख में ये बातें कही हैं।

आयुर्विज्ञान में राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड
(स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त निकाय)
एनएएमएस भवन, मेडिकल एंकलेव, अंसारी नगर,
नई दिल्ली – 110029
ग्रेजुएट फार्मेसी एप्टीट्यूड टेस्ट (जीपीएटी) - 2026
सूचना
आयुर्विज्ञान में राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा ग्रेजुएट फार्मेसी एप्टीट्यूड टेस्ट (जीपीएटी) - 2026 परीक्षा का आयोजन 07 मार्च 2026 को किया जाएगा।
ऑनलाइन आवेदन 23 दिसंबर 2025 से 12 जनवरी 2026 तक एनबीईएमएस वेबसाइट: https://natboard.edu.in/viewnbeexam?exam=gpat पर आमंत्रित किए जा रहे हैं।
उम्मीदवार सहायता केंद्र : +91-7996165333
• आवेदक लॉगिन पेज पर हेल्पलाइन पोर्टल
• एनबीईएमएस वेबसाइट पर संचार वेब पोर्टल

विज्ञापन सं. 114 / 2025
भारत सरकार
लोक उद्यम चयन बोर्ड
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल)
में
निदेशक (विपणन)
पद के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।
आवेदकों के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि
09 जनवरी, 2026 (15.00 बजे तक) है
नोडल अधिकारियों द्वारा आवेदनों को लोक उद्यम चयन बोर्ड में अग्रेषित करने की अंतिम तिथि
19 जनवरी, 2026 (17.00 बजे तक) है।
जानकारी के लिए वेबसाइट
https://pesb.gov.in
में लॉग इन करें।

BLAZERS
SUITS & JACKETS
SALE
upto 60% off
Merry X-mas
Formal & Wedding collection
Formal • Casual • Party Collection
Men & Women wear
By Economy Sales: 9212758425
ARROW | Raymond | ColorPlus | LOUIS PHILIPPE | PARK AVENUE
• PUNCHKUIAN ROAD, Garwal Bhawan, (Near Jhandewalan, Gole Chkr.)
• GURUGRAM 306, City Center, Sector 29 (Near Hotel Pllazio)
• WAZIRPUR A-5, Near Richi Rich Banquet (Opp. Shalimar Bagh)
• NOIDA, Nirula's Sec-2, Near Metro Station, Sec-15, Noida, UP
• LAJPAT NAGAR, 49, Main Ring Road, Adj. Haldi Ram, Near Moolchand Crossing

NBT खेल
नवभारत टाइम्स। नई दिल्ली/एनसीआर। मंगलवार, 23 दिसंबर 2025

मैं अपने खेल को इस तरह से ढालना पसंद करता हूं, जिससे मैं किसी भी स्थिति में अपनी प्रतिभा का उपयोग कर सकूं। इसलिए चाहे वह तीसरे नंबर पर बैटिंग हो या मध्यक्रम में खेलना हो, मैं सभी भूमिका निभाने के लिए तैयार हूं। - *कूपर कोनोली, ऑलराउंडर, ऑस्ट्रेलिया*

675

रन से हराया था इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 1928 में हुए ब्रिस्बेन टेस्ट में। यह टेस्ट में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत का रेकॉर्ड है। दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया की इंग्लैंड पर 1934 ओवल टेस्ट में 562 रन की जीत है

स्पोर्ट्स QUIZ

इस पेज पर छपी खबरों में ही इन सवालों का जवाब है।

1. न्यूजीलैंड-वेस्टइंडीज के बीच तीसरे टेस्ट में किसे 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया?
A) टॉम लैथम B) जैकब डफी C) डेवोन कॉन्वे D) माइकल रे
2. भारत और श्रीलंका के बीच कुल कितने विमिंस टी20I मैच खेले गए हैं?
A) 21 B) 28 C) 29 D) 27

कल के जवाब
1. A) गुरबीर सिंह 2. B) 12

लकी WINNER

1. प्रबजोत सिंह, लखनऊ, यूपी
2. ज्योति स्वरूप गौड़, द्वारका, दिल्ली
3. बृज मोहन, फरीदाबाद, हरियाणा

आप अपने जवाब हमें
9319282367
पर अपने नाम, तस्वीर और शहर/ गांव के नाम के साथ वॉट्सऐप करें। एक 'लकी विनर' का नाम और तस्वीर हम कल के अंक में छापेंगे। दो अन्य विजेताओं के नाम भी प्रकाशित होंगे।

फटाफट खबरें

जाधव ने जीता गोल्ड

■ **भोपाल:** नेवी के किरण अंकुश जाधव ने 68वीं नैशनल शूटिंग चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर राइफल पुरुष वर्ग का गोल्ड मेडल जीता। मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकैडमी में खेले गए फाइनल में जाधव ने 252.1 अंक जुटाए। ओलिंपियन अर्जुन बाबूता (251.4 अंक) ने सिल्वर, जबकि ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने (229.8 अंक) ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

पिंकाथॉन में वर्ल्ड रेकॉर्ड

■ **मुंबई:** पिंकाथॉन के 10वें सत्र में रेकॉर्ड 5,300 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया, जिनमें 115 दृष्टिबाधित प्रतिभागी शामिल रहीं। यह किसी दौड़ में दृष्टिबाधित महिलाओं की वर्ल्ड रेकॉर्ड भागीदारी है। तीन, पांच और 10 किमी दौड़ में सभी आयु वर्ग की महिलाओं ने हिस्सा लिया। तीन किमी में पियुषा लोहार, पांच किमी में यामिनी ठाकरे और 10 किमी में पद्मा कराडे विजेता रहीं।

पाइपर्स ने संभाला मोर्चा

■ **चेन्नै:** हीरो हॉकी इंडिया लीग सीजन-2 की तैयारियों के तहत दिल्ली एसजी पाइपर्स की मेंस टीम चेन्नै पहुंच गई है। तीन जनवरी 2026 से शुरू होने वाली लीग के लिए टीम ने अभ्यास तेज कर दिया है। अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं के संतुलित मिश्रण के साथ पाइपर्स का फोकस तालमेल, अनुशासन बेहतर करना होगा।

MI एमिरेट्स जीता

■ **दुबई:** शाकिब अल हसन (2/14, 17* रन) के ऑलराउंड प्रदर्शन से MI एमिरेट्स ने आईएलटी20 में डेजर्ट वाइपर्स को चार विकेट से हराया।

गिल के अलावा अभिषेक और अर्शदीप भी करेंगे पंजाब का प्रतिनिधित्व

'सिलेक्शन शॉक' लगने के बाद शुभमान के सामने नई चुनौती

विजय हजारे ट्रॉफी वनडे टूर्नामेंट

■ **एजेंसियां, चंडीगढ़:** भारतीय टेस्ट एवं वनडे टीम के कप्तान शुभमान गिल, दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और टीम इंडिया के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को 50 ओवर फॉर्मेट में खेले जाने वाले विजय हजारे ट्रॉफी के लिए पंजाब की टीम में शामिल किया गया। यह चयन भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के राष्ट्रीय वनडे चैंपियनशिप में अनिवार्य भागीदारी के निर्देश के अनुरूप है। गिल को टी20 वर्ल्ड कप के लिए बीते शनिवार को घोषित भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया है। अभिषेक और अर्शदीप नियमित रूप से भारत के लिए टी20 मैच खेलते हैं। अर्शदीप को अगर न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू होने वाली वनडे सीरीज की टीम में शामिल किया जाता है तो वह और गिल विजय हजारे ट्रॉफी में शुरुआती दो तीन मैचों के लिए ही उपलब्ध रहेंगे। अभिषेक कुछ अधिक मैचों में टीम का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। पंजाब को ग्रुप-सी में प्रबल दावेदार मुंबई के साथ रखा गया है। टीम शुरुआती दो मैचों में महाराष्ट्र (24 दिसंबर) और छत्तीसगढ़ (26 दिसंबर) का सामना करेगी। मुंबई और पंजाब का मैच 8 जनवरी को होगा और उस समय तक रोहित और शुभमान दोनों ही अपनी-अपनी टीम के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

सूर्य, शिवम खेलेंगे शुरुआती 2 मैच: भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और ऑलराउंडर शिवम दुबे मुंबई की टीम के लिए शुरुआती दो मैचों में उपलब्ध रहेंगे। इन खिलाड़ियों ने मुंबई क्रिकेट असोसिएशन (एमसीए) को 6 और 8 जनवरी को होने वाले मुकाबलों के लिए अपनी उपलब्धता के बारे में बताया है। मुंबई 24 दिसंबर को जयपुर में सिक्किम के खिलाफ अपना पहला लीग मैच खेलेगी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सूर्य और शिवम 6 जनवरी को हिमाचल प्रदेश के खिलाफ मुकाबला खेलेंगे। इसके बाद 8 जनवरी को भी दोनों खिलाड़ी पंजाब के विरुद्ध मुकाबले के लिए उपलब्ध रहेंगे।

ईशान होंगे झारखंड के कप्तान: टी20 वर्ल्ड कप-2026 की भारतीय टीम में एंट्री लेने वाले बाएं हाथ के विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन को इस टूर्नामेंट में झारखंड का कप्तान नियुक्त किया गया है। झारखंड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) ने सोमवार को इसकी पुष्टि की है। झारखंड की टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का मिश्रण है। ईशान किशन ने अपनी कप्तानी में झारखंड को अभी हाल ही में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब दिलाया है। ईशान उस पूरे टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने 10 पारियों में 57.44 की औसत से 517 रन बनाए। हरियाणा के खिलाफ फाइनल में ईशान ने 101 रनों की पारी खेलकर टीम को खिताब दिलाया।

FILE

शुभमान गिल (बाएं) के साथ अभिषेक शर्मा

5 बार कर्नाटक और तमिलनाडु ने विजय हजारे ट्रॉफी का खिताब जीता है। यह इस टूर्नामेंट को सबसे ज्यादा बार जीतने का सयुक्त रेकॉर्ड है

7 प्लेयर इस टूर्नामेंट में एक पारी में 200+ रन बना चुके हैं। इनमें संजू सैमसन, यशस्वी जायसवाल, एन जगदीशन, पृथ्वी साव, रुतुराज गायकवाड, कर्ण वीर कौशल और समर्थ व्यास शामिल हैं

चिन्नास्वामी में मैच की मंजूरी पर मंथन

बेंगलुरु: कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि चिन्नास्वामी स्टेडियम में क्रिकेट मैच कराने की इजाजत देने की जांच के लिए एक समिति बनाई गई है। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) ने अभी खाली स्टेडियम में विजय हजारे ट्रॉफी मैच कराने की इजाजत मांगी है। मंत्री ने स्टेडियम में क्रिकेट मैच कराने के संबंध में विधान सौधा में केएससीए के पदाधिकारियों, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। इस साल 4 जून को आरसीबी की आईपीएल में खिताबी जीत के जश्न के दौरान स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने से 11 लोगों की मौत हो गई थी।

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

बड़े सितारों के प्रदर्शन पर नजरें

विजय हजारे ट्रॉफी में भारतीय क्रिकेट टीम की तरफ से खेलने वाले कई बड़े सितारों को अपनी चमक बिखेरने का मौका होगा जिनमें भारतीय वनडे टीम के कप्तान शुभमान गिल भी हैं। इसके अलावा पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली भी हैं जो अब सिर्फ वनडे फॉर्मेट में खेलते हैं। विराट दिल्ली की टीम में हैं जिसमें पेसर हर्षित राणा और विकेटकीपर बैटर ऋषभ पंत भी शामिल किए गए हैं। जबकि कर्नाटक की टीम से केएल राहुल, प्रसिद्ध कृष्णा और देवदत्त पडिक्कल जैसे प्लेयर भी खेलेंगे। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या बड़ौदा की टीम में हैं।

...तब रोहित को आया था संन्यास का ख्याल

वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल के बाद मैं पूरी तरह निराश हो गया था। मुझे ऐसा लगा कि मैं अब यह खेल नहीं खेलना चाहता क्योंकि इसने मुझसे सब कुछ छीन लिया है। मुझे इससे उबरने में थोड़ा समय लगा। - *रोहित शर्मा*

9 लगातार मैच जीते थे भारत ने वर्ल्ड कप 2023 में, पर खिताबी मैच में हार गया था

■ **पीटीआई, नई दिल्ली:** भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए कहा है कि 2023 में खेले गए वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से मिली दिल तोड़ने वाली हार के बाद उन्होंने संन्यास लेने पर विचार किया था, क्योंकि उन्हें लगा कि 'इस खेल ने उनसे सब कुछ छीन लिया है।' भारत ने घरेलू मैदान पर आयोजित इस वर्ल्ड कप में रोहित की कप्तानी में शानदार प्रदर्शन किया था और लगातार नौ मैच जीत फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन खिताबी मैच में उसे पराजय का सामना करना पड़ा था।

रोहित ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, 'वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल के बाद मैं पूरी तरह से निराश हो गया था। मुझे ऐसा लगा कि मैं अब यह खेल नहीं खेलना चाहता क्योंकि इसने मुझसे सब कुछ छीन लिया है और मुझे लगा कि मेरे पास कुछ भी नहीं बचा। मुझे इससे उबरने में समय लगा। मैं खुद को बार-बार याद दिलाता रहा कि यही वह चीज है जिससे मुझे वाकई प्यार है। यह चीज मेरे पास है और मैं इसे इतनी आसानी से नहीं छोड़ सकता। धीरे-धीरे मैं इससे उबर गया। मैंने अपनी खोई हुई ऊर्जा वापस हासिल की और फिर से मैदान पर सक्रिय हो गया।'

सब कुछ झोंक दिया था: रोहित ने कहा, 'उस हार से हर कोई निराश था और हमें यकीन नहीं हो रहा था कि क्या हुआ है। मेरे लिए व्यक्तिगत तौर पर यह बहुत मुश्किल समय था क्योंकि मैंने उस वर्ल्ड कप के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया था। वर्ल्ड कप से दो या तीन महीने पहले ही नहीं, बल्कि 2022 में कप्तानी संभालने के बाद से ही मैं उसके लिए तैयारी कर रहा था।' रोहित ने आगे कहा, 'जब आप किसी चीज को हासिल करने के लिए अपना सब कुछ झोंक देते हैं और फिर आपको मनचाहा परिणाम नहीं मिलता है तो यह एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया होती है। मेरे साथ भी ठीक यही हुआ। लेकिन मुझे यह भी पता था कि जीवन यहीं खत्म नहीं होता।'

पाकिस्तान टीम पर इनामों की बारिश

अंडर-19 मेंस एशिया कप

■ **एजेंसियां, कराची:** अंडर-19 मेंस एशिया कप जीतने वाली पाकिस्तान की युवा टीम को सरकार और क्रिकेट बोर्ड दोनों स्तर पर बड़ी सराहना मिली है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने सोमवार को टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को एक-एक करोड़ रुपये का विशेष नकद पुरस्कार देने की घोषणा की। यह ऐलान इस्लामाबाद में आयोजित स्वागत समारोह के दौरान किया गया, जिसमें खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ मौजूद रहे। इससे पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी भी विजेता टीम के प्रत्येक खिलाड़ी के लिए 50-50 लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा कर चुके हैं। पाकिस्तान ने भारत को फाइनल में हराया था।

डफी का 'पंजा' सीरीज न्यूजीलैंड के नाम

न्यूजीलैंड Vs वेस्टइंडीज
तीसरा टेस्ट, पांचवां दिन

■ **एजेंसियां, माउंट माउंगानुई:** तेज गेंदबाज जैकब डफी (5/42) की घातक गेंदबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने तीसरे और अंतिम टेस्ट में वेस्टइंडीज को 323 रन से रौंदकर तीन मैचों की सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। पांचवें और अंतिम दिन वेस्टइंडीज की पूरी टीम 462 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए महज 138 रन पर सिमट गई।

किंग के बल्ले से आई फिफ्टी: वेस्टइंडीज ने दिन की शुरुआत बिना किसी नुकसान के 43 रन से की थी, लेकिन उसके बल्लेबाज न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सके। केवल चार बल्लेबाज ही दोहरे अंक में पहुंच पाए। ब्रेंडन किंग ने सर्वाधिक 67 रन बनाए, जबकि अन्य बल्लेबाजों ने निराश किया। न्यूजीलैंड की ओर से डफी ने 42 रन देकर पांच विकेट झटके। वहीं, बाएं हाथ के स्पिनर एजाज पटेल ने 23 रन देकर तीन विकेट लिए। ग्लेन फिलिप्स और रचिन रविंद्र को भी एक-एक सफलता मिली।

इससे पहले न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 575 रन बनाकर घोषित की थी। जवाब में वेस्टइंडीज ने 420 रन बनाए। दूसरी पारी में न्यूजीलैंड ने दो विकेट पर 306 रन पर पारी घोषित की, जिसमें कप्तान टॉम लैथम और 'प्लेयर ऑफ द मैच' डेवोन कॉन्वे के शतकों ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

मुझे लगता है कि जब आप इतने ज्यादा ओवर फेंकते हैं तो आखिरकार विकेट मिल ही जाते हैं। ये बस सरल क्रिकेट खेलने की बात है। अब आराम का अच्छा समय है, कुछ समय तक गेंदबाजी न करने का इंतजार है। - *जैकब डफी*

न्यूजीलैंड के लिए साल में सर्वाधिक इंटरनैशनल विकेट

जैकब डफी (2025)	81
रिचर्ड हैडली (1985)	79
डेनियल वेटोरी (2002)	76
ट्रेंट बोल्ट (2015)	72
ट्रेंट बोल्ट (2017)	69

ब्रीफ स्कोर
न्यूजीलैंड (पहली पारी): 575/8
वेस्टइंडीज (पहली पारी): 420
न्यूजीलैंड (दूसरी पारी): 306/2
वेस्टइंडीज (दूसरी पारी): 80.3 ओवर्स में 138 पर ऑल आउट (ब्रेंडन किंग 67, जैकब डफी 5/42, एजाज पटेल 3/23)

महान हैडली से आगे निकले डफी

जैकब डफी के लिए यह मैच और सीरीज यादगार रही। उन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में 81 इंटरनैशनल विकेट लेकर महान रिचर्ड हैडली के न्यूजीलैंड की तरफ से बनाए गए रेकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस सीरीज में उन्होंने 15.4 के शानदार औसत से कुल 23 विकेट झटके और तीन बार पारी में पांच या उससे अधिक विकेट लेने का कारनामा किया। डफी को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। उन्होंने कहा, 'दिग्गज खिलाड़ियों की सूची में अपना नाम देखना मेरे लिए बेहद खास है।' डफी ने साल 2025 में टेस्ट में कुल 25 विकेट लिए। उन्होंने वनडे में 21 विकेट और टी20I में 35 विकेट अपने नाम किए।

बढ़त मज़बूत करने के इरादे से उतरेगा भारत

भारत Vs श्रीलंका
विमिंस टी20I सीरीज, दूसरा मैच

■ **एजेंसियां, विशाखापत्तनम:** पहले मैच में शानदार जीत से उत्साहित भारतीय विमिंस क्रिकेट टीम मंगलवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टी20 इंटरनैशनल मुकाबले में एक और बड़ी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी। टीम का लक्ष्य सीरीज में बढ़त मजबूत करने के साथ-साथ फील्डिंग की कमजोरियों को दूर करना भी होगा।

फील्डिंग से नाराज थीं कप्तान: वर्ल्ड कप खिताब जीतने के बाद भारत ने पहले टी20 में बल्लेबाजी और गेंदबाजी में संतुलित प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को आठ विकेट से हराया था। गेंदबाजों ने विपक्षी टीम को 6 विकेट पर 121 रन पर रोक दिया, लेकिन फील्डिंग में कुछ आसान मौके गंवाने से कप्तान हरमनप्रीत और संतुष्ट नजर नहीं आईं।

शेफाली पर नजरें: कागजों पर भारतीय टीम श्रीलंका के मुकाबले कहीं अधिक मजबूत दिखती है। जेमिमा रोड्रिग्स ने वर्ल्ड कप की शानदार फॉर्म को पहले मैच में भी बरकरार रखा और मध्यक्रम को मजबूती दी शेफाली वर्मा के लिए यह सीरीज खास मानी जा रही है। आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जानी जाने वाली शेफाली इस फॉर्मेट में निरंतरता हासिल करने की कोशिश करेंगी। भारतीय टीम यदि फील्डिंग में सुधार लाने में सफल रहती है तो श्रीलंका के लिए वापसी बेहद मुश्किल हो सकती है।

FILE

पहले मैच में 69* रन बनाए थे जेमिमा ने

आमना-सामना

कुल मैच 27

भारत	श्रीलंका	नो रिजल्ट
21	5	1

टेलिकास्ट: शाम 7 बजे से स्टार स्पोर्ट्स और जियोहॉटस्टार

संभावित प्लेइंग XI

भारत: स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), ऋचा घोष (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, अमनजोत कौर, अरुंधती रेड्डी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, श्री चरणी

श्रीलंका: विशमी गुणारत्ने, चमारी अटापट्टू (कप्तान), हसिनी परेरा, हर्षिता समरविक्रमा, निलाक्षी डी सिल्वा, कौशानी नुथ्यांगना (विकेटकीपर), कविशा दिलहरी, मल्की मदारा, इनोका रणवीरा, काव्या कविंदी, शशिनी गिम्हानी

बॉक्सिंग डे टेस्ट में खेल सकते हैं जाय

■ **एजेंसियां, नई दिल्ली:** ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच 26 दिसंबर से बॉक्सिंग-डे टेस्ट मैच की शुरुआत होगी। ऑस्ट्रेलिया के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जाय रिचर्डसन कंधे की सर्जरी से उबर चुके हैं। ऐसे में उन्हें एशेज सीरीज के इस चौथे मुकाबले की प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जा सकता है। जनवरी में सर्जरी के बाद रिचर्डसन पिछले महीने अपने क्लब, फ्रेमेंटल के साथ क्रिकेट में लौटे। आशंका है कि ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट कप्तान पैट कमिंस बाकी सीरीज से बाहर रह सकते हैं। इसके अलावा अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन भी हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण सीरीज से बाहर हो गए हैं। जिसके बाद 141 मैच खेलने वाले लियोन की जगह टॉड मर्फी को टीम में शामिल किए जाने की प्रबल संभावना है।

क्रिकेट कनेक्ट

FILE

ऑस्ट्रेलिया के पेसर जाय रिचर्डसन

कृष्णप्पा ने लिया संन्यास

नई दिल्ली: इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के जरिए अपनी पहचान बनाने वाले कर्नाटक के ऑलराउंडर कृष्णप्पा गौतम ने प्रफेशनल क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान किया है। इस सैंतीस वर्षीय क्रिकेटर ने अपने आईपीएल करियर में 36 मैच खेले हैं जिसमें 38.47 के औसत से 21 विकेट हासिल किए। अपने 14 साल लंबे करियर के दौरान गौतम ने राजस्थान रॉयल्स, लखनऊ सुपर जायंट्स और पंजाब किंग्स का प्रतिनिधित्व किया। लीग में उन्होंने आखिरी मैच मई 2024 में खेला। उन्होंने भारत की तरफ से इकलौता मुकाबला 23 जुलाई 2021 को श्रीलंका के खिलाफ खेला था।

सूजी रहेंगी मैदान से दूर

नई दिल्ली: न्यूजीलैंड विमिंस टीम की बैटर सूजी बेट्स मार्च तक घरेलू समर सीजन से बाहर हो गई हैं। बेट्स को क्वाड्रिसेप्स में चोट लगी है। वह बीते महीने हैलिबर्टन जॉनस्टोन शील्ड मैच के दौरान फील्डिंग करते समय चोटिल हुई थीं। स्कैन के बाद सूजी बेट्स की चोट की गंभीरता का पता चला। उन्हें इससे उबरने के लिए 3 महीने के रिहैबिलिटेशन की जरूरत होगी।

बार्सिलोना की जीत, चमके राफिन्हा-यमाल

■ **एजेंसियां, मैड्रिड:** राफिन्हा और युवा स्टार लमिन यमाल के गोलों से बार्सिलोना ने विलारियल को 2-0 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में शीर्ष पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली। इस जीत के साथ बार्सिलोना ने अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी रियल मैड्रिड पर चार अंकों की बढ़त बना ली है।

पहला गोल 12वें मिनट में आया: मैच की शुरुआत से ही बार्सिलोना ने आक्रामक रुख अपनाया। 12वें मिनट में राफिन्हा ने पेनल्टी को गोल में बदलकर टीम को बढ़त दिलाई। यह इस सीजन में उनका सातवां लीग गोल रहा। दूसरे हाफ में 63वें मिनट में 18 वर्षीय यमाल ने शानदार फिनिश के साथ दूसरा गोल दागा, जो उनका भी इस सीजन का सातवां गोल था। इस जीत के साथ बार्सिलोना ने सभी प्रतियोगिताओं में लगातार सातवीं जीत दर्ज की।

फुटबॉल कॉर्नर

गोल का जश्न मनाते यमाल

विला की दसवीं विजय, यूनाइटेड को झटका

मैनचेस्टर: मॉर्गन रोजर्स के शानदार दो गोल की बदौलत एस्टन विला ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को 2-1 से हराकर इंग्लिश प्रीमियर लीग में खिताब की दौड़ में अपनी दावेदारी मजबूत रखी। यह विला की सभी प्रतियोगिताओं में लगातार 10वीं जीत रही। प्रीमियर लीग में यह विला की लगातार सातवीं जीत है, जिससे टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। रोजर्स ने पहला गोल हाफ टाइम से ठीक पहले 45वें मिनट में किया, जिससे विला को मनोवैज्ञानिक बढ़त मिली।

12 राशियां और आपका दिन

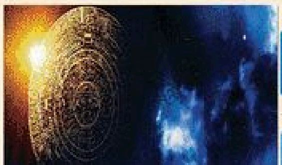

ARIES (21 Mar - 19 Apr): आज के दिन विशेष परिस्थितियां सामने रहती हैं। कड़वाहट को मिठास में बदलने की कला आपको सीखनी पड़ेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य प्राप्त होगा। तृतीय भाव में बृहस्पति होने के कारण संतान पक्ष से आशा जनक समाचार मिल सकता है। व्यवसाय में कोई रुका काम बनने की सम्भावना है।

TAURUS (20 Apr - 19 May): आज का दिन संतोष और शांति का है। राजनीतिक क्षेत्र में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। शासन व सत्ता से गठजोड़ का लाभ मिल सकता है। नए अनुबंधों के द्वारा पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रात्रि के समय कुछ अप्रिय व्यक्तियों से मिलने से अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा।

GEMINI (21 May - 21 Jun): राशि स्वामी के अष्टम भाव में होने के कारण किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने का भय बन रहेगा। संतान की शिक्षा या किसी प्रतियोगिता में सफलता का समाचार मिलने से मन में हर्ष होगा। व्यवसाय में कोई रुका कार्य पूरा होगा। रात्रि में मांगलिक कार्यों में सम्मिलित होंगे।

CANCER (22 Jun - 22 July): चंद्रमा सप्तम भाव में उत्तम स्थिति का संकेत कर रहा है। आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। राज्य-मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान की ओर से की गई मांग को पूरा करने का अवसर मिलेगा। यात्रा की स्थिति सुखद रहेगी। आज के दिन की गई यात्रा लाभदायक रहेगी और इस दौरान कोई नई जानकारी भी मिलेगी। रात्रि में प्रिय व्यक्तियों का दर्शन व सुसमाचार मिलेगा।

LEO (23 July - 22 Aug): राशि का स्वामी सूर्य चार ग्रहों के बीच में आ गया है। आज आपकी आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलाएगी। शिक्षा, प्रतियोगिता में विशेष सफलता मिलेगी। सूर्य के कारण अधिक भागदौड़ हो सकती है। ऐसे में अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें। शत्रुओं का मनोबल गिरेगा।

VIRGO (23 Aug - 22 Sep): आज का दिन शुभ है। रोजगार और व्यापार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में सफलता प्राप्त होगी। संतान पक्ष से भी संतोषजनक समाचार मिलेगा। दोपहर बाद किसी कानूनी विवाद या मुकदमे में जीत आपके लिए खुशी का कारण बन सकती है। शुभ खर्च व कीर्ति की वृद्धि होने से मन में हर्ष होगा।

LIBRA (23 Sep - 22 Oct): आज आपके घरों और सुखद वातावरण रहेगा। घर परिवार के सभी सदस्यों की खुशियां बढ़ेंगी। कई दिनों से चली आ रही लेन-देन की कोई बड़ी समस्या हल हो सकती है। पर्याप्त मात्रा में धन हाथ में आ जाने का सुख मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपके कार्यकौशल की भी प्रशंसा होगी। विरोधियों का पराभव होगा। पास व दूर की यात्रा का प्रसंग प्रबल होकर स्थगित होगा।

SCORPIO (23 Oct - 21 Nov): कुछ दिनों से आपको सेहत संबंधी कष्ट हो रहे हैं। बेहतर होगा आज किसी अच्छे डॉक्टर से अपने स्वास्थ्य को लेकर सलाह-मशविरा करें और उनके बाद ही काम के कामों में जुटें। आज आपको धन लाभ भी होगा, लेकिन खर्चे भी बढ़ जाने से स्थिति में कोई खास परिवर्तन नहीं आएगा।

SAGITTARIUS (22 Nov - 21 Dec): आज आपके विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। शासन व सत्ता पक्ष से निकटता व गठजोड़ का लाभ भी मिलेगा। ससुराल पक्ष से पर्याप्त मात्रा में धन हाथ लग सकता है। व्यवसाय को लेकर राजनीतिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने के अवसर प्राप्त होंगे।

CAPRICORN (22 Dec - 19 Jan): आज पारिवारिक व आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। आजीविका के क्षेत्र में चल रहे नए प्रयास फलीभूत होंगे। अधीनस्थ कर्मचारियों का आदर व सहयोग भी पर्याप्त मिलेगा। व्यवसाय के समय किसी झगड़े-विवाद में न पड़ें। रात्रि में प्रिय अतिथियों के स्वागत का योग बन रहा है।

AQUARIUS (20 Jan - 18 Feb): आज आपके स्वास्थ्य सुख में व्यवधान आ सकता है। आज के दिन निवेश के मामलों में कोई भी फैसला लेने से पहले एक बार घर के किसी सदस्य से जरूर चर्चा कर लें। कोई विशेष समाचार सुनकर अचानक किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है। झगड़े-विवाद से भी बचें।

PISCES (19 Feb - 20 Mar): आज का दिन पुत्र, पुत्री की चिंता तथा उनके कामों में व्यतीत होगा। दाम्पत्य जीवन में कई दिनों से चला आ रहा गतिरोध समाप्त हो जाएगा। भाइयों और सालों से आज लेन-देन न करें, संबंध खराब होने का खतरा है। धार्मिक यात्रा और पुण्य कार्यों पर आज के दिन खर्च हो सकता है। बृहस्पति का चतुर्थ योग मूल्यवान वस्तुएं चोरी करा सकता है, सावधान रहें।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

यह वर्ष मंगल, बुध, चंद्र के प्रभाव क्षेत्र में रहेगा। दिसंबर शेष में आयात-निर्यात के व्यापार से जुड़े लोगों को बारबार समस्याओं से जूझना पड़ेगा। 24 जनवरी से 28 फरवरी तक अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। गत वर्ष के सभी बचे हुए प्रसंग उभरकर सामने आएंगे। मार्च में आर्थिक कष्ट व्यथित कर सकते हैं। अप्रैल महीने से लेकर मई महीने तक में जहां आपको किसी भाग्यवर्धक कार्यक्षेत्र से जुड़ना पड़ेगा, तो वहीं जून के महीने में आपके कार्य कौशल और एकाग्रता से सभी जोखिम के कार्य सरल हो जाएंगे। इस दौरान आप उत्साह से भरे रहेंगे और नए-नए विचार भी आपके दिमाग में आएंगे। इस वर्ष के उत्तरार्ध जुलाई महीने की शुरुआत से लेकर अगस्त महीने के अंत तक आपका जीवन स्तर ऊंचा उठेगा और सब लोग आपके कार्य कौशल की प्रशंसा करेंगे। सितंबर से लेकर अक्टूबर महीने तक में यदि कष्ट पीड़ा हो तो शनिवार सुबह स्टील की कटोरी में सरसों का तेल भरकर उसमें अपना मुख देख लें और कटोरी को तेल सहित डाकोत को दान कर दें। इस तरह नवंबर तक पांच शनिवार करें इससे घर में सुख शांति बनी रहेगी। विद्यार्थियों के लिए वर्ष उत्तम है। -आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

कल का पंचांग
(बुधवार, 24 दिसंबर 2025)

राष्ट्रीय मिति पौष 3, शक संवत 1947, पौष, शुक्ल, चतुर्थी, बुधवार, विक्रम संवत 2082। सौर पौष मास प्रविष्टे 10, रजब 3, हिजरी 1447 (मुस्लिम) तद अनुसार अंग्रेजी तारीख 24 दिसंबर 2025 ई.। सूर्य उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु। राहुकाल दोपहर 12 बजे से 1 बजकर 30 मिनट तक। चतुर्थी तिथि दिन के 1 बजकर 11 मिनट तक उपरांत पंचमी तिथि का आरंभ। धनिष्ठा नक्षत्र अगले दिन सूर्योदय तक। हर्षण योग सायं 4 बजकर 2 मिनट तक उपरांत वज्र योग का आरंभ। विष्टि करण पूर्वाह्न 11 बजकर 50 मिनट तक उपरांत बालव करण का आरंभ। चंद्रमा सायं 7 बजकर 46 मिनट तक मकर उपरांत कुंभ राशि पर संचार करेगा। आज के व्रत त्योहार-अंगारकी चतुर्थी।

सुडोकू

8				3		1		
7					2		8	
		9	5		4		6	
					8	2		7
				9				
6		1	4					
	8		2		5	6		
	6		9					5
		7		1				3

TELEVISION

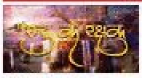

big magic

09:00 बालू हलवू	14:30 हम पांच
10:00 बदतुम बुझक	15:00 अजब देश की गजब कहानी
11:00 रुद्र के रक्षक	16:30 प्यार मोहब्बत हैपी लकी
11:30 अलादीन	19:30 रुद्र के रक्षक
12:00 चक्रधारी अजेय कृष्णा	21:00 पौरव
13:30 भ से भड़े	

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 23-12-2025 Zone: Gurgaon Edition: 1 Page: NBTGRP9 User: rajesh.mishra Time: 12-22-2025 21:55 Color:

फटाफट खबरें

नवंबर में कोर सेक्टर रहा सुस्त

पीटीआई, नई दिल्ली: देश की अर्थव्यवस्था की बुनियाद कहे जाने वाले आठ प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर (कोर) सेक्टर्स की रफ्तार नवंबर महीने में काफी सुस्त रही है। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इन सेक्टर्स में नवंबर के दौरान 1.8 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 5.8 प्रतिशत थी। अगर महीने-दर-महीने के हिसाब से देखें, तो स्थिति में थोड़ा सुधार हुआ है। अक्टूबर के महीने में इन सेक्टर्स की ग्रोथ गिरकर -0.1 प्रतिशत पर पहुंच गई थी।

जापानी कंपनी संग चिप बनाएगी टाटा

पीटीआई, नई दिल्ली: जापान की दिग्गज सेमीकंडक्टर कंपनी ROHM और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के बीच अहम समझौता हुआ है। इस पार्टनरशिप के तहत दोनों कंपनियां मिलकर भारत में चिप बनाएंगी, जिनकी सप्लाई भारतीय बाजार के साथ-साथ विदेशों में भी की जाएगी। इस साझेदारी के तहत भारत में ROHM अपनी वर्ल्ड क्लास टेक्नोलॉजी लाएगी, टाटा चिप को असेंबल करने और टेस्टिंग करेगी।

निवेश से श्रीराम फाइनैंस को बढ़त

पीटीआई, नई दिल्ली: जापान के मित्सुबिशी यूएफजे फाइनैंशल ग्रुप (MUFG) ने भारत की नॉन-बैंकिंग फाइनैंस कंपनी श्रीराम फाइनैंस में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने का प्रस्ताव दिया है। यह डील 39,618 करोड़ रुपये में होने की उम्मीद है। इस निवेश से श्रीराम फाइनैंस का कैपिटल एडिक्वेसी रेशियो (पूंजी की मजबूती का पैमाना) बढ़कर 31% पर पहुंच जाएगा। सितंबर के अंत तक यह रेशियो 20.68 प्रतिशत था।

ArcelorMittal करेगी निवेश

पीटीआई, नई दिल्ली: स्टील कंपनी ArcelorMittal ने सोमवार को भारत में तीन नए क्लीन एनर्जी प्रोजेक्ट्स लगाने का ऐलान किया है। कंपनी इन प्रोजेक्ट्स पर कुल 0.9 अरब डॉलर (करीब 7,500 करोड़ रुपये से ज्यादा) खर्च करने की योजना बना रही है। इसका मकसद भारत में कंपनी की ग्रीन एनर्जी क्षमता को दोगुना करके 2 गीगावाट (GW) तक पहुंचाना है।

IT-ऑटो शेयरों में रैली, चमके स्मॉल-मिडकैप

Sensex 638 अंक उछला, Nifty 26,100 के पार

AI Image

NBT रिपोर्ट, मुंबई : शेयर बाजार में सोमवार को जबरदस्त जोश देखने को मिला। विदेशी निवेशकों की ओर से पैसे लगाए जाने और दुनिया भर के बाजारों में आए उछाल की वजह से सेंसेक्स 638 अंक बढ़ गया। वहीं, निफ्टी भी 26,100 के अहम स्तर के ऊपर बंद होने में कामयाब रहा। बाजार में इस तेजी की बड़ी वजह IT, ऑटो और मेटल सेक्टर के शेयरों में हुई जमकर खरीदारी रही। निवेशकों को उम्मीद है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व आने वाले समय में ब्याज दरों में और कटौती कर सकता है।

पिछले सत्र की तेजी को बरकरार रखते हुए सेंसेक्स 638.12 अंक (0.75%) की बढ़त के साथ 85,567.48 पर बंद हुआ। दूसरी ओर, NSE निफ्टी 206 अंक (0.79%) चढ़कर 26,172.40 के स्तर पर बंद हुआ। BSE का स्मॉलकैप इंडेक्स 1.12 फीसदी चढ़ा, जबकि मिडकैप इंडेक्स 0.86 फीसदी मजबूत रहा।

सेंसेक्स की कंपनियों में सबसे ज्यादा फायदा Trent के शेयरों को हुआ, जो 3.56% बढ़ गए। IT सेक्टर की बात करें तो इंफोसिस 3.06%, टेक महिंद्रा 2.09%, HCL टेक 1.67% और TCS 1.28% चढ़े। इनके अलावा भारती एयरटेल, टाटा मोटर्स, रिलायंस और मारुति के शेयरों में भी अच्छी बढ़त देखी गई। हालांकि, SBI का शेयर 0.6% टूट गया। कोटक महिंद्रा बैंक, लार्सन एंड टुब्रो (L&T) और टाइटन भी लाल निशान में बंद हुए।

तेजी की वजह क्या रही? : एक्सपर्ट्स का कहना है कि साल के अंत में भारतीय बाजार में यह तेजी विदेशी संस्थागत निवेशकों (FIIs) की वापसी और ग्लोबल संकेतों की वजह से है। डॉलर के मुकाबले रुपये का स्थिर होना और विदेशी निवेशकों द्वारा पिछले कुछ दिनों से की जा रही खरीदारी ने बाजार का माहौल बदल दिया है।

सोमवार को 'मंगल'

- **सेंसेक्स** 638, निफ्टी 206 अंक की बढ़त के साथ बंद हुए।
- **IT सेक्टर** में सबसे ज्यादा खरीदारी रही, इंफोसिस और टेक महिंद्रा टॉप गेनर्स रहे।
- **ट्रेंट** सेंसेक्स का टॉप परफॉर्मर रहा, जबकि SBI में सबसे ज्यादा गिरावट रही।
- **विदेशी** निवेशकों (FIIs) ने शुक्रवार को 1,830 करोड़ रुपये से ज्यादा के शेयर खरीदे।
- **स्मॉलकैप** इंडेक्स 1.12% चढ़ा, मिडकैप 0.86% मजबूत रहा।

न्यूजीलैंड में भारतीय सामान टैक्स फ्री

ऊन, कीवी जैसे 95% सामान भारत में सस्ते में बेच सकेगा न्यूजीलैंड

AI Image

पीटीआई, नई दिल्ली: सोमवार को भारत और न्यूजीलैंड ने फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) पर बातचीत पूरी कर ली। इस समझौते से भारत के सामान को न्यूजीलैंड के बाजार में बिना किसी टैक्स (ड्यूटी-फ्री) के एंट्री मिलेगी। इसका सबसे ज्यादा फायदा कपड़ा और चमड़ा जैसे उन सेक्टर्स को होगा जहां ज्यादा मजदूरों की जरूरत होती है। साथ ही, न्यूजीलैंड ने अगले 15 सालों में भारत में 20 बिलियन डॉलर (करीब 1.6 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा) के निवेश का वादा भी किया है।

भारत के लिए क्या? : भारत से आने वाले 100% सामानों पर न्यूजीलैंड जीरो-ड्यूटी एक्सेस देगा। इससे भारतीय कंपनियों को वहां अपना पैर जमाने में बहुत मदद मिलेगी। वहीं, भारत डेयरी, मीट, सब्जी, चीनी, तांबा और एल्युमीनियम जैसे सेक्टर्स पर कोई इंपोर्ट टैक्स कम नहीं करेगा।

न्यूजीलैंड को क्या मिलेगा? : न्यूजीलैंड से आने वाले भेड़ के मांस, ऊन, कोयले और लकड़ी के सामान पर टैक्स नहीं लगेगा। कीवी, वाइन, चेरी, एवोकैडो और शहद पर भी भारत कुछ छूट देगा। वहीं, न्यूजीलैंड में विरोध शुरू हो गया है।

किसानों का फायदा? : भारत ने डेयरी सेक्टर को इस डील से पूरी तरह बाहर रखा गया है। भारत दूध, क्रीम, दही और पनीर जैसे सामानों पर कोई छूट नहीं देगा। प्याज, चना, मटर, चीनी और गहनों को भी इस लिस्ट से बाहर रखा गया है ताकि देश के व्यापारियों को नुकसान न हो।

छात्रों-प्रफेशनल्स के लिए फायदेमंद?

- **छात्रों के लिए:** न्यूजीलैंड जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या पर अब कोई पाबंदी नहीं होगी। साइंस और टेक (STEM) की पढ़ाई करने वाले ग्रेजुएशन और मास्टर छात्रों को कोर्स के बाद 3 साल और पीएचडी करने वालों को 4 साल तक वहां रहकर काम करने का मौका मिलेगा।
- **प्रफेशनल्स के लिए:** हर साल 5,000 भारतीय प्रफेशनल्स को टेंपरेरी एम्प्लॉयमेंट वीजा दिया जाएगा। इसमें आईटी, इंजीनियरिंग और हेल्थकेयर के अलावा आयुष डॉक्टर, योग टीचर, संगीत शिक्षकों को भी मौका मिलेगा।

महिला शक्ति का दम

कॉमर्स मिनिस्टर पीयूष गोयल ने बताया कि यह भारत की पहली ऐसी डील है जिसमें बातचीत करने वाली भारतीय टीम की सभी मुख्य अधिकारी महिलाएं थीं। इस टीम का नेतृत्व जॉइंट सेक्रेटरी पेटल ढिल्लों ने किया। सिर्फ 9 महीने के रेकॉर्ड समय में इस डील को फाइनल करना एक बड़ी उपलब्धि है। पीयूष गोयल ने बताया कि यह मोदी सरकार की 7वीं बड़ी ट्रेड डील है। यह डील भारतीय एक्सपोर्टर्स के लिए एक नया रास्ता खोलेगी।

US से क्या हुआ?

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते (ट्रेड पैक्ट) को लेकर बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है अब यह अपने आखिरी चरण में है। पीयूष गोयल ने यह बात भारत-न्यूजीलैंड व्यापार समझौते के पूरा होने के मौके पर मीडिया से कही। उन्होंने बताया कि भारत ने फाइव आइज ग्रुप के तीन सदस्यों ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन (UK) और न्यूजीलैंड के साथ समझौते फाइनल कर लिए हैं। फाइव आइज पांच देशों का मंच है।

टैक्स फ्री एक्सपोर्ट

- **100% जीरो-ड्यूटी:** भारतीय सामानों पर न्यूजीलैंड कोई टैक्स नहीं लेगा।
- **5,000 वीजा:** भारतीय प्रोफेशनल्स के लिए हर साल तय कोटा।
- **1,000 वीजा:** सालाना वर्क एंड हॉलीडे कैटिगरी के तहत।
- **3-4 साल:** भारतीय छात्रों के लिए पढ़ाई के बाद काम करने का मौका।
- **20 अरब डॉलर:** न्यूजीलैंड की ओर से 15 साल में संभावित निवेश।
- **2.4 अरब डॉलर:** 2024 में दोनों देशों के बीच हुआ कुल व्यापार।

न्यूजीलैंड की नो-एंट्री

- **डेयरी प्रोडक्ट्स:** दूध, क्रीम, दही और पनीर आदि।
- **सब्जियां और अनाज:** प्याज, चना, मटर, मक्का और बादाम।
- **अन्य:** चीनी, शहद, पशु या वनस्पति तेल और फैट।
- **इंडस्ट्रियल :** हथियार-गोला बारूद, रत्न और आभूषण, तांबा और एल्युमीनियम से बने सामान।
- ब्रिटेन और ओमान के बाद तीसरा बड़ा व्यापार समझौता।

ग्लोबल उथल-पुथल के बीच भारत मज़बूत: RBI बुलेटिन

AI Image

NBT रिपोर्ट, मुंबई: रिजर्व बैंक (RBI) की ओर से सोमवार को जारी बुलेटिन में कहा गया है कि सरकार की आर्थिक नीतियों और आरबीआई के फैसलों के बीच बेहतर तालमेल ने देश की अर्थव्यवस्था को काफी मजबूत बनाया है। हालांकि, दुनिया भर में चल रही आर्थिक मुश्किलों का थोड़ा असर भारत पर भी पड़ा है, लेकिन सही नीतियों की वजह से हम डटे हुए हैं।

आरबीआई के दिसंबर बुलेटिन में छपे एक लेख के मुताबिक, अगर हम आर्थिक सुधारों और बुनियादी चीजों पर ध्यान देते रहे, तो बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद भारत अपनी तेज विकास दर को बरकरार रख पाएगा। आरबीआई ने कहा कि भारत बाहरी चुनौतियों से पूरी तरह अछूता तो नहीं रहा, लेकिन सही नीतियों की वजह से हमने खुद को संभाला है। साल 2025-26 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में भारतीय इकॉनमी ने पिछले 6 तिमाहियों (डेढ़ साल) में सबसे तेज रफ्तार से ग्रोथ दर्ज की है।

अप्रैल से अक्टूबर 2025 के बीच पिछले साल के मुकाबले ज्यादा विदेशी निवेश आया। अक्टूबर में सिंगापुर, मॉरीशस और अमेरिका से सबसे ज्यादा पैसा आया। हालांकि, पैसा वापस बाहर जाने (Repatriation) की वजह से नेट एफडीआई अक्टूबर में थोड़ा नीचे रहा। बुलेटिन के मुताबिक, दिसंबर में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPI) ने शेयर बाजार से पैसा निकाला। रुपये की गिरावट रोकने के लिए आरबीआई पूरी तरह से सतर्क है।

सोना 1.38 लाख के पार, चांदी ने भी बनाया नया रेकॉर्ड

AI Image

NBT रिपोर्ट, मुंबई : राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को सोने की कीमत 1,685 रुपये उछलकर 1,38,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गई। चांदी की कीमतों में तो और भी जबरदस्त तेजी देखी गई। यह 10,400 रुपये की छलांग लगाकर 2,14,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स सहित) के नए हाई पर पहुंच गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 1.86% बढ़कर 4,420.35 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया है। ग्लोबल मार्केट में चांदी भी 3.44% बढ़कर 69.45 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

MF खर्चे में बदलाव कितना फायदेमंद?

AI Image

NBT Explainer

NBT रिपोर्ट: शेयर बाजार रेगुलेटर SEBI (सेबी) ने 17 दिसंबर को म्यूचुअल फंड के खर्चों यानी एक्सपेंस रेशियो से जुड़े नियमों में बड़ा बदलाव किया है। इसके तहत पूरे फ्रेमवर्क को नया रूप दिया गया है ताकि निवेशकों को यह साफ-साफ पता चल सके कि उन पर असल में कितना खर्च आ रहा है।

Q क्या बदला है? : ET की रिपोर्ट के मुताबिक, मुख्य बदलाव एक्सपेंस रेशियो फ्रेमवर्क में किया गया है। अब इसे नया नाम बेस एक्सपेंस रेशियो (BER) दिया गया है। सेबी ने साफ किया है कि अब कुछ टैक्स और चार्जेज इन लिमिट्स में शामिल नहीं होंगे। इनमें STT, कमोडिटी ट्रांजेक्शन टैक्स (CTT), GST, स्टैंप ड्यूटी, सेबी फीस और एक्सचेंज चार्जेज हैं। ये सभी चार्ज अब असल खर्च के हिसाब से अलग से वसूले जाएंगे। अब से आपका टोटल एक्सपेंस रेशियो (TER) इन चीजों को जोड़कर बनेगा: BER + ब्रोकरेज + सरकारी टैक्स और फीस।

Q आप पर कितना असर पड़ेगा? भले ही खर्चे दिखाने का तरीका बदल गया हो, लेकिन एक्सपर्ट्स का मानना है कि इससे निवेशकों के फैसलों पर कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। बाजार के जानकारों का कहना है कि लंबे समय के लिए निवेश करने वाले लोग छोटे-मोटे खर्चों के बजाय इस बात पर ध्यान देते हैं कि फंड कैसा प्रदर्शन कर रहा है और रिस्क कितना कम है। अगर कोई फंड अच्छा रिटर्न दे रहा है, तो 0.05% या 0.10% की कटौती से निवेश का फैसला नहीं बदलता।

Q कितनी बचत होगी? : वैल्यू रिसर्च के सीईओ धीरेंद्र कुमार का कहना है कि इन बदलावों से चीजें साफ हुई हैं, लेकिन निवेशकों का कुल खर्च बहुत ज्यादा कम नहीं होगा। सरकारी टैक्स को अलग दिखाने से ऊपरी तौर पर खर्चा कम दिखता है, लेकिन असल में निवेशकों की कुल बचत मामूली होगी। असली राहत दो चीजों से मिलेगी। पहला, एग्जिट लोड से जुड़े एक्स्ट्रा 0.05% खर्च को हटाना और दूसरा, ब्रोकरेज की लिमिट कम करना। इन सबको मिलाकर निवेशक को करीब 0.06% से 0.08% तक की असली बचत हो सकती है।

Q किस पर नजर रखें? : निवेशकों के मन में सवाल है कि अब वे खर्चे कैसे ट्रैक करें? एक्सपर्ट्स की सलाह है कि BER और TER दोनों को साथ देखना होगा क्योंकि ये एक-दूसरे से जुड़े हैं। सिर्फ एक को देखने से गलतफहमी हो सकती है।

Q ब्रोकर्स पर पड़ेगा असर? : सेबी के इस कदम का सबसे ज्यादा आर्थिक असर ब्रोकर्स पर पड़ेगा। प्रभुदास लीलाधर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रोकरेज की सीमा घटने से ब्रोकर्स की कमाई पर चोट पहुंचेगी। कैश मार्केट से होने वाली उनकी कमाई में 15-20% और डेरिवेटिव्स से होने वाली कमाई में 3-5% की कमी आ सकती है।

Q एक्टिव-पैसिव में क्या होगा? : धीरेंद्र कुमार का मानना है कि इन बदलावों से एक्टिव और पैसिव (इंडेक्स) फंड्स की रेट पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। हालांकि, उनका यह भी कहना है कि सेबी ने डायरेक्ट प्लान्स पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया है। आज के समय में डायरेक्ट प्लान्स बाजार का बड़ा हिस्सा हैं, लेकिन नए नियमों में भी उन्हें रेगुलर प्लान्स का एक हिस्सा ही माना गया है, न कि एक अलग कैटिगरी।

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in